14 अगस्त 2025
गुरुवार
डिजिटल संस्करण
केशव टाइम्स

मतदाता सूची में नाम जोड़ने, सुधार और विलोपन के लिए बक्सर में चलाया गया जागरूकता रथ 2

मुझे जान का खतरा : एमपी एमएलए कोर्ट में राहुल गांधी ने की सुरक्षा देने की अपील

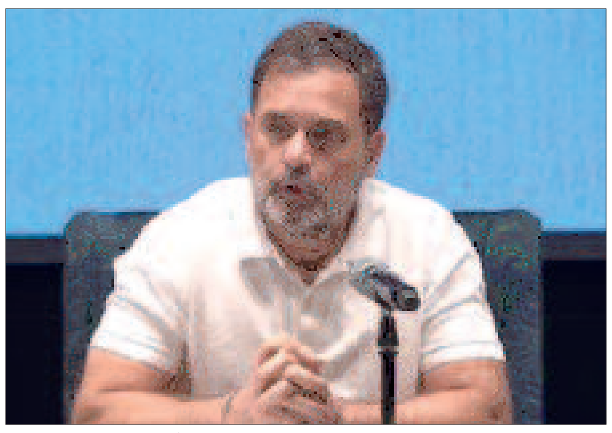

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 13 अगस्त को पुणे की एक कोर्ट से कहा कि उनकी जान को खतरा है। उन्होंने इसके पीछे तर्क देते हुए बताया कि हाल के राजनीतिक संघर्षों और शिकायतकर्ता सत्यकी सावरकर के परिवारिक रिश्तों को देखते हुए उनकी जान को खतरा है। राहुल गांधी ने इसे लेकर प्रिवेंटिव प्रोटेक्शन यानी संरक्षण देने की मांग की है। साथ ही एमपी, एमएलए कोर्ट में राहुल गांधी ने अपील की है कि मानहानि केस की सुनवाई के दौरान उनकी सुरक्षा और निष्पक्ष कार्रवाई को लेकर जो गंभीर आशंकाएं हैं, कोर्ट उस मामले में संज्ञान ले।राहुल गांधी ने एमपी, एमएलए कोर्ट में कहा कि उनकी जान को खतरा है, क्योंकि शिकायतर्ता सत्यकी सावरकर ने खुद को नाथूराम गोडसे का वंशज बताया है। राहुल गांधी ने इस दौरान ये भी कहा कि उनकी वंशावली का इतिहास हिंसक विचारधारा के लोगों से जुड़ा हुआ है, जिससे उन्हें नुकसान पहुंचाए जाने या फिर झूठे मामले में फंसाए जाने का डर है। इस कारण राहुल गांधी ने कोर्ट ने उन्हें सुरक्षा देने की मांग की है, ताकि उनकी जान को कोई खतरा ना हो और मुकदमें की निष्पक्षता दोनों ही सुरक्षित रहें। कांग्रेस नेता ने अपने हाल ही के दिनों में दिए गए बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा नेताओं की नाराजगी और धमकियों का उन्हें सामना करना पड़ा है। दरअसल मार्च 2023 में राहुल गांधी लंदन गए हुए थे। इस दौरान राहुल गांधी ने वीर सावरकर के बारे में बोलते हुए एक घटना का जिक्र किया। राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान को लेकर सत्यकी सावरकर का कहना है कि राहुल गांधी ने झूठ बोला है और यह मानहानि है। शिकायत के मुताहिक, राहुल गांधी ने वहां मौजूद लोगों से कहा था कि सावरकर ने एक किताब में लिखा है कि वह और उसके पांच-छह दोस्त एक मुस्लिम व्यक्ति को पीट रहे थे और इस पर सावरकर को खुशी हुई थी। कोर्ट में राहुल गांधी के वकील मिलिंग पवार ने कहा कि सत्यकी सावरकर का संबंध सावरकर और गोडसे के परिवार से है। वह अपने परिवार के प्रभाव का गलत प्रयोग कर सकते हैं। बता दें कि इस मामले में अगली सुनवाई अब 10 सितंबर को होगी।

इतिहास को खुद को दोहराने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए : राहुल

याचिका में कहा गया, मानहानि मामले के याचिकाकर्ता के गंभीर इतिहास को देखते हुए, बचाव पक्ष को वास्तविक और उचित आशंका है कि इतिहास को खुद को दोहराने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।₹ आवेदन में कहा गया है कि गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं और उन्होंने हाल ही में नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर देश के सामने चुनाव आयोग द्वारा चुनावी धोखाधड़ी के सबूत रखे थे। उन्होंने संसद परिसर में ₹वोट चोर सरकार₹ जैसे नारे लगाते हुए धरना भी दिया। आवेदन में कहा गया है, इसके अलावा, हिंदुत्व के विषय पर संसदीय बहस के दौरान, प्रधानमंत्री और राहुल गांधी के बीच तीखी बहस हुई, जो जनता को अच्छी तरह पता है। इस पृष्ठभूमि में, इसमें कोई संदेह नहीं है कि शिकायतकर्ता, उनके परदादा (गोडसे), विनायक सावरकर की विचारधारा से जुड़े लोग और सावरकर के कुछ अनुयायी जो वर्तमान में सत्ता में हैं, गांधी के प्रति शत्रुता या नाराजगी रखते होंगे। आवेदन में कहा गया है, ₹शिकायतकर्ता के वंश से जुड़ी हिंसक और संविधान विरोधी प्रवृत्तियों के इतिहास के मद्देनजर, और मौजूदा राजनीतिक माहौल को देखते हुए, यह स्पष्ट, उचित और पर्याप्त आशंका है कि राहुल गांधी को विनायक दामोदर सावरकर की विचारधारा को मानने वाले व्यक्तियों की ओर से नुकसान पहुंचाया जा सकता है।

राहुल गांधी को मानहानि मामले में पहले ही मिल चुकी है जमानत

राहुल गांधी के वकील ने कहा, ₹इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि विनायक दामोदर सावरकर की असंवैधानिक विचारधारा और विचारों से प्रेरित और नाथूराम व गोपाल गोडसे जैसी खतरनाक मानसिकता रखने वाले कुछ लोग गांधी के जीवन के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं।₹ अदालत पहले ही इस मामले में राहुल गांधी को जमानत दे चुकी है। इस याचिका पर प्रतिक्रिया देते हुए, सत्यकी सावरकर ने कहा कि यह तुच्छ है और मुकदमे में देरी करने के इरादे से दायर की गई है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ₹गांधी की ओर से दायर आवेदन में उल्लिखित तथ्यों का वर्तमान मामले से कोई लेना-देना नहीं है। सत्यकी सावरकर ने गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। आरोप लगाया गया है कि मार्च 2023 में लंदन में दिए गए भाषण में कांग्रेस नेता ने दावा किया था कि वीडी सावरकर ने एक किताब में लिखा है कि उन्होंने और उनके पांच से छह दोस्तों ने एक बार एक मुस्लिम व्यक्ति की पिटाई की थी और उन्हें (सावरकर को) खुशी हुई थी। सत्यकी सावरकर ने कहा कि ऐसी कोई घटना कभी नहीं हुई और वीडी सावरकर ने कभी भी कहीं ऐसी कोई बात नहीं लिखी।

बिहार कैबिनेट की अहम बैठक में कुल 30 एजेंडों पर लगी मुहर

एमएलए-एमएलसी के वेतन-भत्ता और पेंशन पर सरकार का फैसला

एजेंसी/नई दिल्ली

मुख्यमंत्री सचिवालय के कैबिनेट हॉल में चल रही नीतीश कैबिनेट की अहम बैठक संपन्न हो गई है। कैबिनेट की बैठक में तमाम विभागों के मंत्री मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 30 प्रस्ताव पर कैबिनेट की मुहर लगी है। दरअसल, बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार एक के बाद एक बड़े फैसले ले रही है। एक बार फिर से बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कैबिनेट की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े 30 प्रस्तावों पर सरकार ने अपनी स्वीकृति दे दी है। मुख्यमंत्री सचिवालय के कैबिनेट हॉल में चल रही नीतीश कैबिनेट की अहम बैठक संपन्न हो गई है। कैबिनेट की बैठक में तमाम विभागों के मंत्री मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 30 प्रस्ताव पर कैबिनेट की मुहर लगी है। मीठापुर फ्लाई ओवर को चिरैयाटाड़ फ्लाई ओवर (भाया करबिगहिया) से जोड़ने के लिए दो सौ बानवे करोड़ चौहत्तर लाख चार हजार रुपये की स्वीकृति दी गयी है। बिहार विधान मंडल के सदस्यों का वेतन, भत्ता और पेंशन नियमावली 2006 के नियम-14 में संशोधन को स्वीकृति दी गयी है। प्रखंड अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय में 469 निम्नवर्गीय लिपिक के पदों का सृजन किया गया है। वही इछड और सुपरवाईजर का वेतन बढ़ाने की मंजूरी दी गयी है। वही अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक कॉरिडोर निर्माण की रफ्तार तेज होगी। कैबिनेट की बैठक में 6 औद्योगिक क्षेत्र डेवलप करने को सहमति मिली है।

459 पदों पर होगी नियुक्ति

अल्पसंख्यकों के सामाजिक-आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास तथा अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में अवसंरचनाओं का निर्माण आदि पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. अल्पसंख्यक कल्याण विभाग वर्ष 1991 से एक पृथक विभाग के रूप में कार्यरत है। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम को पूरे राज्य में लागू करने के कारण योजनाओं के ससमय क्रियान्यवन, अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण के दायित्वों में वृद्धि हुई है. अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अन्तर्गत राज्य के प्रखण्ड अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय के लिए अतिरिक्त 459 (चार सौ उनसठ) निम्नवर्गीय लिपिक के पदों का सृजन किया किया गया है।

मीसा में जेल गए आंदोलनकारियों का पेंशन बढ़ा

लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में दिनांक 18 मार्च 1974 से 21 मार्च 1977 की अवधि में हुए आन्दोलन में मीसा / डी०आई०आर० के तहत एक से छः माह एवं छः माह से अधिक अवधि तक जेल में बंद रहे व्यक्तियों के सम्मान-पेंशन को बढ़ा दिया है. वर्तमान में मिल रहे क्रमशः 7,500/ एवं 15,000/- (पंद्रह हजार) में बढ़ोतरी कर 15,000 एवं 30,000 रू किया गया है।

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू

♦ लोकसभा स्पीकर ने तीन सदस्यीय कमेटी गठित की

एजेंसी/नई दिल्ली

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा को पद से हटाने के लिए महाभियोग की प्रक्रिया शुरू हो गई है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने इस संबंध में तीन सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया है।संसद के चालू मानसून सत्र के 17वें दिन ओम बिरला ने सदन को सूचित किया कि उन्हें जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव प्राप्त हुआ है, जिस पर पक्ष-विपक्ष के कुल 146 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। स्पीकर ने प्रस्ताव को नियमों के अनुसार प्राप्त और मान्य बताते हुए इसकी स्वीकृति की जानकारी दी।उन्होंने जस्टिस वर्मा पर लगे कदाचार के आरोपों का उल्लेख करते हुए तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की। यह समिति सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरविंद कुमार, मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता वी.बी. आचार्य वरिष्ठ से मिलकर बनी है। बता दें कि यह मामला जस्टिस वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर नकदी मिलने से जुड़ा है, जहां 14 मार्च की रात लगी आग बुझाने के दौरान अग्निशमन दल को एक स्टोर रूम में भारी मात्रा में जली हुई नकदी मिली थी। आग बुझाने के दौरान जब पुलिस घर के अंदर गई तो देखा की वहां भारी मात्रा में कैश पड़ा हुआ है। जिसके बाद इस बात की सूचना मिलते ही सीजेआई ने आनन-फानन में कॉलेजियम की बैठक बुलाई थी।

जगन्नाथ मंदिर को मिली आतंकी हमले की धमकी

एजेंसी/नई दिल्ली

ओडिशा के पुरी से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है. जगन्नाथ मंदिर को लेकर धमकी मिली है. पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार (13 अगस्त) को जगन्नाथ मंदिर के करीब एक छोटे मंदिर की दीवार पर चेतावनी लिखी हुई मिली है, जिसमें कहा गया है कि आतंकवादी जगन्नाथ मंदिर को ध्वस्त कर देंगे. इस घटना पुरी में काफी चर्चा है. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उड़िया भाषा में लिखी यह धमकी, बाली साही स्थित मां बूढ़ी ठकुराणी मंदिर की दीवार पर लिखी मिली है. दीवार पर लिखी एक चेतावनी में कहा गया है, "आतंकवादी श्रीमंदिर को ध्वस्त कर देंगे. मुझे फोन करो, नहीं तो विनाश होगा." पुरी के एक निवासी के मुताबिक, "मंदिर की दीवार पर कई फोन नंबर भी लिखे गए हैं और प्रधानमंत्री मोदी का नाम भी लिखा गया है." पुरी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) पिनाक मिश्रा ने मौके का दौरा करने के बाद कहा, "हमने मामले पर संज्ञान लिया है और इसे बहुत गंभीरता से ले रहे हैं. हमें कुछ इनपुट मिला है और इसके पीछे शामिल लोगों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीम बनाई जा रही है।

बीएसएफ ग्रुप बी और सी कर्मचारियों के लिए पहली कैडर समीक्षा को मंजूरी

कार्यान्वयन में कुल 23710 कर्मियों की पदोन्नति शुरू

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत सरकार ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ग्रुप बी और सी के कांस्टेबल से लेकर इंस्पेक्टर तक के कर्मचारियों की पहली कैडर समीक्षा को मंजूरी दे दी है। इसका कार्यान्वयन शुरू हो चुका है। कार्यान्वयन में कुल 23,710 कर्मियों की तत्काल पदोन्नति शामिल होगी। विभिन्न रैंकों में कुल 8116 पदोन्नति आदेश आज जारी किये जा चुके हैं। सीमा सुरक्षा बल के मुताबिक, यह सरकार का एक महत्वपूर्ण मनोबल बढ़ाने वाला कदम होगा। बीएसएफ जवानों ने ऑपरेशन सिन्दूर में अहम भूमिका निभाई थी। ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सीमा सुरक्षा बल 'बीएसएफ' के जवानों की वीरता को खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी माना था। बीएसएफ जवानों ने सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया था। अमित शाह ने जम्मू में बीएसएफ जवानों की पीठ थपथपाते हुए कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान जब पाकिस्तान ने हमारे नागरिक रियाहशी इलाकों पर हमला किया, तब अकेले बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर ने 118 से ज्यादा पाकिस्तान की पोस्ट तबाह कर दी। उन्हें भारी नुकसान पहुंचाया गया। दुश्मन की संपूर्ण निगरानी प्रणाली को चुन-चुन कर ध्वस्त किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था, उसे खड़ा करने में दुश्मन को शायद चार-पांच साल का समय लगे। कैडर समीक्षा से कांस्टेबल से लेकर इंस्पेक्टर तक पदोन्नति के अवसरों में सुधार होने की उम्मीद है, जिससे उन्हें मौजूदा स्थिरता से महत्वपूर्ण राहत मिलेगी।

भभुवर शिव मंदिर में रुद्राभिषेक के बाद श्रद्धालुओं को दिया जीवन का संदेश

स्वतंत्रता दिवस पर बक्सर में रहेगी विशेष ट्रैफिक व्यवस्था, मुख्य मार्गों पर वाहनों का प्रवेश वर्जित

केटी न्यूज/बक्सर

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बक्सर शहर के किला मैदान में आयोजित मुख्य समारोह के दौरान यातायात संचालन को सुचारू रखने के लिए प्रशासन ने विशेष ट्रैफिक व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश कुमार से मिली जानकारी के अनुसार, 15 अगस्त को सुबह 4 बजे से रात 10 बजे तक शहर के कई मार्गों पर वाहनों के आवागमन पर पूर्ण या आंशिक प्रतिबंध रहेगा।

मुख्य मार्गों पर प्रतिबंध

नाथ बाबा मंदिर रोड पुल के पास बैरिकेडिंग की जाएगी तथा नाथ बाबा पुल से नगर थाना की ओर किसी भी वाहन का प्रवेश पूरी तरह से वर्जित रहेगा। इसके अलावा पुलिस चौकी (नाथ बाबा पुल की तरफ जाने वाली सड़क पर) पर भी बैरिकेडिंग होगी और सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश रोका जाएगा।

बड़े वाहनों के लिए निर्धारित किए गए है वैकल्पिक मार्ग

चार पहिया और अन्य बड़े वाहनों को गोलंबर बाईपास से ज्योति चौक होते हुए आईटीआई रोड, मठिया मोड़, दानी कुटिया मार्ग से जाने की अनुमति होगी। इसके अलावा गोलंबर बाईपास, ज्योति चौक, अंबेडकर चौक, इटाढ़ी गुमटी मार्ग भी उपलब्ध रहेगा।

वहीं, ई-रिक्शा एवं ऑटो रिक्शा चालकों के लिए कई वैकल्पिक रूट तय किए गए हैं। जिनमें गोलंबर बाईपास, ज्योति चौक, रेलवे स्टेशन ज्योति चौक, आईटीआई रोड, नाथ बाबा नहर मार्ग होते हुए पुनः ज्योति चौक। पुलिस चौकी-ज्योति चौक, अंबेडकर चौक, बाजार समिति, नई बाजार, मठिया मोड़। पुलिस चौकी-पी.पी. रोड, जमुना चौक, मुनीम चौक ठठेरी बाजार, थाना चौक

पूर्ण प्रतिबंधित किए गए है कई मार्ग

15 अगस्त को थाना चौक से नाथ बाबा पुल तथा नाथ बाबा पुल से थाना चौक तक सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा।

पार्किंग की व्यवस्था

प्रशासन ने पार्किंग के लिए विशेष स्थान चिह्नित किए हैं, जिनमें ज्योति चौक से अंबेडकर चौक के बीच, आईटीआई मैदान किला मैदान के दक्षिण तरफ (रोड के किनारे), किला मैदान के पीछे तथा ज्योति चौक से थाना चौक के बीच (दोनों ओर सड़क किनारे) जिला प्रशासन ने अपील की है कि नागरिक निर्धारित ट्रैफिक व्यवस्था का पालन करें ताकि स्वतंत्रता दिवस समारोह में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो और यातायात सुचारू रूप से चलता रहे।

एक नजर

हर घर तिरंगा अभियान के तहत सीआईएसएफ इकाई बीटीपीपी बक्सर ने निकाली बाइक रैली

बक्सर । भारत सरकार के ष्हर घर तिरंगाष् अभियान के तहत बुधवार को सीआईएसएफ इकाई बीटीपीपी बक्सर द्वारा भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली का नेतृत्व इकाई प्रभारी उप कमांडेंट श्री शरदेंदु प्रियदर्शी ने किया। यह रैली सीआईएसएफ यूनिट लाइन से शुरू होकर गोला होते हुए बनारपुर तक गई और पुनः यूनिट लाइन पर समाप्त हुई। रैली में शामिल सीआईएसएफ के जवानों ने बाइक पर तिरंगा लहराते हुए देशभक्ति के नारे लगाए। भारत माता की जय, वंदे मातरम और जय हिंद जैसे जोशीले नारों से पूरा मार्ग गुंजायमान हो उठा। ग्रामीणों ने भी रैली का उत्साहपूर्वक स्वागत किया और कई स्थानों पर लोगों ने तिरंगा लहराकर जवानों का अभिवादन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों और आम नागरिकों में देशभक्ति की भावना को प्रबल करना और हर घर पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करना था। उप कमांडेंट शरदेंदु प्रियदर्शी ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं बल्कि यह हमारी आजादी के अमृत महोत्सव का हिस्सा है, जो हमें अपने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद दिलाता है। इस दौरान रैली में शामिल बल सदस्यों का जोश देखते ही बन रहा था। रास्ते भर वे लोगों को तिरंगे के महत्व और राष्ट्र प्रेम का संदेश देते रहे। रैली के समापन पर सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया और नागरिकों से 15 अगस्त को अपने घर पर तिरंगा फहराने की अपील की गई।

महादलित समुदाय का कोई भी मतदाता न छूटे, बक्सर में विकास मित्रों को विशेष निर्देश

बक्सर। विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के तहत बक्सर में महादलित समुदाय के लोगों का मतदाता सूची में पूर्ण पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए बुधवार को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता 200-बक्सर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर सदर अविनाश कुमार ने की। बैठक में सभी विकास मित्र, संबंधित पदाधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। एसडीओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से महादलित समुदाय के सभी योग्य नागरिकों का नाम जोड़ना प्राथमिक जिम्मेदारी है, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित हो। विकास मित्रों को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) से नियमित संपर्क रखें और फॉर्म-6 (नया पंजीकरण), फॉर्म-7 (नाम विलोपन) और फॉर्म-8 (सूचना संशोधन) की पूरी जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाएं। एसडीओ ने बताया कि मतदाता पंजीकरण के लिए आवश्यक 11 प्रकार के दस्तावेजों की सूची भी सभी विकास मित्रों को उपलब्ध कराई गई है, ताकि पात्र मतदाताओं को किसी भी प्रकार की औपचारिकता में कठिनाई न हो। बैठक के दौरान यह भी तय हुआ कि विकास मित्र घर-घर जाकर महादलित परिवारों से संपर्क करेंगे, उनके दस्तावेज एकत्र करेंगे और समय पर फॉर्म भरकर बीएलओ को सौंपेंगे।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने, सुधार और विलोपन के लिए बक्सर में चलाया गया जागरूकता रथ

❍ भजिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, 1 सितंबर तक चलेगा दावा-आपत्ति अभियान

केटी न्यूज/बक्सर

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 के तहत बक्सर जिले में मतदाता सूची के दावा-आपत्ति प्रक्रिया को लेकर व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने समाहरणालय परिसर से बक्सर और डुमरांव अनुमंडल के लिए अलग-अलग मतदाता जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस मौके पर उप विकास आयुक्त, उप निर्वाचन पदाधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि यह रथ आम नागरिकों को मतदाता सूची में अपना नाम जांचने, सुधार कराने और नए नाम जोड़ने के लिए जागरूक करेगा, ताकि अधिक से अधिक लोग निर्वाचन प्रक्रिया में शामिल हो सकें।

1 अगस्त को हुआ प्रारूप सूची का प्रकाशन

विशेष पुनरीक्षण के तहत 1 अगस्त 2025 को प्रारूप निर्वाचक सूची प्रकाशित की गई थी। इसी के साथ दावा-आपत्ति की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रत्येक मतदाता को अपनी प्रविष्टियों को ध्यान से जांचना चाहिए। अगर नाम गलत है, छूटा हुआ है या किसी कारण से स्थानांतरण या विलोपन की आवश्यकता है, तो संबंधित फॉर्म भरकर 1 सितंबर 2025 तक दावा-आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

बीएलओ और बीएलए के पास उपलब्ध है सूची

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रारूप सूची सभी बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) को उपलब्ध करा दी गई है। कोई भी नागरिक बीएलओ या बीएलए से संपर्क कर अपना नाम जांच सकता है। इसके अलावा, यह सुविधा ऑनलाइन भी उपलब्ध है, मतदाता अपने मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन कर या निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर लॉगिन कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

विशेष कैंप में मिलेगी वन-स्टॉप सुविधा

लोगों को सही जानकारी और सुविधा देने के लिए जिला प्रशासन ने सभी प्रखंडों और नगर परिषद कार्यालयों में विशेष कैंप लगाए हैं। यह कैंप वन-स्टॉप सेंटर की तरह काम करेंगे, जहां मतदाता प्रारूप सूची में नाम जांच सकते हैं, ऑनलाइन दावा-आपत्ति की प्रक्रिया सीख सकते हैं तथा ऑफलाइन फॉर्म ले और जमा कर सकते हैं।

दावा-आपत्ति की प्रक्रिया, चरणवार मार्गदर्शन

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यदि सूची में नाम है, तो पहले सभी विवरण जांच लें। गलती सुधार या स्थानांतरणरू फॉर्म-8 भरें। नाम जोड़ना, फॉर्म-6 के साथ आवश्यक दस्तावेज और घोषणा पत्र जमा करें। नाम विलोपित कराना, फॉर्म-7 भरें। दस्तावेज जमा करने के लिए बीएलओ या प्रशिक्षित वालंटियर की मदद ली जा सकती है।

ऑनलाइन माध्यम से भी संभव

निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं की सुविधा के लिए ऑनलाइन सेवाओं पर विशेष जोर दिया है। मतदाता क्यूआर कोड स्कैन कर तुरंत जानकारी प्राप्त कर सकते है। विभागीय पोर्टल पर ईपिक संख्या या अन्य विवरण डालकर डेटा देखा जा सकता है। नया नाम जोड़ने, विलोपन, स्थानांतरण या संशोधन के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरा जा सकता है। ईसीनेट ऐप के जरिए अपने बीएलओ या ईआरओ की जानकारी पाएं। हेल्पलाइन 1950 पर कॉल करके जानकारी तथा सहयोग ली जा सकती है।

प्रशासन की अपील, समय पर करें प्रक्रिया पूरी

जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने जिलेवासियों से अपील की कि वे अंतिम तिथि एक सितंबर से पहले अपने नाम की जांच और आवश्यक सुधार अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में सही प्रविष्टि होना न केवल आपका अधिकार है, बल्कि लोकतंत्र में आपकी भागीदारी की पहली सीढ़ी भी है।इस अभियान के जरिए प्रशासन उम्मीद कर रहा है कि बक्सर और डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र के अधिक से अधिक लोग मतदाता सूची में अपनी प्रविष्टियों को सही कराकर, भविष्य के चुनावों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

अजय माकन से मुलाकात, स्क्रीनिंग 2025 पर बक्सर कांग्रेस की रणनीति तेज

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे के नेतृत्व में मंगलवार को कांग्रेस कार्यकताओं का एक प्रतिनिधिमंडल पटना स्थित सदाकत आश्रम पहुंचा। यहां अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष एवं बिहार स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष अजय माकन से मुलाकात कर आगामी स्क्रीनिंग 2025 को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के दौरान कार्यकताओं ने संगठन को मजबूत करने, जिला स्तर पर रणनीति तय करने और युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने जैसे मुद्दों पर अपने सुझाव रखे। इस मौके पर बक्सर लोकसभा क्षेत्र की स्क्रीनिंग कमेटी की सदस्य एवं युवा नेत्री प्रीती शिंदे को भारत का संविधान भेंट किया गया। कार्यकताओं ने इसे कांग्रेस की मूल विचारधारा और संवैधानिक मूल्यों के प्रति आस्था का प्रतीक बताया। मुलाकात के बाद डॉ. मनोज पांडेय ने कहा कि अजय माकन कांग्रेस के सच्चे सिपाही हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता और संगठनात्मक समझ से बिहार कांग्रेस को नई ऊर्जा मिलेगी। स्क्रीनिंग 2025 में हर कार्यकर्ता की भागीदारी होगी और बक्सर कांग्रेस एकजुट होकर पार्टी को मजबूत करेगी। बैठक में शामिल वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने भी पार्टी एकजुटता पर जोर दिया। डॉ. प्रमोद ओझा, त्रिलोकी नाथ मिश्रा, जय राम राम, निर्मला देवी, वीरेंद्र राम और राजू यादव सहित अन्य कार्यकताओं ने एक स्वर में कहा कि स्क्रीनिंग प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और सर्वसम्मति से आगे बढ़ाई जाएगी। कार्यकताओं का मानना है कि आगामी चुनावी परिस्थिति में कांग्रेस के लिए जमीनी स्तर पर सक्रियता और आपसी एकजुटता ही सबसे बड़ी ताकत होगी। इस मुलाकात ने न सिर्फ संगठनात्मक दिशा तय की बल्कि कार्यकताओं में उत्साह और विश्वास भी जगाया।

अंचलाधिकारी ने जनप्रतिनिधियों के साथ की बैठक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने लिया शपथ

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड मुख्यालय स्थित मनरेगा भवन सभागार में बुधवार को अंचलाधिकारी अभिषेक गर्ग की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रखंड क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य राजस्व महाअभियान के सफल संचालन के लिए आपसी समन्वय और सहयोग को मजबूत करना था। बैठक में अंचलाधिकारी ने बताया कि 16 अगस्त से 20 सितंबर तक पूरे प्रखंड में राजस्व महाअभियान चलाया जाएगा, जिसमें जमीन से संबंधित लंबित मामलों के समाधान के लिए विशेष शिविर आयोजित होंगे। इन शिविरों में छूटी हुई जमाबंदी, जमाबंदी में सुधार, नामांतरण दाखिल-खारिज और बंटवारा दाखिल-खारिज जैसे मामलों का निपटारा प्राथमिकता से किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान के दौरान राजस्व कर्मी घर-घर जाकर जमाबंदी पंजी, आवेदन प्रपत्र और पंपलेट उपलब्ध कराएंगे ताकि आवेदक समय पर अपने आवेदन शिविरों में जमा कर सकें।बैठक में सीओ ने जनप्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि प्रत्येक पंचायत में शिविर का आयोजन पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस महाअभियान में केवल राजस्व विभाग ही नहीं, बल्कि अन्य विभागों के कर्मियों को भी जोड़ा जाएगा, ताकि अभियान को मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम की तरह ही सफल बनाया जा सके। बैठक के अंत में अंचलाधिकारी, वरीय अधिकारी, प्रखंड कर्मी और सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने यह शपथ ली कि वे राजस्व महाअभियान को सफल बनाने, जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान और सरकारी योजनाओं के लाभ को सही पात्रों तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरुण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढेलवानी मोड़, डुमराँव

मशाल खेल प्रतियोगिता 2024 का समापन, कबड्डी बालिका वर्ग में ब्रह्मपुर और केसठ की चमक

❍ बक्सर में प्रतिभाओं ने दिखाई दमखम, विजेताओं को मिला मेडल और ट्रॉफी

केटी न्यूज/बक्सर

खेल विभाग, बिहार सरकार, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना एवं शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रतिभा खोज ह्लमशालह्व खेल प्रतियोगिता 2024 का जिला स्तरीय आयोजन 10 से 13 अगस्त 2025 तक एम.पी. उच्च विद्यालय, बक्सर एवं किला मैदान में हुआ। चार दिनों तक चले इस आयोजन में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आई टीमों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बुधवार को प्रतियोगिता के अंतिम दिन बालिका कबड्डी (अंडर-14 एवं अंडर-16 वर्ग) के फाइनल मुकाबले हुए, जिनमें रोमांच और उत्साह चरम पर था।

अंडर-14 बालिका कबड्डी वर्ग के फाइनल में ब्रह्मपुर प्रखंड की टीम ने बक्सर प्रखंड को 51-12 के बड़े अंतर से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम में महिमा कुमारी, ज्योति कुमारी, निक्की कुमारी, रंजू कुमारी, प्रिया कुमारी, आरती कुमारी और रागिनी कुमारी शामिल रहीं।

वहीं, अंडर-16 बालिका कबड्डी वर्ग में केसठ प्रखंड की खिलाड़ी भी पीछे नहीं रहीं। उन्होंने बक्सर प्रखंड को 49-12 से हराकर चौंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। इस टीम में ज्योति कुमारी, कुमकुम कुमारी, संजना कुमारी, प्रीती कुमारी, पूजा कुमारी और आरती कुमारी जैसी खिलाड़ी शामिल थीं।

खेल के प्रति जागरूकता का संदेश

मशाल खेल प्रतियोगिता ने न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच दिया, बल्कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी काम किया। आयोजकों का मानना है कि ऐसे आयोजनों से खिलाड़ियों में आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास होता है, जो उनके भविष्य को संवारने में मददगार साबित होगा।

पुरस्कार वितरण में गूंजते रहे नारे

फाइनल मुकाबलों के बाद आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि उप विकास आयुक्त बक्सर आकाश कुमार चौधरी, वरीय उप समाहर्ता सह उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा बक्सर आदित्य कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी संदीप रंजन और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।ट्रॉफी मिलते ही केसठ प्रखंड की टीम ने भारत माता की जय के नारों से मैदान गुंजा दिया, जबकि ब्रह्मपुर प्रखंड की खिलाड़ी हिप हिप हुर्रे के साथ अपनी खुशी का इजहार करती नजर आईं।

आयोजन में शिक्षकों का रहा सराहनीय योगदान

प्रतियोगिता को सफल बनाने में शारीरिक शिक्षकों और सामान्य शिक्षकों की अहम भूमिका रही। इनमें अशोक कुमार, मदन राम, सत्येन्द्र सिंह, लालसाहब सिंह, सुनील सिंह, अश्वनी राय, संजय कुमार, अभिषेक सिंह, मो. मुस्लिम, मोहन सिंह, अनिल कुमार पाल, वशिष्ठ प्रसाद, त्रिलोकीनाथ तिवारी, राजू कुमार, अखिलेश पाण्डेय, राकेश रंजन उपाध्याय, रवि प्रकाश, रवि कुमार, राजेश राय, संजय सिंह, धर्मेंद्र कुमार, रंजीत लाल, दयाशंकर पाल, सत्येन्द्र सिंह यादव, सावित्री सिंह, शमा परवीन, ऊषा मिश्रा, उर्मिला कुमारी और अंजू उपाध्याय के नाम प्रमुख रहे।

निष्पक्ष कार्य करने में कर्मचारियों व अधिकारियों को आ रही बाधा

बक्सर के शिक्षा विभाग में माफियाओं का दबदबा, पांच पदाधिकारियों ने लगाई गुहार

- लंबे समय से लंबित है जांच प्रतिवेदन, कार्रवाई की मांग तेज
- शिक्षा विभाग के कई पत्र, डीएम का भी संज्ञान, एसडीएम व एसडीपीओ से रिपोर्ट न मिलने पर आरोपी अजय कुमार सिंह और अरविंद कुमार सिंह का बढ़ा मनोबल

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में शिक्षा विभाग से जुड़े गंभीर मामले में एक दो नहीं बल्कि पांच पदाधिकारियों ने शिक्षा माफियाओं के बढ़ते दबदबे और उनके द्वारा की जा रही आपराधिक गतिविधियों पर खुलकर शिकायत निदेशक(प्रशासन)-सह-अपर सचिव बिहार सरकार के समक्ष दर्ज कराई है। प्राप्त दस्तावेजों और पत्राचार से यह स्पष्ट होता है कि अजय कुमार सिंह और अरविंद कुमार सिंह नामक दो व्यक्तियों पर वर्षों से शिक्षा विभाग के कामकाज में हस्तक्षेप करने, पदाधिकारियों को धमकाने, वसूली करने और बहुधा संपत्ति अर्जित करने के गंभीर आरोप हैं। सिमरी प्रखण्ड निवासी अमित कुमार यादव ने इन लोगों के खिलाफ अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर के खिलाफ यह आरोप लगाया है कि विभागीय आदेशों और जिलाधिकारी के निर्देशों के बावजूद दोनों व्यक्तियों अरविंद सिंह व अजय सिंह के विरुद्ध जांच प्रतिवेदन अब तक उपलब्ध नहीं कराया गया है।

विभागीय पत्राचार में गंभीर खुलासे

शिक्षा विभाग के निदेशक (प्रशासन) सह अपर सचिव सुबोध चौधरी द्वारा 7 फरवरी 2025 को जारी पत्रांक-160 में साफ तौर पर लिखा गया है कि अजय कुमार सिंह और अरविंद कुमार सिंह के अनावश्यक हस्तक्षेप से कार्यालय की कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही है। दोनों के खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में शिक्षकों और कर्मियों द्वारा आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें कार्यालय में मारपीट, गाली-गलौज और रंगदारी मांगने जैसी घटनाएं शामिल हैं। विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा, बक्सर द्वारा भी 28 फरवरी और 3 अप्रैल 2025 को एसडीएम और एसडीपीओ से जांच प्रतिवेदन मांगा गया, लेकिन कोई रिपोर्ट नहीं भेजी गई। यहां तक कि जिलाधिकारी ने सात मई 2025 को जांच लंबित रहने को खेदजनक बताते हुए शीघ्र प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का आदेश दिया, फिर भी कार्रवाई नहीं हुई। जो इनके वर्चस्व का प्रमाण है।

पदाधिकारियों के लिए असुरक्षित बना माहौल

जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों ने अपने सामूहिक पत्र में बताया कि बक्सर में पदस्थापित होने के बाद से वे प्रतिदिन व्यापक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। आरोप है कि शिक्षा माफिया प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शिक्षा व्यवस्था पर कब्जा जमाए हुए हैं और मनमाने कार्य के लिए दबाव डालते हैं। मनोकूल कार्य न करने पर लोक शिकायत, आरटीआई और अपीलीय प्राधिकरण के माध्यम से झूठे परिवाद दर्ज कराए जाते हैं। कार्यालय में अवैध रूप से घुसकर मारपीट और धमकी दी जाती है। लिपिकों की मिलीभगत से महत्वपूर्ण फाइलें शिक्षा माफियाओं को सौंपी जाती हैं। सीसीटीवी कैमरों पर पेंट लगाकर इनकी आवाजाही को छिपाने की कोशिश की जाती है। आरोपित व्यक्तियों के घर पर शिक्षा विभाग जैसा समानांतर कार्यालय संचालित होने के आरोप भी लगाए गए हैं।

दबाव में कई पदाधिकारी करा चुके है तबादला

शिकायत में यह भी उल्लेख है कि इन परिस्थितियों के कारण कोई भी जिला शिक्षा पदाधिकारी या कार्यक्रम पदाधिकारी एक वर्ष से अधिक बक्सर में कार्य नहीं कर पाया। 2020 से अब तक कई अधिकारी महज 1 से 6 माह के भीतर ही तबादला करा चुके हैं। कुछ अधिकारी तो मात्र 30 दिन में ही बक्सर छोड़ने को मजबूर हुए। सेवानिवृत्त अधिकारियों को भी सेवांत लाभ और पेंशन से वंचित करने की धमकी दी गई।

आर्थिक अपराध इकाई से जांच की मांग तेज

शिकायतकताओं ने मांग की है कि अजय कुमार सिंह और अरविंद कुमार सिंह के खिलाफ लंबित जांच प्रतिवेदन तुरंत प्राप्त किया जाए और आर्थिक अपराध इकाई से उनकी संपत्ति की जांच कराई जाए। साथ ही, उन सरकारी कर्मियों पर भी कार्रवाई हो जो इनके साथ मिलकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। विभागीय समीक्षा में यह पाया गया कि 5 मार्च 2025 को दिए गए निर्देशों का जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा पालन नहीं किया गया। उप विकास आयुक्त, बक्सर को भी शिक्षा विभाग के कार्यों की नियमित समीक्षा कर प्रगति लाने के निर्देश दिए गए हैं।

शिक्षा विभाग में बिगड़ रहा है माहौल

यह पूरा मामला न केवल बक्सर जिले की शिक्षा व्यवस्था में गहरी पैठ बना चुके कथित माफियाओं के प्रभाव को उजागर करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि कैसे विभागीय आदेशों और उच्चाधिकारियों के संज्ञान के बावजूद स्थानीय स्तर पर कार्रवाई टल रही है। इससे आरोपी व्यक्तियों का मनोबल बढ़ा है और शिक्षा विभाग में निष्पक्ष व भयमुक्त कार्य का माहौल लगातार बिगड़ता जा रहा है।

स्वतंत्रता दिवस परेड की तैयारियों का किला मैदान में जायजा, प्रशासन ने कसी कमर

- भव्य तरीके से मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस समारोह, अंतिम चरण में है तैयारियां

केटी न्यूज/बक्सर

स्वतंत्रता दिवस 2025 की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है और पूरे देश की तरह बक्सर में भी 15 अगस्त के भव्य आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। बुधवार को जिले के मुख्य आयोजन स्थल किला मैदान में होने वाली परेड एवं समारोह को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से तैयारियों का जायजा लिया।

जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह और पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने सुबह किला मैदान पहुंचकर पूरे आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परेड में भाग लेने वाले विभिन्न बलों की टुकड़ियों (प्लाटून) का बारीकी से निरीक्षण किया और अभ्यास के दौरान उनकी सटीकता, तालमेल और अनुशासन की समीक्षा की।

परेड में जिला पुलिस बल, होमगार्ड, एनसीसी कैडेट, स्काउट एंड गाइड तथा स्कूली छात्र-छात्राओं की टुकड़ियों ने भाग लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यक्रम के दिन किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने मंच सजावट, ध्वजारोहण स्थल, वीआईपी बैठने की व्यवस्था, आम जनता के प्रवेश व निकास मार्ग, पेयजल एवं चिकित्सा सुविधा जैसी व्यवस्थाओं की भी जांच की। साथ ही बारिश की संभावना को देखते हुए वैकल्पिक इंतजाम करने के आदेश भी दिए।

पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर आने-जाने वाले मार्गों पर यातायात नियंत्रण के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। साथ ही संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाकर निगरानी बढ़ाई जाएगी। भीड़ नियंत्रण और आपात स्थिति से निपटने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) को अलर्ट पर रखा जाएगा।

शहर में बढ़ा उत्साह

स्वतंत्रता दिवस के आयोजन को लेकर शहरवासियों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। बाजारों में तिरंगे झंडों, बैज और बच्चों के लिए देशभक्ति थीम वाले कपड़ों की बिक्री तेज हो गई है। स्कूल-कॉलेजों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रिहर्सल जोरों पर है। किला मैदान के आसपास की सड़कों की साफ-सफाई और सजावट का कार्य भी तेज हो गया है। नगर परिषद की ओर से मैदान के चारों ओर रंग-बिरंगी झालरों और लाइटिंग की व्यवस्था की जा रही है।

परेड में होंगे आकर्षण के केंद्र

जानकारी के अनुसार, इस बार परेड में स्कूली बच्चों के साथ-साथ विभिन्न विभागों की झांकियां भी प्रदर्शित की जाएंगी, जिनमें सरकार की प्रमुख योजनाओं और उपलब्धियों को दशार्या जाएगा। वहीं, स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को मंच पर सम्मानित किया जाएगा। जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि यह देश के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे समय पर आयोजन स्थल पहुंचकर परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लें। पुलिस अधीक्षक ने भी लोगों से अपील की कि वे कार्यक्रम में सहयोग करें, सुरक्षा व्यवस्था में बाधा न डालें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस निरीक्षण के साथ ही प्रशासन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 15 अगस्त को बक्सर का किला मैदान देशभक्ति और उत्साह से सराबोर होगा, जहां तिरंगा शान से लहराएगा और हर बक्सरवासी गर्व से भरेगा।

बीमा दावा विवाद में 16 साल बाद मिला न्याय

- राज्य उपभोक्ता आयोग ने बक्सर जिला फोरम के फैसले को रखा बरकरार, एलआईसी ने चुकाई 4.80 लाख की राशि

केटी न्यूज/बक्सर

लंबे कानूनी संघर्ष के बाद आखिरकार एच.डी. जैन कॉलेज, आरा के वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ. चंद्रशेखर चौधरी को उनके बीमा दावे में जीत हासिल हुई है। राज्य उपभोक्ता आयोग, पटना ने बुधवार को बक्सर जिला उपभोक्ता फोरम के पुराने फैसले को सही ठहराते हुए एलआईसी (भारतीय जीवन बीमा निगम), शाखा सासाराम को परिवादी को 4 लाख 80 हजार 508 रुपये चुकाने का आदेश बरकरार रखा।

मामला वर्ष 2009 से चल रहा था, जब डॉ. चौधरी ने सेवा में त्रुटि के आरोप में जिला उपभोक्ता फोरम, बक्सर में परिवाद पत्र संख्या 75/2009 दाखिल किया था। उन्होंने न्यायालय को बताया था कि उन्होंने वेतन बचत योजना के तहत एलआईसी से बीमा खरीदा था, जिसकी परिपक्वता तिथि वर्ष 2003 में निर्धारित थी। परिपक्वता पर जब वे बीमा राशि प्राप्त करने पहुंचे तो उनका दावा यह कहकर खारिज कर दिया गया कि प्रीमियम के रूप में जमा किए गए कुछ चेक बाउंस हो गए थे।

जिला उपभोक्ता फोरम ने सुनवाई के बाद परिवादी के पक्ष में निर्णय दिया और एलआईसी को राशि भुगतान का आदेश दिया। लेकिन एलआईसी ने आदेश मानने के बजाय राज्य उपभोक्ता आयोग में अपील संख्या 222/2013 दाखिल कर फैसले को चुनौती दी। वर्षों चली सुनवाई के बाद राज्य आयोग ने एलआईसी की अपील में कोई मेरिट नहीं पाया और इसे खारिज कर दिया, साथ ही जिला फोरम के आदेश को यथावत रखा।

बुधवार को एलआईसी ने आदेश का पालन करते हुए 4,80,508 रुपये का भुगतान चेक के माध्यम से किया। यह चेक सेवानिवृत्त न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला उपभोक्ता आयोग, वेद प्रकाश सिंह और सदस्य राजीव सिंह ने परिवादी को सुपुर्द किया। इस अवसर पर अधिवक्ता शशि भूषण सिंह और डॉ. चौधरी स्वयं उपस्थित थे। यह मामला उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूकता का एक उदाहरण बन गया है, जिसमें एक उपभोक्ता ने कानूनी रास्ते से अपनी लड़ाई पूरी मजबूती के साथ लड़ी और वर्षों बाद न्याय प्राप्त किया। यह फैसला न केवल व्यक्तिगत जीत है, बल्कि बीमा दावों में पारदर्शिता और समयबद्ध निपटान की आवश्यकता पर भी एक सशक्त संदेश देता है।

संकरा रास्ता, अव्यवस्थित पार्किंग और ठेला-खोमचा बने यातायात संकट का स्थायी

केटी न्यूज/डुमरांव

शहर का सबसे व्यस्त इलाका एनएच-120 स्टेशन रोड बुधवार को एक बार फिर यातायात अव्यवस्था का शिकार हो गया। दोपहर करीब 12 बजे शुरू हुआ जाम दो घंटे से अधिक समय तक चला, जिससे स्कूली बच्चों से भरी वैन, ई-रिक्शा, ऑटो, निजी वाहन और पैदल यात्री सभी परेशानी में फंसे रहे। स्थिति इतनी खराब थी कि पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया।स्थानीय लोगों के मुताबिक, स्टेशन रोड पहले से ही संकरा है, ऊपर से जहां-तहां खड़े वाहन और सवारी उतारने-चढ़ाने की मनमानी ने हालात बिगाड़ दिए। सड़क किनारे खड़े ठेला-खोमचा वाले भी यातायात के सुचारू प्रवाह में बड़ी बाधा बनते हैं। यही कारण है कि महाजाम के दौरान कई स्कूली वैन चालक घंटों मशक्कत के बाद ही वाहन निकाल पाए। जाम के कारण यात्रियों की सबसे बड़ी चिंता समय पर स्टेशन पहुंचने की थी। कई लोग अपनी निर्धारित ट्रेन नहीं पकड़ पाए और अगली ट्रेन का इंतजार करने को मजबूर हो गए। वहीं, पैदल चलने वालों ने फुटपाथ के अभाव और सड़कों पर वाहनों के कब्जे को अपनी सबसे बड़ी समस्या बताया।

स्थानीय दुकानदारों ने कहा कि स्टेशन रोड पर रोजाना जाम लगना आम हो गया है। पुलिसकर्मी आते जरूर हैं, लेकिन केवल औपचारिक कार्रवाई कर लौट जाते हैं, जिससे स्थायी समाधान की कोई उम्मीद नहीं दिखती। उनका कहना है कि प्रशासन अगर कड़ाई से नियम लागू करे, सड़क किनारे ठेला-खोमचा को व्यवस्थित करे और पार्किंग की स्पष्ट व्यवस्था बनाए, तो समस्या काफी हद तक खत्म हो सकती है।

शहरवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही यातायात सुधार के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या आने वाले दिनों में और विकराल रूप ले सकती है। उन्होंने सुझाव दिया कि स्टेशन रोड पर ऑटो और ई-रिक्शा के लिए निर्धारित स्टॉप प्वाइंट, अतिक्रमण हटाने की नियमित कार्रवाई और चौक-चौराहों पर पुलिस की सतत मौजूदगी जरूरी है। फिलहाल, बुधवार का यह महाजाम एक बार फिर यह याद दिला गया कि डुमरांव की यातायात व्यवस्था केवल अस्थायी हस्तक्षेप से नहीं, बल्कि ठोस योजना और सख्त अमल से ही सुधर सकती है।

प्रत्याशी के काफिले को बताया जा रहा है कारण

वहीं, जानकारों का कहना है कि स्टेशन रोड में डुमरांव विधानसभा से ताल ठोकने वाले एक स्वघोषित प्रत्याशी के काफिले के कारण ही इतना बड़ा जाम लगा था। इस दौरान आम यात्रियों से लगायत वाहन चालकों को खासे परेशान होना पड़ा। नियाजीपुर की पुतुल पाठक, सहियार निवासी प्रिया उपाध्याय आदि ने बताया कि वे इलाज कराने डुमरांव आई थी, लेकिन जाम में करीब दो घंटे तक परेशान होना पड़ा। वहीं, बक्सर निवासी अरविंद राय उर्फ चुन्नु राय ने बताया कि वे अपनी बेटी को एमए का इंट्रेंस एक्जाम दिलवाने डुमरांव आए थे। छुट्टी के ऐन समय जाम लगने से परेशान होना पड़ा। वहीं, कई अन्य लोग भी जाम का दंश झेलने के बाद प्रत्याशी के काफिले को कोषते नजर आए। लोगों का कहना था कि चुनाव जीतने के पहले ही यदि यह हाल है तो जीत के बाद शहर की यातायाता व्यवस्था ही ठप करा देंगे।

मतदान कर्मियों की सुविधा से लेकर सुरक्षा तक, हर व्यवस्था चुनाव आयोग के मानकों के अनुसार सुनिश्चित करने के निर्देश

चुनावी तैयारियों की बारीकियों पर जिलाधिकारी और एसपी की नजर, डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को देखते हुए जिला प्रशासन ने चुनावी तैयारियों की रफ्तार तेज कर दी है। इसी क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी बक्सर, डॉ. विद्यानंद सिंह और पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने बुधवार को राजपुर विधानसभा के डिस्पैच सेंटर का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने चुनावी प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाने वाले डिस्पैच सेंटर एवं रिसेप्शन सेंटर की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। जिलाधिकारी ने कहा कि सर्वप्रथम बक्सर विधानसभा के डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए हैं। अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी जल्द ही इसी तरह की समीक्षा की जाएगी, ताकि किसी भी स्तर पर चूक न हो।

जिलाधिकारी ने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि मतदान कर्मियों के बैठने के लिए पर्याप्त जगह, वाहन पार्किंग की सटीक व्यवस्था और ईवीएम स्ट्रांग रूम की सुरक्षा, भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि स्ट्रांग रूम के चारों ओर सुरक्षा घेरा और सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था समय रहते पूरी हो।

मतदान दिवस पर किसी भी असुविधा से बचने के लिए अधिकारियों ने वाटरप्रूफ टेंट, मेडिकल सहायता, शुद्ध पेयजल, सामग्री कलेक्शन सेंटर और उचित साइनेज की व्यवस्था पर भी बल दिया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि डिस्पैच सेंटर पर आने वाले मतदान कर्मियों और पुलिस बल को दिशा-निर्देश आसानी से मिलें, इसके लिए सूचना पटल और संकेतक बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाए जाएं।

पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि डिस्पैच सेंटर पर आने-जाने वाले सभी मार्गों पर सुरक्षा बल की उचित तैनाती होगी। भीड़-नियंत्रण के लिए पर्याप्त बैरिकेडिंग और प्रकाश व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी बक्सर, जिला कोषागार पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी राजपुर, राजस्व अधिकारी राजपुर सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी भी मौजूद रहे। सभी ने अपने-अपने स्तर पर तैयारियों की स्थिति से जिलाधिकारी और एसपी को अवगत कराया और आवश्यकतानुसार सुधार करने पर सहमति व्यक्त की।

प्रशासन का मानना है कि चुनावी तैयारियों की यह समय पूर्व समीक्षा मतदान दिवस पर किसी भी तरह की अव्यवस्था या देरी को रोकने में अहम भूमिका निभाएगी।

रिमझिम बारिश से डुमरांववासियों को उमस से राहत

डुमरांव। डुमरांव में बुधवार को सुबह से शुरू हुई रिमझिम बारिश ने नगरवासियों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत दी। पिछले कई दिनों से पड़ रही तेज धूप और बढ़ी हुई नमी से लोग बेहाल थे, लेकिन आज दिनभर बीच-बीच में हुई हल्की से मध्यम बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया। बारिश के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई और ठंडी हवाओं के साथ वातावरण में ताजगी घुल गई। नगर के मुख्य बाजार, स्टेशन रोड, गोला रोड समेत विभिन्न इलाकों में लोगों को बिना छतरी के भी बारिश का आनंद लेते देखा गया। बच्चे गलियों में पानी में खेलते नजर आए, वहीं किसानों के चेहरों पर भी खुशी झलक उठी। लगातार हो रही बारिश से खेतों में रोपे गए धान की फसल को भरपूर नमी मिलने की संभावना है, जिससे पैदावार पर सकारात्मक असर पड़ेगा। हालांकि, बारिश के कारण कुछ निचले इलाकों में जलजमाव की स्थिति भी देखने को मिली, जिससे राहगीरों को असुविधा हुई। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे तक हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है। लोगों ने मौसम में आए इस बदलाव का भरपूर लुत्फ उठाया और कई लोगों ने इसे ह्यतपिश से मिली राहत का तोहफाह्ल बताया। बारिश ने न केवल तापमान कम किया बल्कि लंबे समय से बनी उमस को भी दूर कर दिया, जिससे डुमरांव की फिजा में ठंडक और सुकून महसूस किया जा रहा है।

नगर अध्यक्ष और कार्य समिति सदस्य ने यात्रा को दिया भव्य रूप

देश के 79वें जश्ने आजादी से पूर्व भाजपा ने निकला तिरंगा यात्रा अभियान

केटी न्युज। रोहतास

देश के जश्ने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत बुधवार को भाजपा कार्यकताओं ने बिक्रमगंज शहर में 'हर घर तिरंगा' यात्रा अभियान जोश भरे उत्साह के साथ निकला। अभियान का शुभारंभ शहर के आरा रोड़ स्थित भाजपा कार्यालय से नगर अध्यक्ष नागेश्वर कुशवाहा एवं काराकाट भाजपा नेता सह प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ. मनीष रंजन के नेतृत्व में सैकड़ों बीजेपी कार्यकताओं ने हाथों में देश का तिरंगा लेकर भारत माता की जयघोष के साथ मुख्य तेंदुनी चौक से होते हुए पूरे शहर में तिरंगा यात्रा का आगाज किया। जिसमें शहर के सैकड़ों लोगों ने भी भाग लिया। इस अभियान तहत भाजपा नगर अध्यक्ष नागेश्वर कुशवाहा ने कहा कि हर " हर घर तिरंगा " तहत लोग अपने घरों पर देश के आजादी के याद में तिरंगा लगाते हुए देश के वीर शहीदों जरूर याद करें। दूसरी तरफ अभियान यात्रा को भव्य रूप देते हुए भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुआ यह अभियान आज एक जन-आंदोलन बन चुका है, जो राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोता है और देशभक्ति की भावना को मजबूत करता है। यह दशार्ता है कि 140 करोड़ देशवासी उस स्वतंत्र भारत को विकसित और सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए संकल्पित हैं, जिसका सपना असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने त्याग,तप और समर्पण की भावना से देखा था। जिनके आजाद भारत के सपनों को हमें आजीवन जीवंत रखते हुए ऊंचे शिखर पर लेकर जाना है। जो तिरंगा यात्रा पीएम मोदी के आह्वान पर 13 अगस्त से आजादी के 79वें स्वतंत्रता दिवस के रूप में 15 अगस्त तक हर घर-घर तिरंगा अभियान चलाया जायेगा। जिस अवसर पर देश शहीद जवानों के स्मारकों व प्रतिमाओं पर स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। साथ ही डॉ. मनीष ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि एकता और गर्व की पहचान है। जिसे राष्ट्रभक्ति भावना के साथ " हर घर तिरंगा " के रूप 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के रूप में पूरा देश मनायेगा। अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य - मदन प्रसाद वैश्य, बलिराम मिश्रा, रवि पांडे, अमर सिंह, पंकज सिंह, अभय कुमार, कुणाल कुमार, मंदन कुमार, दीपक कुमार, विवेक कुशवाहा, हरेंद्र हरियाली, दिवाकर द्विवेदी, नवीन चंद्र साह,रितेश राज,संजय गुप्ता सहित सैकड़ों लोगों तिरंगा यात्रा में भाग लिया।

रोहतास डीएम ने हर घर तिरंगा कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर दिया विशेष निर्देश

केटी न्युज। रोहतास

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को रोहतास डीएम द्वारा कई निर्देश दिए गए है। जिसके आलोक में जिला स्तर पर प्रभात फेरी, तिरंगा यात्रा,तिरंगा रैली,सांस्कृतिक कार्यक्रम, तिरंगा मेला, कार्यशाला,तिरंगा प्रदर्शनी,सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा के रंग में लाईटिंग, तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रखंड स्तर पर न्यूनतम 2000 तिरंगा झंडो का वितरण किया जाना किया जाना है। बुधवार को स्काउट एंड गाईड रोहतास के द्वारा तिरंगा यात्रा, विद्यालय में प्रतियोगिता एवं झंडा वितरण/जिविका के माध्यम से हर घर तिरंगा कार्यक्रम -2 में उपस्थित प्रतिभागियों को वितरण किया गया। जो 15 अगस्त को प्रभात फेरी में तिरंगा झंडा वितरण, दो सौ टी शर्ट वितरण, बैनर,अल्पाहार, पेयजल इत्यादि से सबंधित कार्यक्रम किए जाएंगे। उक्त तिथी को ही संध्या में सांस्कृतिक कार्यक्रम में तिरंगा लाईट,तिरंगा बैलून, हर-घर तिरंगा सेल्फी प्वाइंट इत्यादि कार्यक्रम किया जायेगा।

जिला शिक्षा पदाधिकारी को निदेश है कि उक्त प्रतियोगिता में ज्यादा से ज्यादा सहभागिता हेतु अपने स्तर से विद्यालय,महाविद्यालय, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं को सूचित करना सुनिश्चित करेंगें।

डीएम ने पांच लोगों से जनता दरबार में किया लोक साक्षात्कार

बुधवार को रोहतास डीएम उदिता सिंह के द्वारा पांच आम नागरिकों से दैनिक लोक साक्षात्कार किया गया। जिसमें उनके विभिन्न समस्याओं यथा।दाखिल खारीज,अनाधिकार निर्माण कार्य, वेतन भुगतान, भूमि मामी एवं जामबंदी क्षतिग्रस्त से संबंधित आवेदन पत्रों को प्राप्त करते हुये उस पर विधि सम्मत एवं समुचित कार्रवाई करने का निदेश देते हुये संबंधित पदाधिकारियों को भेजा गया।

जो निम्नवत है आवेदक बजरंगी चौबे, मौजा डुमरा के आवेदन पत्र दाखिल खारीज से सबंधित को अंचल अधिकारी,करगहर को भेजा गया। डेहरी के शिवगंज मोहल्ला निवासी आवेदक के आवेदन पत्र को अनुमंडल पदाधिकारी, डिहरी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, डिहरी को अग्रेतर आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजा गया। आवेदक ओम प्रकाश तिवारी हरिनारायनपुर निवासी के आवेदन पत्र वेतन भुगतान के संबंध में था, जिसे सेवा शिकायत में सुनवाई हेतु भेजा गया। जबकि रामप्रवेश तिवारी एवं सन्नी विश्वकर्मा के आवेदन पत्र को अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारियों को अविलंब सुनवाई करते हुये आवश्यक कार्रवाई करने के निदेश के साथ भेजा गया।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर, मौत

- इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में थोड़ा दम
- बिना थाना क्षेत्र के बिहिया गांव के स्मीप बुधवार की शाम घटी घटना

केटी न्युज। आरा

आरा। आरा-बक्सर नेशनल हाईवे पर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के बिहिया के समीप बुधवार की शाम अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ता में ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार मृतक बिहिया थाना क्षेत्र के अमराई नवादा गांव निवासी बनारसी रजक का 30 वर्षीय पुत्र लवकुश कुमार रजक है एवं वह सूरत में स्थित कपड़ा मिल में काम करता था। इधर, मृतक के छोटे भाई प्रदुम कुमार ने बताया कि वह 6 अगस्त सूरत से वापस घर लौटे थे।बुधवार की शाम वह बाइक से बिहिया घूमने के लिए जा रहा था। उसी दौरान बिहिया के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उसके बाइक में टक्कर मार मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा उन्हें इलाज के लिए बिहिया पीएचसी ले जाया गया। तभी एक ग्रामीण द्वारा उन्हें फोन कर सूचना दी गई की उनके भाई के एक्सीडेंट हो गया। जिसके बाद उसने अपने भाई के मोबाइल पर कॉल किया तो सरकारी एंबुलेंस चालक द्वारा फोन उठाकर कहा गया कि आपका भाई के एक्सीडेंट हो गया और हम उन्हें सदर अस्पताल ले जा रहे हैं। सूचना पाकर परिजन सदर अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सक ने देख उसके भाई मृत घोषित कर दिया। इसके बाद अस्पताल में कार्यरत पुलिस पदाधिकारी द्वारा उसके शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बताया जाता है कि मृतक के परिवार में मां राजमुनी देवी, पत्नी गुड़िया देवी व दो पुत्री निधि एवं छोटी है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की मां राजमुनी देवी,पत्नी गुड़िया देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पीजी में नामांकन के लिए दूसरी बार आयोजित हुई प्रवेश परीक्षा

- चार जिला में बनाये गए केंद्रों पर 96 प्रतिशत छात्रों की रही उपस्थिति

केटी न्युज। आरा

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में पीजी सत्र 2025-27 में दाखिला को लेकर प्रवेश परीक्षा बुधवार को ली गई। दूसरी बार आयोजित प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त रहीं। विभिन्न केंद्रों पर 23 अभ्यर्थी कदाचार के आरोप में निष्कासित किए गए। एचडी जैन कॉलेज केंद्र से पांच, पयहारी जी महाराज कॉलेज से सात,महाराजा कॉलेज से छह और डीके कार्मेल स्कूल से पांच अभ्यर्थी निष्कासित हुए। परीक्षा में जिला प्रशासन का भी सहयोग मिला। सभी केंद्रों पर पुलिस के जवान प्रतिनियुक्त थे। गहन तलाशी के बाद ही अभ्यर्थियों को प्रवेश मिला।कुछ केंद्रों पर जैमर भी लगाए गए थे। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय द्वारा ऑब्जर्वर की भी प्रतिनियुक्ति की गई थी। बारिश के बावजूद पीजी की प्रवेश परीक्षा में अभ्यर्थियों की उपस्थिति बेहतर रहीं। परीक्षा में 96 प्रतिशत अभ्यर्थी शामिल हुए।वहीं कई केंद्रों पर निर्धारित समय के बाद पहुंचे अभ्यर्थियों को प्रवेश नहीं मिला। ऐसे अभ्यर्थियों द्वारा हंगामा भी किया गया। बता दें कि परीक्षा की वीडियोग्राफी भी की गई। परीक्षार्थियों के परीक्षा हॉल में मोबाइल सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर पाबंदी थी। परीक्षा के दौरान नामांकन सेल के नोडल अधिकारी प्रो डीके सिंह,परीक्षा नियंत्रक प्रो अनवर इमाम, प्रॉक्टर प्रो लाल बाबू सिंह सहित अन्य ने केंद्रों का जायजा लिया। दो पालियों में संपन्न हुई प्रवेश परीक्षा अंतर्गत पहली पाली की परीक्षा 11 बजे से 12 तक और दूसरी पाली की परीक्षा सवा बारह बजे से सवा दो बजे तक हुई। परीक्षा के बाद प्रश्नपत्र और ओएमआर जमा कर लिया गया। मालूम हो कि प्रवेश परीक्षा को लेकर चारों जिले में 23 केंद्र बनाए गए थे। पीजी के कुल पांच हजार 998 सीट पर एडमिशन लिया जाना है।

462 प्राचार्य कर रहे थे लापरवाही, स्टेट लेवल पर स्कूल पहुंच गए 32वें स्थान पर

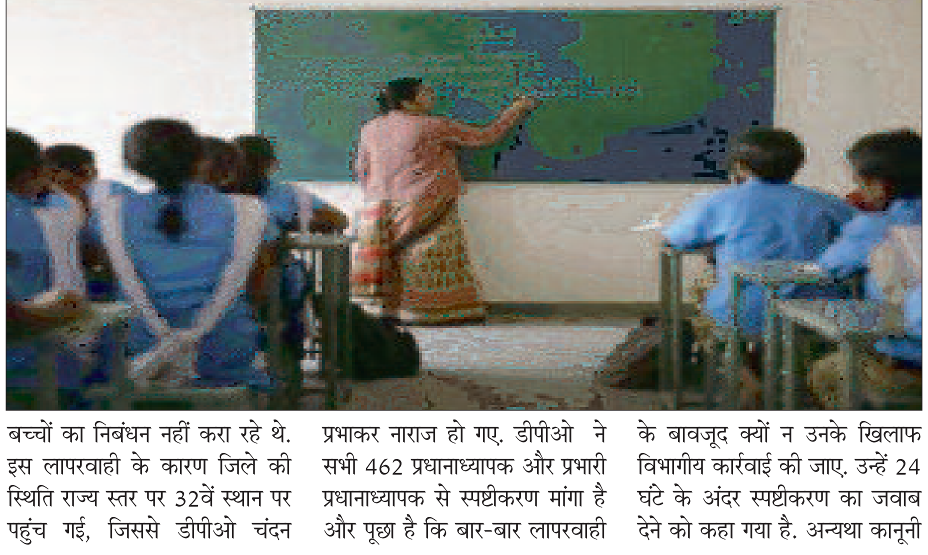

केटी न्युज। आरा

भोजपुर में 462 सरकारी प्राचार्यों पर इंस्पायर अवार्ड योजना के तहत निबंधन न कराने पर डीपीओ ने कार्रवाई की है. उन्हें 24 घंटे में स्पष्टीकरण देने को कहा गया है.बिहार के भोजपुर जिले में शिक्षा विभाग ने एक बार फिर बड़े स्तर पर प्रधानाध्यापकों पर कार्रवाई की है, जिले के 462 सरकारी प्राचार्यों पर यह कार्रवाई जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ) चंदन प्रभाकर द्वारा की गई है, जिससे यह विषय चर्चा का मुद्दा बन गया है. जिले के 462 स्कूलों के प्रधानाध्यापक एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक पहले भी स्पष्टीकरण की कार्रवाई के बावजूद इंस्पायर अवार्ड योजना के तहत अपने स्कूल के कक्षा 6 से 12 तक के बच्चों का निबंधन नहीं करा रहे थे. इस लापरवाही के कारण जिले की स्थिति राज्य स्तर पर 32वें स्थान पर पहुंच गई, जिससे डीपीओ चंदन प्रभाकर नाराज हो गए. डीपीओ ने सभी 462 प्रधानाध्यापक और प्रभारी प्रधानाध्यापक से स्पष्टीकरण मांगा है और पूछा है कि बार-बार लापरवाही के बावजूद क्यों न उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाए. उन्हें 24 घंटे के अंदर स्पष्टीकरण का जवाब देने को कहा गया है. अन्यथा कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है. भोजपुर जिले में सत्र 2025-26 के लिए इंस्पायर अवार्ड योजना में भाग लेने के लिए कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों का निबंधन करना अनिवार्य है. प्रत्येक स्कूल से कम से कम 7 विद्यार्थियों का चयन करके नवाचार की प्रस्तुति के लिए निबंधन करना होता है. कई बार चेतावनी और बैठक के बावजूद अब तक इन प्रधानाध्यापकों ने निबंधन नहीं कराया है, जबकि अन्य स्कूलों ने यह प्रक्रिया पूरी कर ली है. डीपीओ चंदन प्रभाकर ने कहा है कि इस बार काम नहीं करने वालों के खिलाफ विभागीय और कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी. जिन प्रखंडों के प्रधानाध्यापकों पर कार्रवाई हुई है. उनमें जगदीशपुर, पीरो, आरा, बड़हरा, बिहिया, चरपोखरी, गड़हनी, उदवंतनगर, सहार, संदेश, कोईलवर और शाहपुर के प्राचार्य शामिल हैं।

अब बचे नहीं बचेंगे

अब जब डीपीओ ने 24 घंटे का समय सीमा तय कर दी है, तो लापरवाह प्राचार्य खुद को बचा नहीं पाएंगे. यदि तय समय के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई तय मानी जा रही है. शिक्षा विभाग अब ऐसे अधिकारियों और शिक्षकों पर शिकंजा कसने की तैयारी में है, जो योजनाओं को गंभीरता से नहीं लेते।

एक नजर

हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन

डेहरी। गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के एनएसएस और एनसीसी इकाई द्वारा आयोजित हर घर तिरंगा अभियान में जीएनएसयू के एनएसएस स्वयंसेवकों और एनसीसी कैडेट्स ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अभियान में एक रैली का आयोजन किया गया, जो देव मंगल सभागार जमुहार से करवंदिया गांव तक गई। इस रैली में लोगों को राष्ट्रध्वज वितरित किए गए और भारत माता के प्रति सम्मान के लिए जागरूक किया गया।इस कार्यक्रम में एनएसएस समन्वयक जीएनएसयू वेदांत कुमार प्रजापति, एनसीसी समन्वयक डॉ. मयंक कुमार, और समस्त विभाग के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी और समन्वयक उपस्थित रहे।

प्रस्तावित रेल वैगन मरम्मती कारखाना निर्माण प्रारंभ किया जाए : राजेश्वर राज

काराकाट । भारत सरकार के रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के निर्देश पर काराकाट विधानसभा के पूर्व विधायक राजेश्वर राज ने रेल मंत्रालय में ईडीपीजी एमआर विकास जैन से भेंट की ।इस दौरान उन्होंने पूज्य श्री जीयर स्वामी जी महाराज के चातुर्मास्य व्रत के अवसर पर आयोजित विराट धर्म सम्मेलन में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण सौंपा ।मुलाकात के दौरान श्री राज ने क्षेत्र की दो अहम रेल समस्याओं को लेकर स्मार पत्र भी प्रस्तुत किया ।इसमें कोरोना काल से बंद बनारस पैसेंजर (वाया बिक्रमगंज) के परिचालन को पुनः शुरू करने और आरा-सासाराम डेमो ट्रेन व सासाराम-पटना फास्ट पैसेंजर का संझौली प्रखंड स्थित बैरी हाल्ट पर ठहराव सुनिश्चित करने व बंद पड़े डालमियानगर में प्रस्तावित रेल वैगन मरम्मती कारखाना निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई । श्री जैन ने सभी मुद्दों पर गंभीरता दिखाते हुए स्मार पत्र को तत्काल कार्रवाई के लिए अग्रसारित कर आश्वासन दिया कि इन पर शीघ्र निर्णय लिया जाएगा ।

स्वतंत्रता दिवस से पूर्व स्टेडियम में परेड पूर्वाभ्यास का डीएम ने किया निरीक्षण

सासाराम। जिला मुख्यालय सासाराम स्थित फजलगंज स्टेडियम में बुधवार को स्वतंत्रता दिवस को ले फाइनल ड्रेस रिहर्सल हुआ। रोहतास डीएम उदिता सिंह ने परेड पूर्वाभ्यास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सलामी ली गई, ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान हुआ। परेड का नेतृत्व एवं संचालन सार्जेंट मेजर ने किया। जिसमें जिला पुलिस बल, महिला पुलिस बल, होमगार्ड आदि के पलाटून ने भाग लिया। अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा सभी संबंधित से आह्वान किया कि हमें पूरे अनुशासन, दृढ़ संकल्प एवं उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेना है। मौके पर उप विकास आयुक्त रोहतास, अनुमंडल पदाधिकारी सासाराम, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सासाराम, डीपीआरओ रोहतास सहित जिले के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थें।

निलामवाद के वारंटी को जेल

काराकाट । थाना क्षेत्र के मोथा गांव से निलामवाद वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि मोथा निवासी कृष्णा साह पिता स्व. बच्चा साह को गुप्त सूचना के आधार पर उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। उनके विरुद्ध निलामवाद वारंट जारी किया गया है। गिरफ्तार वारंटी को जांच के बाद जेल भेज दिया गया है।

राजस्व महाअभियान का 16 अगस्त से 20 सितम्बर तक होगा आयोजन

सासाराम। रोहतास जिले में राजस्व महा-अभियान 16 अगस्त 2025 से 20 सितम्बर 2025 तक आयोजन किया जाना है। जिसमें भूमि संबंधी विवरण को अद्यतन करना एवं आम रैयतों,भू-धारियों को भूमि संबंधी हो रही कठिनाईयों के निवारण हेतु परिमार्जन यानी खाता, खेसरा, रकबा, नाम आदि में सुधार तथा उत्तराधिकार नामांतरण बंटवारा संबंधी आवेदनों को कैम्प मोड में प्राप्त किया जाना है। रोहतास जिले में कुल 2103 मौजों में 1015431 जमाबंदी का वितरण घर-घर जाकर किया जाना है। इस हेतु 16 अगस्त से 20 सितम्बर 2025 तक विभिन्न तिथियों को कुल 465 शिविरों का आयोजन किया जायेगा। **जबकि लोगों निम्न प्वाइंट अंतर्गत डिजिटाइज्ड जमाबंदियों में त्रुटियों को सुधार करना :-** ऑनलाइन डिजिटाइज्ड जमाबंदियों में रैयतों के नाम, खाता, खेसरा, रकबा तथा लगान से संबंधित विवरणियों में अशुद्धियां लोप को दूर करना। **छुटी हुई जमाबंदियों को ऑनलाईन करना :** ऐसी जमाबंदी जो ऑफलाईन जमाबंदी में दर्ज थी, परंतु वे भूलवश ऑनलाईन नहीं हो पाई है। ऐसी स्थिति में डिजिटाइज्ड जमाबंदी पंजी में परिलक्षित त्रुटियों का निराकरण तथा उतराधिकार/बंटवारा नामांतरण एवं छुटी हुई जमाबंदियों के ऑनलाईन करने की कार्रवाई हेतु अभियान चलाना। साथ ही विरासत एवं बंटवारे के नामान्तरण का प्रोसेस करने को लेकर जमाबंदी रैयत के मृत्यू जाने के बाद उनके उतराधिकारियों के नाम को रिकार्ड में अपडेट करना। संयुक्त संपति के मामले में भी मौखिक बंटवारा के बावजूद अंशधारकों के नाम से अलग अलग जमाबंदी बनाना शामिल है।

करंट की चपेट में आने से किसान की मौत

आरा। जिले के संदेश थाना क्षेत्र के जानेसरा गांव में बुधवार की शाम करंट की चपेट में आने से किसान की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक संदेश थाना क्षेत्र के जानेसरा गांव वार्ड नंबर 8 निवासी स्व. देव नारायण सिंह के 50 वर्षीय पुत्र बली यादव हैं एवं वह किसान थे। इधर, मृतक के साला संतोष कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार की शाम वह खेत में चारा काटने के लिए गए थे। जहां बिजली का पोल था और उसमें करंट आ रहा था। उसी दौरान उनके हाथ बिजली के पॉल में स्पर्श कर गया। जिसके कारण करंट की चपेट में आ गए और घायल होकर गिर पड़े। इसके बाद ग्रामीण द्वारा इसकी सूचना उनके परिजन को दी गई। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और उन्हें संदेश रेफरल अस्पताल ले आए। जहां चिकित्सक ने देख उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने चार बहन व एक भाई में छोटे थे एवं अपने मां-बाप के इकलौते चिराग थे। उनके परिवार में पत्नी मीता देवी व दो पुत्र चुनमुन,विकास एवं एक पुत्री रिंकू है। घटना के बाद मृतक की पत्नी मीता देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

स्व रंभा देवी के प्रथम पुण्यतिथि पर वितरण हुआ अन्नदान

आरा । आरा के वरिष्ठ पत्रकार चन्दन कुमार के पत्नी रंभा देवी का निधन विगत वर्ष हो गया था। स्व रम्भा देवी धार्मिक एवं सामाजिक महिला थी। इस मौके पर स्थानीय आरा रेलवे स्टेशन पर हजारो लोगो के बीच अन्नदान वितरण का कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ के पहले अभय विश्वास भट्ट ने स्व रम्भा देवी के बारे में चर्चा किया। इसके बाद यशवन्त नारायण ने अन्नपूर्णा मंत्रोचारण किया। ततपश्चात सामाजिक कार्यकर्ता सोनाली सिंह ने बताया कि स्व रम्भा देवी जी के बारे में जो जानकारी लोगो से मिली है वह बहुत ही सामाजिक एवं धार्मिक महिला थी। उनके निधन से चन्दन जी को क्षति तो हुआ ही है, सामाज के लिए भी अपूरणीय क्षति रहा है। जिसकी भरपाई सम्भव नही है। हम सब उन्हें आज अन्नदान के माध्यम से श्रद्धांजलि देते है। इसके बाद उनके आत्मा की शांति हेतु 2 मिनट का मौन रखा गया वही सब रम्भा देवी अमर रहे का उद्घोष भी हुआ। इस मौके पर उपस्थित सभी लोग भावुक नजर आए। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में डॉ अनिल सिंह, आरपीएफ इंस्पेकटर दीपक सिंह, पवन शर्मा, चंदन साह,आर के सिंह, कमलेश कुंदन, असमंजस यादव, विंकटेश उपाध्याय, अमन,मोनू, विशाल, अमरेंद्र,विभु सिंह, बादल विराट,संजय राय, विकाश कुमार, विवेक कुमार, शुभम, ओपी पांडेय समेत कई थे

प्रशासन ने समारोह को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी की

पटना में स्वतंत्रता दिवस पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, ड्रोन से होगी निगरानी

केटी न्युज। पटना

पटना में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन ने समारोह को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। गांधी मैदान में विशेष रूप से एक अस्थायी थाना स्थापित किया गया है, जिससे किसी भी आपात स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई हो सके। इसके साथ ही शहर के संवेदनशील और प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जो पूरे समारोह के दौरान निगरानी करेंगे।सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए ड्रोन कैमरों का भी इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे

भीड़ की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा सके। भीड़ नियंत्रण के लिए शहर के विभिन्न सेक्टरों में पुलिस अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो।यातायात प्रबंधन के लिए भी विशेष योजना बनाई गई है ताकि ट्रैफिक जाम से बचा जा सके और लोगों को समारोह स्थल तक पहुंचने में कोई परेशानी न हो। पटना के विभिन्न इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए जाएंगे ताकि कानून-व्यवस्था बनाए रखी जा सके। एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि सभी सुरक्षा अधिकारी और मजिस्ट्रेट समारोह के दौरान पूरी सावधानी और सतर्कता के साथ काम करेंगे ताकि स्वतंत्रता दिवस उत्सव सुरक्षित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो। त्योहारों के दौरान बाजारों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा घेरे का निर्माण किया जाएगा. स्थानीय पुलिस, जिला प्रशासन और खुफिया एजेंसियों के बीच समन्वय सुनिश्चित करने को कहा गया है. सोशल मीडिया पर नजर रखने के लिए विशेष निगरानी टीम तैनात की गई है और सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया जा रहा है. सभी थाना क्षेत्रों में शांति समिति की बैठकें हो रही हैं, जिनमें जुलूस में शामिल होने वाले 20 सदस्यों के मोबाइल नंबर और आधार कार्ड जमा किए जा रहे हैं. हर साल इस की तरह इस बार भी डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा. किसी भी प्रकार की उपद्रवकारी गतिविधि पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. एटीएस को हाई अलर्ट पर रखा गया है और नेपाल सीमा से सटे इलाकों में खुफिया नेटवर्क को सक्रिय कर दिया गया है. लापरवाही पर होगी कार्रवाईः एडीजी ने सभी अधिकारियों को चेताया है कि अगर कहीं भी सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही पाई गई, तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने दोहराया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना सभी की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।

अब बिहार सरकार नहीं बनाएगी नेशनल हाईवे निर्माण और मरम्मत का जिम्मा एनएचएआई के हवाले

केटी न्युज। पटना

बिहार समेत झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा जैसे राज्यों में नेशनल हाईवे (एनएच) से जुड़ी बड़ी जिम्मेदारी अब पूरी तरह केंद्र सरकार की होगी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने स्पष्ट आदेश जारी करते हुए कहा है कि अब राज्य सरकारें चार लेन या उससे अधिक चौड़ी नेशनल हाईवे का न तो निर्माण कर सकेंगी और न ही उनका रखरखाव। यह कार्यभार अब केंद्रीय एजेंसी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के हवाले होगा। मंत्रालय के इस फैसले के अनुसार, केवल वही सड़कें जो चार लेन से कम हैं और एक राज्य से शुरू होकर दूसरे राज्य में समाप्त होती हैं, उनका निर्माण और रखरखाव भी अब केंद्र सरकार की एजेंसियों द्वारा किया जाएगा। यह नीति बदलाव विशेषकर बिहार को आर्थिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर प्रभावित करेगा।फिलहाल बिहार में कुल 6147 किलोमीटर नेशनल हाईवे हैं, जिनमें से 3189 किलोमीटर का रखरखाव एनएचएआई के जिम्मे है, जबकि 2589 किलोमीटर का जिम्मा राज्य सरकार के पास है। नई व्यवस्था के तहत अब इन सड़कों का निरीक्षण केंद्र और राज्य दोनों के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।

बाढ़ प्रभावित इलाकों का नीतीश कुमार का दौरा स्थगित, सीएम आवास पर बुलाई आपात बैठक

बैठक में कई मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी शामिल

केटी न्युज। पटना

बिहार में लगातार हो रही बारिश और खराब मौसम के कारण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा स्थगित कर दिया गया है। पटना के साथ-साथ भागलपुर समेत कई जिलों में मौसम ने जनजीवन को प्रभावित किया है, जिससे मुख्यमंत्री का यह दौरा फिलहाल टालना पड़ा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस मौसम की गंभीरता को देखते हुए पटना में एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। इस बैठक में कई मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी शामिल होंगे। बैठक का उद्देश्य बारिश के कारण उत्पन्न हालात का जायजा लेना और राहत तथा बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने की रणनीति बनाना है।मुख्यमंत्री आवास में हुई इस बैठक में बाढ़ प्रभावित जिलों की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने, आवश्यक मदद मुहैया कराने तथा भविष्य में ऐसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए कदम उठाने पर चर्चा होगी।

अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर राहत कार्यों को तेजी से अंजाम दें और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान करें।बिहार में जारी बारिश के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे कई इलाकों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई है। ऐसे में सरकार की प्राथमिकता प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाना और स्थिति को नियंत्रण में रखना है। मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागों को सतर्क रहने और आवश्यक कदम तुरंत उठाने का निर्देश भी दिया है। इस दौरे के स्थगित होने के बावजूद, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और सभी प्रशासनिक अधिकारियों से नियमित रिपोर्ट लेते रहेंगे ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। ऐसे में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहार सरकार बाढ़ से निपटने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है ताकि जनता को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

25 लाख की आबादी प्रभावित

प्रत्यय अमृत ने बताया कि अधिक वषार्पात के कारण गंगा नदी के किनारे के 10 जिले भोजपुर, पटना, सारण, वैशाली, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर एवं कटिहार विशेष रूप से प्रभावित हुए हैं. बाढ़ से इन 10 जिलों के 54 प्रखंडों की 348 पंचायतों की 25 लाख आबादी प्रभावित हुई है।

अब तक क्या कुछ किया गया?

मुख्यमंत्री को बताया गया कि एनडीआरएफ की 7 टीमें और एसडीआरएफ की 9 टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं. इसके अलावा 60 मोटर बोट और 1233 नाव लगातार कार्यरत हैं. अब तक 52 हजार 573 पॉलीथीन शीट और 1800 सूखा राशन पैकेट प्रभावित लोगों के बीच बांटा गया है. अभी तक सामुदायिक रसोई केंद्र में 13 लाख से अधिक लोगों को भोजन कराया जा चुका है. जानवरों के लिए चारा एवं चिकित्सा की व्यवस्था की गई है. दूसरी ओर बताया गया कि राज्य में अच्छी वर्षा के कारण किसानों को फायदा हुआ है. राज्य में अब तक 93 प्रतिशत धान की रोपनी हो चुकी है. समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि नदियों के किनारे वाले क्षेत्रों में बढ़ते जलस्तर को ध्यान में रखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहे. प्रभावित लोगों को संवेदनशीलता के साथ मदद करें. मुख्यमंत्री ने कहा, "बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच आनुग्रहिक राहत राशि का वितरण जल्द कराएं. बाढ़ के दौरान हुई फसल क्षति को लेकर किसानों के बीच राशि का भुगतान कराना सुनिश्चित करें. पथ निर्माण विभाग एवं ग्रामीण कार्य विभाग बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों का पुनर्स्थापन कार्य कराना सुनिश्चित करे।

पटना में हुआ रसोइयों का न्याय दिलाओ आक्रोश रैली, उठा न्यूनतम मजूदरी की मांग

- रसोइयों के मानदेय में वृद्धि पर फ्रंट के संरक्षक जय सिंह राठौड़ ने जताया आभार, कहा - रसोइयों को पेंशन और स्वास्थ्य बीमा की मिले सुविधा

केटी न्युज। पटना

राष्ट्रीय मध्यान्ह भोजन रसोइया फ्रंट के बैनर तले आज राजधानी पटना के गर्दनीबाग में एक दिवसीय रसोइयों का न्याय दिलाओ आक्रोश रैली और महाधरना का आयोजन किया गया। जिसमें बिहार के विभिन्न जिलों से आए प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों के साथ-साथ संगठन के कई पदाधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। धरना सभा को संबोधित करते हुए फ्रंट के राष्ट्रीय संरक्षक जय सिंह राठौड़ ने कहा, रसोइयां सिर्फ भोजन नहीं बनातीं, वे हमारे बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और मुस्कान की जिम्मेदारी निभाती हैं। उन्होंने रसोइयों के मानदेय में वृद्धि पर सरकार का आभार जताते हुए कहा कि मध्याह्न भोजन योजना के तहत कार्यरत रसोइयों के मानदेय को ?1,650 से बढ़ाकर ?3,300 प्रतिमाह करने के बिहार सरकार का निर्णय स्वागत योग्य है। सरकार का यह कदम उनके आत्मसम्मान और हौसले को दोगुना करेगा। हालाँकि उन्होंने ये भी कहा कि नीतीश सरकार को रसोइयों को न्यूनतम मजदूरी के तहत कम से कम ? 10,000 मासिक वेतन, साल के 12 महीनों के लिए करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि रसोइयों को भी एक तय सीमा के बाद रिटायरमेंट मिले और उनको भी सरकार मासिक पेंशन दे साथ हीं स्वास्थ्य बीमा की व्यवस्था सरकार करे। राष्ट्रीय महासचिव रामकृपाल भाई ने कहा कि सरकार द्वारा घोषित मानदेय बढ़ोतरी वर्तमान भीषण महंगाई में ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। उन्होंने आरोप लगाया कि रसोइयों को मिलने वाला मानदेय अक्सर 2-3 माह की देरी से दिया जाता है, जिसके कारण वे भुखमरी के कगार पर पहुंच जाती हैं। सरकार उनके सुरक्षित भविष्य की गारंटी की जाए। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष उमाशंकर प्रसाद और प्रदेश सचिव मोहम्मद शकील ने संयुक्त रूप से कहा कि रसोइयों के साथ सरकार का व्यवहार सौतेला है। सरकार रसोइयों को बंधुआ मजदूर की तरह काम करवा रही है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंटू चौधरी और प्रदेश सचिव राजेश कुमार ने रसोइयों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि हक और अधिकार की लड़ाई में सभी को एकजुट होकर मैदान में उतरना होगा। संगठित संघर्ष से ही सरकार को झुकाया जा सकता है। धरना प्रदर्शन का संचालन प्रदेश संयोजक और जिला संयोजक बलवंत पासवान ने संयुक्त रूप से किया। धरना सभा को प्रदेश अध्यक्ष कंचन कुवंर, सदस्य मनीष कुमार, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सत्य राजू राणा, जाकिर हुसैन, माधुरी कुमारी, सुनैना देवी, जीतू कुमार, महेंद्र पासवान, लाल बिहारी यादव, जगन पांडेय, सीताराम चौधरी, मानो देवी, आशा देवी, निर्मला देवी, अनीता देवी, सुरेश राय, पवन शुक्ला, सुधांशु कुमार, क्रांति सिंह, जीतेंद्र दुबे, हरिदेव महतो, रूबी देवी, प्रमोद कुमार, शंकर कुमार, रेखा देवी, कंचन देवी, गीता देवी, जीलम देवी, अजय ठाकुर, मोहम्मद समसूजोहा, संत प्रसाद पांडेय, रामजी पासवान, आरती देवी, अर्चना देवी, राधा देवी, संतोष कुमार, राकेश कुमार, हरी लाल, जया देवी, सीमा देवी, पप्पू कुमार, अमृता देवी, बिंदा देवी, हरे राम, गुड़िया देवी, कृष्णा प्रसाद, योगेंद्र शर्मा, राम कुमार चौधरी, लीला देवी, अमिरक प्रसाद, गंगाजली देवी, मोहन कुमार, मानो देवी और शंभू महतो ने संबोधित किया।

बिहार के जमुई में मिला माजोस और भंता मैग्नेटाइट खनिज, ई-नीलामी की तैयारी में जुटी केंद्र सरकार

केटी न्युज। जमुई

बिहार के जमुई जिले में छिपा खनिज खजाना अब राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाने को तैयार है। केंद्र सरकार ने जमुई के माजोस और भंता मैग्नेटाइट ब्लॉकों की संयुक्त ई-नीलामी की घोषणा की है, जिसके लिए 4325.76 करोड़ रुपये की आरक्षित राशि तय की गई है। यह कदम बिहार के खनन क्षेत्र में निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास की नई संभावनाएं खोलेगा। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि माजोस और भंता ब्लॉकों को एकीकृत कर 54.89 मिलियन टन खनिज संसाधनों वाले संयुक्त ब्लॉक की नीलामी की जाएगी।पहले इन ब्लॉकों की नीलामी शुरू की गई थी, लेकिन माजोस और भंता के लिए तकनीकी रूप से योग्य बोलीदाता तीन से कम

होने के कारण प्रक्रिया रद्द कर दी गई थी। अब दोनों ब्लॉकों को एकीकृत कर नीलामी का निर्णय लिया गया है, क्योंकि दोनों में एक ही प्रकार का खनिज (मैग्नेटाइट) है और उनकी सीमाएं आपस में जुड़ी हैं। माजोस ब्लॉक में 48.4 मिलियन टन और भंता में 6.49 मिलियन टन संसाधन हैं। इस एकीकरण से खनन प्रक्रिया आसान होगी, संसाधनों की बबार्दी रुकेगी और नीलामी में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।बिहार सरकार ने इस नीलामी के लिए स्टेट बैंक कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड को ट्रांजैक्शन एडवाइजर और मेटल स्क्रैप ट्रेड कॉरपोरेशन लिमिटेड को नीलामी प्लेटफॉर्म नियुक्त किया है। आरक्षित मूल्य की गणना भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण और भारतीय खान ब्यूरो की दरों के आधार पर की गई है। इससे पहले, रोहतास जिले के भोरा-कटोरा चूना पत्थर ब्लॉक की नीलामी सफल रही थी, जिसने बिहार के खनन क्षेत्र में विश्वास बढ़ाया है।

राजगीर और पटना में 6 महीने में तैयार होगा साइबर फॉरेंसिक लैब

पटना। राज्य में पटना और राजगीर में जल्द ही साइबर फॉरेंसिक लैब (सीएफएल) की स्थापना होने जा रही है। इन दोनों शहरों में आगामी चार से छह महीने में सीएफएल पूरी तरह से काम करने लगेगा। इससे साइबर संबंधित मामलों में बरामद प्रदर्श के जांच की रफ्तार चार गुणा बढ़ जाएगी। इससे प्रदर्श की जांच में काफी तेजी आएगी। यह जानकारी एडीजी (सीआईडी) पारसनाथ ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि इन दोनों सीएफएल की स्थापना गुजरात के गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय फॉरेंसिक साइंस यूनिट (एनएफएसयू) के सहयोग से किया जा रहा है। इसके लिए संस्थान के साथ एक विशेष एमओयू (समझौता पत्र) पर हस्ताक्षर किया गया है।

पटना समेत सभी प्रमंडलीय शहरों के आसपास सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करने की योजना

बिहार के कई शहरों में होगा सैटेलाइट टाउनशिप का निर्माण

केटी न्युज। पटना

बिहार के शहरी विकास में एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। राजधानी पटना समेत सभी प्रमंडलीय शहरों के आसपास सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करने की योजना को गति देने के लिए नगर विकास एवं आवास विभाग ने भूमि आवंटन के नियम तय कर दिए हैं। प्रत्येक टाउनशिप कम से कम 100 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित की जाएगी, जिसमें 55% जमीन पारदर्शी प्रक्रिया के तहत मूल भूस्वामियों को वापस की जाएगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य शहरीकरण को व्यवस्थित करना और बढ़ती आबादी के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त आवासीय क्षेत्र तैयार करना है।नए नियमों के तहत, टाउनशिप के लिए अधिग्रहित जमीन का विकास निर्धारित समय-सीमा में होगा। भूस्वामियों से जमीन देने की अपील अधिसूचना जारी होने के दो महीने के भीतर की जाएगी और उनकी आपत्तियों व सुझावों पर विचार किया जाएगा। विकास प्राधिकरण को टाउनशिप के लिए सीमांकन, बुनियादी ढांचे का विकास और भूखंड आवंटन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विकसित टाउनशिप में सड़कें, पार्क, खेल के मैदान और सामाजिक सुविधाओं वाली जमीन सार्वजनिक उपयोग के लिए प्राधिकरण के नियंत्रण में रहेगी। भूस्वामियों को आवंटित भूखंडों का प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा और जमीन बेचने के लिए पंजीकृत विलेख की जरूरत नहीं होगी।यदि टाउनशिप के विकास में देरी होती है तो भूस्वामियों को मुआवजा देने का प्रावधान भी किया गया है। नियमों के अनुसार, विकास प्राधिकरण को निर्धारित समय में बुनियादी ढांचा तैयार करना होगा और जरूरत पड़ने पर एक साल का अतिरिक्त समय दिया जा सकता है। इसके बाद भी देरी होने पर जुमार्ना वसूला जाएगा जो भूस्वामियों को वितरित किया जाएगा। यह प्रावधान सुनिश्चित करता है कि भूस्वामियों के हितों की रक्षा हो और परियोजना समयबद्ध तरीके से पूरी हो। जमीन का आवंटन उसी अंचल में होगा, जहां से जमीन ली गई है और यदि यह संभव न हो तो आसपास के क्षेत्रों में भूखंड दिए जाएंगे।यह योजना बिहार के शहरी परिदृश्य को बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

सुभाषितम्

विचारों को मूर्त रूप देने की क्षमता ही सफलता का रहस्य है।
-हेनरी वार्ड बीचर

पार्लियामेंट से चुनाव आयोग तक मार्च

11 अगस्त को संसद से चुनाव आयोग तक जाने के लिए 300 सांसदों ने एक साथ मार्च किया इन सांसदों की गिरफ्तारी दिल्ली पुलिस द्वारा की गई इन्हें लगभग 2 घंटे तक पार्लियामेंट थाने में रोक कर रखा गया। इनके ऊपर कोई मुकदमा दर्ज हुआ है या नहीं, इसके बारे में अभी कोई बात सामने नहीं आई है क्योंकि यह पुलिस से बिना परमिशन लिए, समूह में चुनाव आयोग तक जा रहे थे। कानून व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखने के लिए, पुलिस द्वारा इन्हें कुछ देर हिरासत में लिया गया। बाद में छोड़ दिया गया था उसका असर अलग होगा, यदि कोई मुकदमा दर्ज किया होगा तो आगे चलकर या एक राजनीतिक मुद्दा बन सकता है। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे सहित सभी विपक्षी दलों के नेता और सांसद इस मार्च में शामिल थे। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद अखिलेश यादव ने बैरिकेड्स के ऊपर चढ़कर आगे जाने का प्रयास किया। महिला सांसदों ने भी बैरीकेट में चढ़कर विरोध दर्ज कराया। दो महिला सांसद बेहोश भी हो गई। विपक्षी दलों के सांसदों का जो आक्रामक रुख था वह सरकार के लिए आने वाला परेशानी बढ़ाने का कारण बन सकता है। बिहार की एसआईआर के मुद्दे पर सदन में चर्चा नहीं हो रही है। इसके खिलाफ विपक्ष को एकजुट होने का मौका सरकार ने दे दिया है। सांसद अब संसद की बजाय सड़क पर उतरकर आ रहे हैं, जिसके कारण आने वाले समय में केंद्रीय चुनाव आयोग और भाजपा दोनों की ही मुसीबतें बढ़ सकती हैं। महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव में जिस तरह से वोट बढ़ाए गए, वे 8 से 10 फीसदी वोट बढ़ाकर अंतिम समय पर भाजपा को जीत हासिल हुई थी। कर्नाटक के एक लोकसभा चुनाव क्षेत्र के एक विधानसभा क्षेत्र का जो खुलासा राहुल गांधी ने वोटर लिस्ट के आधार पर किया है उससे स्पष्ट है, चुनाव के दौरान भाजपा और चुनाव आयोग की मिली-भगत से चुनाव में बहुत सारी अनियमितता की गई है। विपक्ष ने भाजपा सरकार पर वोट चोरी का आरोप लगाया है। 25 से लेकर 80 सीटों के बीच यह गड़बड़ी हुई है। विपक्षी दल के सांसद चुनाव आयोग से वोटर लिस्ट और वीडियोग्राफी मांग रहे हैं। चुनाव आयोग ने उन्हें देने से इनकार कर दिया है। रातों-रात कानून बदल दिया गया, कि 45 दिन के बाद सारा डाटा नष्ट कर दिया जाएगा। इसके बाद से केंद्रीय चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर संपूर्ण देश में सवाल खड़े हो रहे हैं। बिहार में जो एसआईआर हो रही है उसमें 65 लाख लोगों के नाम काटने की बात खुद चुनाव आयोग द्वारा की गई है। बिहार का चुनाव वोट काटकर भाजपा चुनाव जीतना चाहती है। मुसलमान और एससी/एसटी और गरीब लोगों के वोट काटकर चुनाव जीतने की जो रणनीति बनाई जा रही है उसको विपक्ष ने अब अच्छी तरह से समझ लिया है। केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा जो प्रारूप प्रदर्शित किया गया है उसे वोटर लिस्ट में कई तरीके की गड़बड़ियां पाई गई हैं। मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। केंद्रीय चुनाव आयोग कोई भी डाटा सार्वजनिक करने के लिए तैयार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट में उसने यह लिखकर दे दिया है। उसके बाद से केंद्रीय चुनाव आयोग की निष्पक्षता और पारदर्शिता को लेकर केवल भारत में ही नहीं दुनियाभर में सवाल खड़े हो रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स, राइटर और अल जजीरा जैसे अंतरराष्ट्रीय मीडिया में इसे लगातार कवर किया जा रहा है। विपक्ष के प्रति लगातार सहानुभूति और लोकप्रियता बढ़ती चली जा रही है। राहुल गांधी और अन्य नेताओं की गिरफ्तारी के बाद विपक्ष के पक्ष में सहानुभूति की लहर देखने को मिल रही है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तनाव बढ़ता चला जा रहा है। अब तो लोग न्यायपालिका के ऊपर भी वह विश्वास नहीं कर पा रहे हैं जो पहले करते थे। अभी तक इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में तीन सुनवाई हुई है। तीनों बार उसके जज बदले गए हैं। इसको लेकर भी अब आम लोगों के बीच में यह कहा जाने लगा है, कि तारीख पर तारीख और समय पर फैसला नहीं करके सुप्रीम कोर्ट एक तरह से सरकार और केंद्रीय चुनाव आयोग को बचाने का काम कर रही है।

चिंतन-मनन

जो नहीं है उसे पाना हो ध्येय

असंतुष्ट होने का अर्थ दुखी होना नहीं है। असल में कोई आदमी पूरी तरह सुखी होकर भी असंतुष्ट हो सकता है। सुखी होने का मतलब है, जो है, उसे आनंद से भोगना। और असंतुष्ट होने का अर्थ है: जो नहीं है उसे आनंद से पैदा करने का श्रम करना। जब अधिकतम लोग समाज में इस भांति श्रम करते हैं तो समाज संपन्न और समृद्ध होता है। और जब अधिक लोग ऐसा सोचते हैं कि जो है बस ठीक है, वहीं रुक जाना है, तो फिर पूरा समाज धीरे-धीरे दरिद्र हो जाता है। जिंदगी का सारा विकास, जो नहीं है, उसे पाने से ही होता है। इसलिए मैं तो कहूंगा कि ऐसा किसी जगह मानने की जरूरत नहीं है कि अब सब पूरा हो गया, अब भला मुझे क्या करना है! यह मरने के ढंग हैं। यह अपने भीतर जिंदा रहते हुए मर जाना है। जब तक श्वास है, तब तक एक भी श्वास व्यर्थ नहीं जानी चाहिए। फिर भी अगर किसी व्यक्ति को ऐसा लगता हो कि मेरी तो सच में ही सारी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, तो फिर ऐसे व्यक्ति को दूसरों की आवश्यकताएं पूरा करने में लग जाना चाहिए। अगर किसी व्यक्ति को पक्का ऐसा लगता है कि मेरी तो सभी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, मैं क्यों श्रम करूं तो उसे चारों तरफ देखना चाहिए कि अब मेरा काम तो जमीन पर खत्म हो गया, लेकिन दूसरों की आवश्यकताएं पूरी नहीं हुई हैं, उनके लिए मैं श्रम करने में लग जाऊं। लेकिन श्रम से नहीं बचा जा सकता। आपकी अपनी आवश्यकताएं पूरी हो गई हैं, तो अपने चारों तरफ देखिए। बहुत लोगों की पूरी नहीं हुई हैं, अतः उनके लिए श्रम करने में लग जाइए। लेकिन खाली बैठने का हक किसी को नहीं है। संन्यासी को भी खाली बैठने का हक नहीं है। देश को संपन्न करना है तो सभी को श्रम में लगना ही चाहिए। और श्रम में हम तभी लगेंगे जब कोई आवश्यकता पूरी करनी हो। चाहे अपनी, चाहे किसी दूसरे की, लेकिन आवश्यकता पूरी करने की दौड़ जारी रहनी चाहिए। यह दौड़ शांत हो, यह दौड़ आनंदपूर्ण हो, इतना मैं कहूंगा। यह दौड़ पागल की नहीं होनी चाहिए, विक्षिप्त की नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ नींद को हराम कर देने वाली नहीं होनी चाहिए।

कालों के काल, महाकालेश्वर के दिव्य दर्शन

-विनोद तकियावाला

आपको महाकाल के दर्शन भी कराने है। तभी मेरे मुँह से हाँ निकाला, मुझसे आपनें वादा किया है। शुक्रिया साहब आपका, तभी तपाक से रानी मैडम बोली कि क्या हमलोगों यहाँ से महाकालेश्वर मंदिर का दर्शन करनें जायेंगे। मंदिर दर्शन के नाम से हम तीनों की आज थकान दुर हो गई। तभी मैने हाँ, मैने तो अपने लिए भारतीय वस्त्र भी लाये है। जिसे धारण कर हमअपने सद्गुरु शंकर अर्थात कालों के काल महाकाल महाकालेश्वर के दिव्य मंदिर दर्शन करने जायेंगे। आप को नही चलना मैडम जी है क्या। तपाक से रानी मैडम ने हम दोनों इंगित करते हुए कहा कि क्यों नही हम जायेंगे क्यूँ नहीं, हम जायेंगे-जायेंगें ,लेकिन आपलोग स्वार्थी हो धन्य-धन्य है वह धरा है, जहाँ पतित पावनी गंगा युग युगातरों से निर्मल ,निश्चल धारा बह रही है,तो वहीं दूसरी ओर पर्वतराज हिमालय देश के दुश्मनों से रक्षा करने के अपना कर्तव्य निर्वाह करने को सैदव तत्पर है। ऐसी पवित्र पावन भारत भूमि में जन्म लेने के मानव को तरसते है। बड़ भागी है हम और आप जो जन्म भूमि को भारत माता कहकर पुकारते है। यहाँ के पवित्र कण कण भगवान का वास है,तो हर कंकर में शंकर की दिव्य उपस्थित की झलक दिखती है। इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हमारे धर्म शास्त्रों व वेद उपनिषदों में उल्लेख मिलता है। तभी तो इस पवित्र धरा पर स्वयं राम, कृष्ण, नानक, बुद्ध, महावीर, कबीर, आदि ऋषि-मुनियों, संत-महापुरुषों ना केवल जन्म लिया बल्कि इस पवित्र भूमि अपनी तपोस्थली बनाते हुए सम्पूर्ण सृष्टि का जनकल्याण किया है। इसका स्वंय साक्षी बनने का विगत दिनो मध्यप्रदेश के उज्जैन में स्थित महाकालेश्वर मंदिर के दिव्य दर्शन के दौरान अपने मीडिया मित्रों के संग स्वर्णिम पल का सुःखद आनंद मिला,वे भी सावन के पवित्र माह में स्वयं कालो के काल महाकाल का दर्शन करने का,ऐसा मैने अक्सर कहते हुए सुना है कि जब आप के पुण्य प्रताप एकत्रित होते है,स्वंय प्रभु ही आप को किसी न किसी को माध्यम बनाकर आप को दर्शन देते है। मेरे साथ भी कुछ ऐसे ही हुआ है। मेरे पास एक परिचित बन्धु का फोन आया कि भाई साहब महाकाल का दर्शन करना चाहेगें आप ?मैने अचानक बिना सवाल किये कहा कि क्यूँ नही,सदाशिव सद्गुरु का दर्शन वे भी सावन के पवित्र माह में। आज मै आप सभी कालों के काल महाकाल अर्थात महाकालेश्वर मंदिर के दिव्य दर्शन के बारे में बता रहा हूँ। यूँ तो यह हमारी नेशनल मीडिया यात्रा थी,हम सभी एक अधिकृत अधिकारी के कुशल नेतृत्व में दिल्ली से इन्दौर हवाई मार्ग से पहुँच गए,जहाँ रानी अहिल्याबाई होल्कर हवाई अड्डे के बाहर हम सभी का आपस मेंऔपचारिक परिचय व स्वागत के बाद सड़क मार्ग से विश्राम स्थल पर पहुँचे,जहाँ हमने दोपहर का भोजन का आनंद लिया। इसके बाद इन्दौर से हमारी मीडिया टीम अपने कर्मक्षेत्र ताजपुर रेलवें पर पहुंचे गए। सर्वविदित रहे कि यहाँ भारतीय रेलवे द्वारा इस स्टेशन पर पायलेट प्रोजेक्ट के अर्न्तगत डायरेक्ट ड्राईव इन्टर लाकिंग सिस्टम परियोजना के प्रयोग के लिए आयोजित की गई थी। यहाँ हमें रेलवे के नवीन तकनीकीयों की बारिकियों के बारे में तथा इस नई तकनीक की जानकारी परियोजना के सम्बन्धित अधिकारी से मिली। यहाँ के अन्य स्थानीय अधिकारीयों व कर्मचारियों के संग हम सभी ने चाय की चुस्कियों का आनंद लेते हुए उनके नए व पुरानें कार्य प्रणाली जैसे रेल फाटक लॉक सिस्टम,रेल आगमन- प्रस्थान की सुचना,हरी झंडी आदि कार्यो को नजदीक से देखने का मौका मिला। इसमें रेलवे की नई सुरक्षा प्रणाली,रेलगाड़ी अभी किस स्टेशन पर से गुजर रही है-कहाँ पहुँचने वाली आदि सुचनाएँ कन्ट्रोल रुम में लगे हुए मॉनिटर पर देखा। आज के पूर्व निर्धारित कार्य से निवृत होकर यहाँ से सभी मीडिया मित्र अपने चेहरों पर थकान की लकीरें सिमट हुए हमारा काफिला ताजपुर रेलवे स्टेशन से इन्दौर के लिए वापसी के लिए रवाना हुई। तभी मेरी कार में हमारे सहयात्री सुश्री रानी सिंह राजपुत व विभागीय अधिकारी जिसका नाम घनश्याम सिंह यादव जी,जो काफी ही शांत स्वाभाव व एक सुलझें व अनुभवी अधिकारी से जो कि एकअच्छे व्यक्ति है। उन्होंने हमदोनों की चेहरे की थकान को भापते हुए कहा कि आपलोग अभी ही थक गए हो,अभी तो आपको महाकाल के दर्शन भी कराने है। तभी मेरे मुँह से हाँ निकाला,मुझसे आपनंल वादा किया है। शुक्रिया साहब आपका,तभी तपाक से रानी मैडम बोली कि क्या हमलोगों यहाँ से महाकालेश्वर मंदिर का दर्शन करनें जायेंगे। मंदिर दर्शन के नाम से हम तीनों की आज थकान दुर हो गई। तभी मैने हाँ,मैने तो अपने लिए भारतीय वस्त्र भी लाये है। जिसे धारण कर हमअपने सद्गुरु शंकर अर्थात कालों के काल महाकाल महाकालेश्वर के दिव्य मंदिर दर्शन करने जायेंगे। आप को नही चलना मैडम जी है क्या। तपाक से रानी मैडम ने हम दोनों इंगित करते हुए कहा कि क्यों नही हम जायेंगे क्यूँ नहीं,हम जायेंगे-जायेंगें , लेकिन आपलोग स्वार्थी हो। जब आप को पता था विनोद सर कि प्रेस कवरेज के बाद हम सभी को बाबाआपलोग अभी ही थक गए हो,अभी तो आपको महाकाल के दर्शन भी कराने है। तभी मेरे मुँह से हाँ निकाला,मुझसे आपनें वादा किया है। शुक्रिया साहब आपका,तभी तपाक से रानी मैडम बोली कि क्या हमलोगों यहाँ से महाकालेश्वर मंदिर का दर्शन करनें जायेंगे। मंदिर दर्शन के नाम से हम तीनों की आज थकान दुर हो गई। तभी मैने हाँ,मैने तो अपने लिए भारतीय वस्त्र भी लाये है। जिसे धारण कर हमअपने सद्गुरु शंकर अर्थात कालों के काल महाकाल महाकालेश्वर के दिव्य मंदिर दर्शन करने जायेंगे। आप को नही चलना मैडम जी है क्या। तपाक से रानी मैडम ने हम दोनों इंगित करते हुए कहा कि क्यों नही हम जायेंगे क्यूँ नहीं,हम जायेंगे-जायेंगें ,लेकिन आपलोग स्वार्थी हो, हमें महाकालेश्वर का दर्शन करने हेतु मंदिर जाने वाले है तो आप ने हमें क्यो नही बतलाया !अगर मुझे भी पता होता तो हम भी भारतीय वस्त्र व परिधान अपने संग अपने आराध्य प्रिय भगवान भोलेनाथ के दिव्य ज्योति स्वरूप महाकालेश्वर ज्योतिलिंग का दर्शन करते। मै आप से बहुत ही नाराज हूँ। आपको इसके लिए पैलेन्टी लगेगी। क्यूँ सर ?इस पर दोनों सहयात्री इस पर एकमत थे। मैने वस्तुस्थित व मैडम की मनोस्थित को भापते हुए बड़े ही चालाकी व चुतराई से काम लेते हुए कहा कि बॉस आपके आदेश का अक्षरश पालन होगा। किन्तु मेरे पास तो आप का चलन्त-फिरन्त यंत्र सम्पर्क अंक अर्थात मोबाईल न०तो था नही,अभी भी नही है। इतने में हम तीनों के आज थकान दुर हो गई। मैआपको बताना भुल गए कि हमारी इस यात्रा 8 कारों का काफिला था। जिसमें मेरे कार का न०2 था। चुँकि मेरे वाली कार में अधिकृत अधिकारी व कार का चालक जो कि गुजरात का रहने वाला व स्थानीय जगह की बारिकों से चिर परिचत था तथा कार न० -3 में ट्रैफिक क्लियर करने हेतु साईरन थी। जो हमारे कार के आगे व शेष 6 कारें पीछे पीछे चल रही थी। शाम के समय हम उज्जैन के मंदिर प्रांगन में पहुँच गए। मंदिर प्रागण प्रोटोकाल के अनुसार सभी कारें पार्किंग स्थल पर खड़ी करें,इस के पूर्व मैने अपने आराध्य सद्गुरु देव द्वारा आशीर्वाद स्वरूप मिले गेरूवा वस्त्र धोती व कुता धारण करते ही मुझे सन 2000 में इस दिव्य प्रांगन मे सद्गुरु देव माँ के दिव्य सान्धिय व सामीप्य बिताये यादे ताजी हो गई। जब स्वयं गुरुदेव -गुरु माँ जी ने इसी मंदिर परिसर में अपने शिवहस्त हाथों से तिलक लगाते हुए विशेष आशीर्वाद दिये थे। तभी मैंने हाँ यहाँ के दर्शन के लिए मैने बिना सवाल जवाब अपनी सहमति दे दी थें मंदिर के प्रांगन में साधना के क्रम में सुःखद अनुभुति मिली। आप को बता दे कि महाकालेश्वर का यह प्राचीन व पौराणिक मन्दिरभारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक प्राचीन दिव्य शिव मंदिर है,जिसका अपना ऐतिहासिक व पौराणिक महत्व है। जिसका स्पष्ट उल्लेख हमारे पुराणों व धर्मग्रंथों में मिलता है। इस यात्रा के हमारे सहयात्री व रेलवे अधिकारी घनश्याम जी के अनुसार प्राचीन काल में यहाँ पर दूषण नामक एक राक्षस ने अवंती (उज्जैन का प्राचीन नाम)के निवासियों को हमेशा ही परेशान किया करते थे।

अदालती फैसला: क्राइम बट नो पनिशमेंट

- राम पुनियानी

सन- 2008 के मालेगांव बम विस्फोट मामले का लंबे समय से प्रतीक्षित फैसला मुंबई की विशेष अदालत ने सुना दिया है। फैसले में सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया गया है। यह इस हमले में मारे गए लोगों के परिवारजनों और घायलों के लिए एक बड़ा धक्का है। हिन्दुत्ववादियों के लिए यह जश्न का सबब है। कई लोगों का पहले से ही लग रहा था कि फैसला इसी तरह का होगा। पिछले 17 सालों में जांच एजेंसियों ने अपना रुख बदल लिया, खासकर 2014 के बाद। बम विस्फोट करने वालों ने इसे एक मोटरसाईकिल के जरिए अंजाम दिया था। बम विस्फोट में इस्तेमाल किया गया आरडीएक्स उस समय फटा जब आसपास मुसलमानों की भीड़ जमा थी। विस्फोट में 6 लोग मारे गए और 100 से अधिक घायल हुए। यह घटना रमजान के महीने में हुई थी। भोपाल से भाजपा की पूर्व लोकसभा सदस्य प्रज्ञा सिंह ठाकुर, सेना के सेवारत अधिकारी ले। कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित और सेवानिवृत्त मेजर रमेश उपाध्याय उन सात लोगों में शामिल थे जिन्हें आरोपी बनाया गया और गिरफ्तार किया गया। शुरू में इस मामले की जांच महाराष्ट्र के आतंक विरोधी दस्ते (एटीएस) के हाथ में थी। फिर सन 2011 में यह प्रकरण राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया गया। अदालत ने कहा कि प्रकरण में आरोपियों का हाथ होने का गहरा संदेह है लेकिन अभियोजन इसे शंका के परे सिद्ध नहीं कर सका है इसलिए सभी आरोपियों को बरी किया जा रहा है। हिंदू दक्षिणपंथियों ने इस फैसले की काफी सराहना की और साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर भगवा आतंकवाद का नैरेटिव स्थापित करने का आरोप भी लगाया, जिसके चलते कई दक्षिणपंथी को कटघरे में खड़ा किया गया।

इस संबंध में कोई राय कायम करने के पहले इस घटना की जांच के बारे में कुछ बातों की ओर ध्यान दिया जाना जरूरी है। मामले की जांच करने वाले अधिकारी हेमंत करकरे ने इसकी शुरूआत एबीव्हीपी की पूर्व कार्यकर्ता साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की मोटरसाईकिल से की। जांच आगे बढ़ने पर आरोपियों की भूमिका सामने आई और उन्हें गिरफ्तार किया गया। महाराष्ट्र के इस इलाके में सबसे पहले विस्फोट अप्रैल 2006 में नांदेड़ में हुआ था। राजकोंडवार के मकान में एक बम फटा। इस मकान में एक बम तैयार किया जा रहा था और किसी गलती के चलते वह फट गया। राष्ट्र सेवादल के पूर्व अध्यक्ष डॉ। सुरेश खैरनार के नेतृत्व वाले एक नागरिक जांच दल ने इस मामले की जांच की। इस घटना में दो युवक - हिमांशु पानसे (27) और नरेश राजकोंडवार (26) मारे गए और तीन - योगेश देशपांडे (24), मारुति वाघ (23) और गुरुराज टुपटेवार (25)- गंभीर रूप से घायल हुए। इस मकान पर बजरंग दल का झंडा फहरा रहा था। मौके पर नकली दाढ़ी-मूंछ और पायजामा कुर्ता भी पाए गए। इसी दौरान परभणी, पनवेल और जालना में भी कुछ बम विस्फोट हुए। चूंकि हेमंत करकरे मालेगांव के 2008 के बम विस्फोट की बारीकी से जांच कर रहे थे और आरोपियों को गिरफ्तार कर रहे थे, इसलिए भाजपा के सहयोगी दल अविभाजित शिव सेना के प्रमुख बाल ठाकरे ने अपने अखबार सामना में लिखा कि हिंदू विरोधी क्रियाकलापों के कारण हम करकरे पर थूकते हैं। तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष लालकृष्ण आडवानी ने कहा था कि आरोपियों को यातनाएं दी जा रही हैं। 26/11/2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमले में हेमंत करकरे मारे गए, जिसके बाद नरेन्द्र मोदी, जो उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री थे, एक करोड़ रुपए का चैक करकरे की विधवा पत्नि को देने के लिए पहुंचे, जिन्होंने विनम्रतापूर्वक उसे स्वीकार करने से इंकार कर दिया। इन्हीं मोदी ने करकरे के बारे में कहा था कि वे राष्ट्रीय हितों के विपरीत कार्य कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने प्रज्ञा ठाकुर और अन्यों को गिरफ्तार किया था। और अब मार डाले जाने के बाद उन्हीं करकरे को शहीद बताया बताया जा रहा था। जांच के दौरान हिंदुत्ववादियों द्वारा इस तरह की टिप्पणियां किए जाने से व्यथित होकर करकरे अपनी ही जमात के सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी जूलियो रिबेरो, जो एक बहुत ईमानदार और श्रेष्ठ अधिकारी रहे थे, से मिलने गए थे। रिबेरो ने उनके उत्तम एवं निष्पक्ष कार्य की सराहना करते हुए उनसे कहा था कि वे अपना काम पूर्ण व्यावसायिक दक्षता से जारी रखें। करकरे की दुःखद मौत के बाद प्रज्ञा ठाकुर ने पूरे घटनाक्रम का अपने अनुसार विवरण पेश किया। उनकी वाहवही कर रहे भाजपा नेताओं से घिरी प्रज्ञा ठाकुर ने पत्रकार वार्ता के दौरान करकरे को राष्ट्र विरोधी और धर्म विरुद्ध बताया। उन्होंने कहा केवल सवा महीने बाद आतंकियों ने उनकी हत्या कर दी। आतंकी विस्फोटों के अन्य मामलों (अजमेर, मक्का मस्जिद एवं समझौता एक्सप्रेस) में स्वामी असीमानंद को गिरफ्तारी किया गया था। उन्होंने गिरफ्तारी के बाद मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के समक्ष इन मामलों में अपने शामिल करने की बात स्वीकार की थी। उनकी स्वीकारोक्ति स्वेच्छा से की गई थी और तीस हजारी न्यायालय के मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के समक्ष सीआरपीसी की धारा 164 के प्रावधानों के तहत 18 दिसंबर को दर्ज की गई थी। स्वामी का बयान उनके 48 घंटे न्यायिक हिरासत में रहने के बाद दर्ज किया गया था ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे यह बयान किसी दबाव या धमकी के चलते न दे रहे हों। अपने बयान में उन्होंने स्वीकार किया कि वे और अन्य हिन्दुत्व कार्यकर्ता मुस्लिम धार्मिक स्थलों पर हुए बम विस्फोटों में शामिल थे क्योंकि वे हर इस्लामिक आतंकी घटना का जवाब बम के बदले बमका की नीति के तहत देना चाहते थे। कुछ समय बाद वे अपने कथन से यह कहते हुए पीछे हट गए कि उन्होंने ऐसा दबाव के चलते कहा था। यह दावा अत्यंत आश्चर्यजनक है क्योंकि हम जानते हैं कि पुलिस अधिकारियों के समक्ष दिया गया बयान तो दबाव की वजह से हो सकता है लेकिन जज के सामने ऐसा होना बिल्कुल अलग बात है। न्यायिक हिरासत के 48 घंटे में वे पूरे मामले के हर पहलू पर विचार कर सकते थे। यह अपने सहयोगियों और पितृ संगठन को बचाने के उद्धेश्य से बाद में चली गई सोची-समझी चाल लगती है। विधिक सहायता मिलने के बाद वे अपने वक्तव्य से पीछे हट गए। ये बयान कैरावान में प्रकाशित होने के बाद काफी खलबली मची। स्वामी असीमानंद कैरावान के संवाददाता को दिए गए साक्षात्कारों में कही गई बातों से पीछे हट गए। पत्रिका के संवाददाता और संपादक अपनी बातों पर कायम रहे और उन्होंने साक्षात्कार की सामग्री की सत्यता की पुष्टि करने के लिए ऑडियो रिकॉर्डिंग के कुछ हिस्से भी सार्वजनिक कर दिए।

आओ नारी शक्ति को भारत की सफलता की गाथा बनाएं

- किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारतीय नारी की गाथा बहुत ही सम्मानजनक रूप से गाई जाती है, क्योंकि आदि अनादि काल से ही भारतीय नारी शक्ति की अनेक मान्यता प्राप्त कहानियों कथाओं से भी हमें पता चलता है कि नारी शक्ति की शक्ति तो देवी-देवताओं को भी करनी पड़ी थी, हम तो इस कलयुग में इंसान मात्र हैं। इसलिए हमें चाहिए कि नारी शक्ति का सम्मान कर उनको कार्यबल प्रदान करें जिसको भारत के विकास में प्रमुख इंजन के रूप में चिन्हित कर एक फरवरी 2026 को आने वाले बजट में ऐसी योजनाओं स्कीमों को लाया जाना चाहिए ताकि नारी शक्ति को कार्य बल में उचित भागीदारी मिले और भारत के तेजी से विकसित हो रहे पथ को अधिक तेजी से आगे बढ़ाया जा सके।

साथियों बात अगर हम नारी शक्ति को कार्यबल के रूप में चिन्हित करने की करें तो, हमने कई क्षेत्रों में देखे हैं कि नारी कार्यबल अपेक्षाकृत रूप से अधिक सशक्त व प्रभावी रिजल्ट देता है। हम अगर नर नारी के कार्यबल की गुणवत्ता का विश्लेषण करें तो, मेरा मानना है कि नारी बल गुणवत्ता में अधिक कुशल दिखेगा। जिसका मैंने खुद ने ग्राउंड रिपोर्टिंग कर सत्यता परखी है। मैंने अनेक शोरूम ऑफिसेस दवाखाना वकील सीए अनेक प्रोफेशनल जगह कंपनियों में वहां के प्रमुख संचालकों, मैनेजरों अधिकृत व्यवस्थापकों से बात की तो उन्होंने भी नारी कार्यबल को अपेक्षाकृत अधिक सशक्त इमानदार रेगुलर जिम्मेदार जवाबदेही में अव्वल बताया और नारी कार्यबल को प्राथमिकता देने की बात स्वीकार की, क्योंकि नकारात्मक आदतें नारी कार्यबल में नहीं देखने को मिलती जितनी नर कार्यबल में देखने को मिलती है। उसी तरह नेतृत्व शक्ति में भी नारी कार्यबल अधिक उच्च गुणवत्ता में अग्रणी ही है इसका उदाहरण हमें वैश्विक स्तरपर मूल भारतीय महिलाओं कल्पना चावला कमला हैरिस सहित अनेकों का नाम लिया जा सकता है। साथियों बात अगर हम 1 फरवरी 2026 को आने वाले बजट में नारी शक्ति कार्यबल के एंगल से देखें तो आज इसकी कार्य शक्ति बढ़ाने के लिए अधिक बजट एलोकेशन की आवश्यकता है। कुछ ऐसी योजनाएं, इंसेंटिव, छूट दी जानी चाहिए ताकि नारी कार्यबल को प्राथमिकता दिए जाने पर प्रोत्साहन मिले। वैसे भी हम अभी अनेकों निजी कंपनियों में देखते हैं कि वहां नारी कार्यबल को प्राथमिकता दी जाती है जो वर्तमान समय की जरूरत भी है अब वक्त आ गया है कि नारी शक्ति के कार्य बल को बढ़ाने आरक्षण का बंधन भी तोड़ने की जरूरत है और उच्च कौशल्या के आधार पर नारी कार्यबल की सेवा राजनीतिक, औद्योगिक शैक्षणिक सहित हर क्षेत्र में ली जानी चाहिए। भारतीय कौशल नारी सबपर भारी की थीम को आगे बढ़ाया जाए साथियों बात अगर हम माननीय पीएम नीति आयोग में प्रसिद्ध अर्थशास्त्रीयों व विशेषज्ञों से बातचीत की करें तो उन्होंने भी,नारी शक्ति को भारत के विकास के प्रमुख इंजन के रूप में चिन्हित किया और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को और सक्षम बनाने के साथ-साथ उसे बढ़ावा देने के लिए प्रयास जारी रखने का आग्रह किया, उन्होंने आज नीति आयोग में प्रसिद्ध अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत की विचार-विमर्श वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच भारत का विकास और दृढ़ता विषय पर आधारित था।

आज का राशिफल

मेष कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा पर जाने से आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकती है।

तुला आज आपको जल्दबाजी में कोई भी फैसला लेने से बचना होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

वृषभ किसी काम के परिणाम का इंतजार था तो अब आपको उसका शुभ नतीजा मिल सकता है।

वृश्चिक पद के व्यक्ति के साथ निकटता या दोस्ती होने से लाभ प्राप्त हो सकता है।

मिथुन आज जिस भी काम में हाथ लगाएंगे वह बहुत आसानी से पूरा हो जाएगा।

धनु कुछ समय से विरोधियों के चलते बाधाओं का सामना कर रहे थे तो अब वे दूर हो सकती हैं।

कर्क आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। हर कार्य में सफलता प्राप्त होने के योग बन रहे हैं।

मकर मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है किसी खास व्यक्ति से उपहार मिलने की भी संभावना है।

सिंह कार्यस्थल पर मान-सम्मान में वृद्धि होगी और व्यापार के मामले में भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।

कुंभ आज आपको बड़ी मात्रा में धन प्राप्त हो सकता है। इसी के चलते आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कन्या आज काम का प्रेशर कुछ ज्यादा रह सकता है, जिससे मानसिक तनाव महसूस होगा।

मीन कड़ी मेहनत और भागदौड़ करनी पड़ सकती है। यह आपके लिए लाभकारी भी सिद्ध हो सकती है।

विशेष

सफेद टी-शर्ट ने खींचा ध्यान

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी समेत इंडिया ब्लॉक के अनेक सांसद संसद में सफेद टी-शर्ट पहने नजर आए। खासीयत यह रही कि मिंता देवी के नाम और तस्वीर वाली टीशर्ट पहनकर सांसद प्रदर्शन कर रहे थे। वैसे एसआईआर और वोट चोरी मामले को लेकर विपक्ष लगातार प्रदर्शन कर ही रहा है और सदन में चर्चा की मांग करते हुए इसका विरोध कर रहा है। ऐसे में संसद के मकर द्वार पर प्रदर्शन कर रहे विपक्षी सांसदों का यह दावा कि मिंता देवी बिहार चुनाव आयोग की वोटर लिस्ट में 124 साल की फर्स्ट टाइम वोटर हैं, ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

राजदूत किसे कह रहे शर्मनाक

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए इजरायल पर नरसंहार का आरोप लगाया है और इस मामले में भारत की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं। वहीं दूसरी तरफ भारत में इजरायल के राजदूत रुवेन अजार ने प्रियंका गांधी की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दे डाली है और इसे शर्मनाक तक बता दिया है। दरअसल इजरायली राजदूत रुवेन ने सोशल मीडिया में कहा, कि शर्मनाक बात तो आपकी धोखेबाजी है। इजरायल ने 25 हजार हमास आतंकवादियों को मार गिराया। इंसानी जिंदगी की भयानक कीमत हमास की आम नागरिकों के पीछे छिपने की घिनौनी चालों, पलायन करने या मदद लेने की कोशिश कर रहे लोगों पर गोलीबारी और रॉकेट हमलों के कारण हुई है। यहां सवाल किया जा सकता है कि आखिर राजदूत किस धोखेबाजी की बात कर रहे हैं, जबकि उनके अपने देश में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हों।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1784: भारत में प्रशासनिक सुधार के लिए ब्रिटिश संसद में पिट्स इंडिया विधेयक पेश किया गया. 1898: अमरीकी फौजों ने स्पेनियों से मनीला छीन लिया. 1945: विश्व यहूदी कांग्रेस यहूदियों को फलीस्तीन में प्रवेश की अनुमति देने की मांग की. 1951: भारत में निर्मित हिन्दुस्तान ट्रेनर विमान ने पहली उड़ान भरी. 1961: पूर्वी जर्मनी ने बर्लिन के साथ सीमा बंद कर दी. 1962: घाना में आर्कबिशप को निष्कासित कर दिया. 1976: दक्षिण अफ्रीका ने रोडेशिया समस्या के समाधान के लिए अमरीकी प्रयासों का समर्थन किया. 1978: बेरुत में फलीस्तीनी इमारत में विस्फोट से लगभग दो सौ लोगों की मौत हो गई. 1986: पूर्वी जर्मनी ने बर्लिन की दीवार की रजत जयंती मनाई. 1987: गोताखोरों को टाइटैनिक की कुछ तिजोरियों का पता लगा.

दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

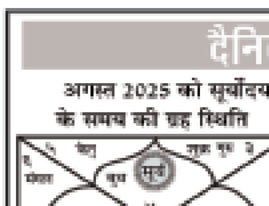

ग्रह स्थिति	
सूर्य	कर्क में
चंद्र	मीन में
मंगल	कन्या में
बुध	कर्क में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मिथुन में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
सिंह	05.56 बजे से
कन्या	08.08 बजे से
तुला	10.18 बजे से
वृश्चिक	12.33 ब.से
धनु	14.49 बजे से
मकर	16.54 बजे से
कुंभ	18.41 बजे से
मीन	20.14 बजे से
मेष	21.44 बजे से
वृष	23.24 बजे से
मिथुन	01.22 बजे से
कर्क	03.36 बजे से

2025 वर्ष का 225 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 06.37 बजे तदनन्तर पंचमी 04.24 बजे रात को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 10.33 बजे को समाप्त।
योग धृति 16.06 बजे को समाप्त।
करण बालव 06.37 बजे, कौलव 17.31 बजे तदनन्तर तैतिल 04.24 बजे रात को समाप्त।
चन्द्रायु 19.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 39'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872435
जूलियन दिन 2460900.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446 **महीना** सफर **तारीख** 18

दिन का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक

रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
काल	01.19 से 02.51 बजे तक
लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खूंटी में भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत, बेटे का शव देख फूट-फूटकर रो पड़े परिजन

खूंटी, एजेंसी। खूंटी-तोरपा पथ पर भगत सिंह चौक पेट्रोल पंप के नजदीक सड़क के किनारे खड़े पिकअप वाहन को बुलेट सवार युवक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि घटना में युवक की मौत हो गयी। मृतक युवक की पहचान खूंटी जिले के बेलवादाग निवासी 21 वर्षीय शीतल कुमार कश्यप के रूप में हुई है। घटना कल मंगलवार देर रात की बतायी का रही है। प्रत्यक्ष दर्शी पेट्रोल पंप के कर्मियों ने बताया कि युवक बुलेट में सवार होकर खूंटी से बेलवादाग ओर जा रहा था। इसी दौरान उसने सड़क के किनारे खड़े पिकअप वाहन में टक्कर मार दी। घटना के बाद पुलिस की गश्ती टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को उपचार के लिए सदर अस्पताल खूंटी पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गयी। शीतल कुमार ने बिरसा कॉलेज खूंटी से ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी की थी। पढ़ाई पूरी होने के बाद से वह घर में ही रहता था। घटना की जानकारी पाकर युवक के परिजन अस्पताल पहुंचे। बेटे का शव देख परिजन फूट-फूटकर रोने लगे। दोनों वाहनों को जब्त कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी गयी है।

59 विद्यार्थियों का अंक पत्र हुआ गुम, थाना में सनहा

धनबाद, एजेंसी। बिनोद बिहारी महतो स्मारक उच्च विद्यालय निचितपुर के नौवीं पासआउट विद्यार्थियों का अंक प्रमाण पत्र गुम हो गया है। घटना मंगलवार की है। विद्यालय के क्लर्क राजू महतो 59 विद्यार्थियों का अंक प्रमाण पत्र जिला से लेकर विद्यालय जा रहे थे। झगराही से स्कूल के बीच कहीं सभी अंक पत्र गुम हो गये। इसके बाद परीक्षा विभाग को इसकी जानकारी दी गयी। राजू महतो द्वारा घंटों अंक प्रमाण पत्र की खोजबीन की गयी, लेकिन नहीं मिला। मामले की जानकारी विद्यालय के एचएम गंगाधर महतो को दी गयी। इसके बाद जिला शिक्षा विभाग को इसकी सूचना दी गयी। एचएम गंगाधर महतो ने इस मामले में बरोरा थाना में सनहा कराया है। बताया गया है कि झगराही से खोनाठी बस्ती के बीच में अंक प्रमाण पत्र गिरा है। लिखित आवेदन पर थाना में सनहा दर्ज कर लिया गया है। अंक प्रमाण पत्र बच्चों को नहीं मिला, तो बोर्ड को आवेदन देकर डुप्लीकेट अंक प्रमाण पत्र जारी कराना होगा। फिलहाल विद्यालय के शिक्षकों के साथ अन्य लोग अंक प्रमाण पत्र मिलने की उम्मीद जता रहे हैं।

जीटी रोड पर महाजाम, छटपटाते रहे एंबुलेंस के मरीज

धनबाद, एजेंसी। गोविंदपुर बाजार इलाके में जीटी रोड मंगलवार को भी महाजाम की स्थिति बनी रही है। सुबह से लेकर दोपहर तक जीटी रोड पर वाहनों की रफ्तार पैदल से भी कम थी। सड़क जाम में तीन एंबुलेंस भी फंसे रहे और उसके मरीज छटपटाते रहे। दोपहर के बाद वाहनों का परिचालक सामान्य हो पाया। शाम में फिर जाम की स्थिति पैदा हो गयी। पिछले कई दिनों से गोविंदपुर में जीटी रोड लगातार जाम की समस्या से जूझ रहा है। कई महीनो तक जीटी रोड में यातायात व्यवस्था दुरुस्त रहने के बाद पिछले कई दिनों से गोविंदपुर मे जीटी रोड जाम होने लगा है। पिछले चार दिनों से जीटी रोड पर लगातार जाम लग रहा है। इससे जीटी रोड पर चलने वाले लोग तो परेशान हैं। इसका असर जीटी रोड के उत्तर और दक्षिण के दुकानदारों के व्यवसाय पर भी पड़ने लगा है। सामाजिक संस्था नागरिक समिति के शरत दुदानी ने बताया कि ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त नहीं रहने तथा सुभाष चौक समेत कई स्थानों पर जीटी रोड में बारिश में गड्ढा हो जाने तथा टुंडी रोड में लगातार पानी बहने और जगह-जगह गड्ढे हो जाने के कारण ट्रक एवं अन्य वाहन फंस जा रहे हैं। इससे जाम की समस्या पैदा हो रही है।

एनसीडी भवन में शिफ्ट होगा सदर अस्पताल का एमटीसी वार्ड

धनबाद, एजेंसी। कोर्ट रोड स्थित सदर अस्पताल में लगातार बढ़ रही मरीजों की संख्या को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की ओर से सदर अस्पताल में चलाया जा रहा एमसीटी वार्ड को एनसीडी भवन में शिफ्ट किया जायेगा। वार्ड की शिफ्टिंग को ले सर्वे पूरा कर लिया गया है। बता दें कि एमटीसी की शिफ्टिंग को लेकर सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा के नेतृत्व में सदर अस्पताल प्रबंधन अबतक दो बार सीएस कार्यालय परिसर स्थित विभिन्न बिल्डिंगों का सर्वे किया गया था। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार आने वाले दिनों में वर्तमान कुपोषण उपचार केंद्र के स्थान पर दूसरे बीमारी से ग्रसित मरीजों को भर्ती लेकर चिकित्सा सेवा मुहैया करायी जायेगी। सदर अस्पताल के एक्सटेंशन की योजना है। इसके लिए स्वास्थ्य चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा राशि भी आवंटित कर दी गयी है। योजना का कार्य पूरा होने में कुछ वर्ष लगने की संभावना है। इस स्थिति में अस्पताल की बिल्डिंग के एक्सटेंशन होने तक एमटीसी दूसरे बिल्डिंग में संचालित की जायेगी। योजना का कार्य पूरा होने पर एमटीसी को वापस अस्पताल बिल्डिंग में शिफ्ट कर दिया जायेगा।

अनुराग गुप्ता को डीजीपी मानने पर यूपीएससी ने जताई असहमति

प्रोन्नति समिति की बैठक हुई रद

रांची, एजेंसी। संघ लोक सेवा आयोग ने झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता को डीजीपी के रूप में स्वीकार नहीं किया है। राज्य पुलिस सेवा से भारतीय पुलिस सेवा संवर्ग में प्रोन्नति के लिए यूपीएससी में गठित समिति में संबंधित राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव व डीजीपी नामित सदस्य होते हैं। डीजीपी अनुराग गुप्ता के नाम पर यूपीएससी ने असहमति जताई, जिसके चलते मंगलवार को प्रोन्नति समिति की बैठक टल गई है।

यही वजह है कि मंगलवार को प्रस्तावित प्रोन्नति समिति की बैठक नहीं हो सकी। इस बैठक के लिए अगली तिथि भी निर्धारित नहीं हुई है। यूपीएससी में आईपीएस संवर्ग में प्रोन्नति के लिए राज्य से 17 सीनियर डीएसपी की फाइल भेजी गई थी।

कुल नौ रिक्त पदों पर प्रोन्नति के लिए यह बैठक प्रस्तावित थी। इसमें बैठक में शामिल होने वालों में मुख्य सचिव अलका तिवारी, गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल व डीजीपी अनुराग गुप्ता को शामिल होने संबंधित सूचना यूपीएससी को दी गई थी।

यूपीएससी ने बैठक से एक दिन पहले ही पत्राचार कर राज्य सरकार को बता दिया था कि उक्त बैठक में अनुराग गुप्ता को डीजीपी के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इसके बावजूद मंगलवार को मुख्य सचिव व गृह

सचिव शामिल हुई और तर्क दिया कि राज्य सरकार ने अनुराग गुप्ता को डीजीपी बनाया है।

उन्हें राज्य सरकार की डीजीपी नियुक्ति नियमावली के तहत डीजीपी बनाया गया है, जो वैध है। इसके बावजूद यूपीएससी ने उनके तर्क को स्वीकार नहीं किया। इसके चलते प्रोन्नति समिति की बैठक नहीं हो सकी।

जिन अधिकारियों की प्रोन्नति होनी थी उनमें शिवेंद्र, राधा प्रेम किशोर, मुकेश कुमार महतो, दीपक कुमार-1, मजरूल होदा, राजेश कुमार, अविनाश कुमार, रौशन गुड़िया, श्रीराम समद, निशा मुर्मू, सुरजीत कुमार, वीरेंद्र कुमार चौधरी, राहुल देव बड़ाईक, खीस्टोफर केरकेट्टा, प्रभात रंजन बरवार, अनूप कुमार बड़ाईक व समीर कुमार तिर्की शामिल हैं।

डीजीपी अनुराग गुप्ता के मुद्दे पर केंद्र व राज्य सरकार के बीच टकराव बरकरार है। केंद्र सरकार ने अनुराग गुप्ता को 30 अप्रैल को ही सेवानिवृत्त माना है। इसे लेकर केंद्र ने राज्य सरकार को कई बार पत्राचार भी किया था और उन्हें डीजीपी के पद से हटाने का निर्देश दिया था।

इसके बावजूद अनुराग गुप्ता को राज्य सरकार ने डीजीपी के पद पर बैठा रखा है। केंद्र ने डीजीपी की नियुक्ति को लेकर बनी झारखंड सरकार की नियुक्ति नियमावली को भी नियम विरुद्ध माना है और उसके आधार पर अनुराग गुप्ता के सेवा विस्तार को असंवैधानिक बताया है।

केंद्र के पत्राचार के बावजूद राज्य सरकार अपने निर्णय पर अडिग है और अनुराग गुप्ता का डीजीपी के पद पर सेवा विस्तार को वैध बताया है।

इसे लेकर राज्य सरकार ने भी केंद्र को अपना तर्क देते हुए जवाब भी भेजा था। केंद्र व राज्य के बीच डीजीपी अनुराग गुप्ता के मुद्दे पर एक-दूसरे के तर्क पर अब तक सहमति नहीं बन सकी है।

पाकुड़ में दो बाइक की आमने-सामने टक्कर:तीन युवक घायल

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत साहेबगंज-गोविंदपुर मुख्य मार्ग पर स्थित स्टेडियम के समीप दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान बरामसिया निवासी 30 वर्षीय मुंशी टुडू, जीतपुर निवासी 18 वर्षीय मनीष सोरेन और 18 वर्षीय मोहन राय के रूप में हुई है। बताया गया कि घटना के समय मुंशी टुडू लिट्टीपाड़ा से अपने घर लौट रहे थे, जबकि मनीष सोरेन और मोहन राय अपने गांव से लिट्टीपाड़ा की ओर जा रहे थे। तेज रफ्तार और सड़क पर फिसलन के कारण दोनों मोटरसाइकिलें आमने-सामने टकरा गईं।

दुर्घटना के बाद स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर ले आए। घटना की सूचना ग्रामीणों ने लिट्टीपाड़ा थाना पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस दल तत्काल घटनास्थल पर पहुंचा और तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लिट्टीपाड़ा भेजा गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मुकेश बेसरा ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। जांच के दौरान पता चला कि मुंशी टुडू और मनीष सोरेन को सिर और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। उनकी हालत चिंताजनक होने पर दोनों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, पाकुड़ रेफर कर दिया गया। वहीं, मोहन राय की चोटें अपेक्षाकृत कम गंभीर थीं और उनका इलाज स्थानीय स्तर पर जारी है।स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम में क्षेत्र की सड़कों पर फिसलन बढ़ जाती है, जिससे हादसों की आशंका भी ज्यादा रहती है। पिछले कुछ सप्ताह में लिट्टीपाड़ा और आसपास के इलाकों में इस तरह की सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ी है। दुर्घटनाओं को कम करने के लिए जिला प्रशासन ने परिवहन विभाग को सड़कों पर सुरक्षा और जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया है।

गिरिडीह की नवविवाहिता का शव फंदे से झूलता मिला

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह की रहने वाली एक विवाहिता का शव कोलकाता स्थित उसके ससुराल में फंदे से झूलता हुआ मिला। घटना के बाद मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज की खातिर हत्या करने का आरोप लगाया। मामला गंभीर होते ही मायके पक्ष ने कोलकाता पहुंचकर हंगामा किया और शव लेकर गिरिडीह लौट आए। इस दौरान मृतका के पति की भी पिटाई कर दी गई।

एक साल पहले हुई थी शादी : गिरिडीह जिले के पचम्बा थाना क्षेत्र के बरतर कालीमंडा रोड निवासी शंकर प्रसाद साहू की बेटी रानी कुमारी की शादी करीब एक साल पहले मिर्जागंज निवासी अमरेंद्र साहू से हुई थी। अमरेंद्र कोलकाता के वीआईपी नगर में काम करता था और वहीं अपने परिवार के साथ रहता था। शादी के बाद रानी भी कोलकाता चली गई।

रानी के माता-पिता के मुताबिक, शादी के शुरुआती दिनों में सबकुछ ठीक रहा, लेकिन कुछ महीनों बाद ससुरालवालों ने दहेज में अतिरिक्त पैसे और जेवर की मांग शुरू कर दी। आरोप है कि मांग पूरी न होने पर रानी को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा।रानी के मायके वालों का कहना है कि 11 अगस्त को ससुराल से फोन आया और बताया गया कि उसने फांसी लगा ली है। सूचना मिलते ही परिवार के लोग कोलकाता पहुंचे। वहां उन्हें सीधे अस्पताल बुलाया गया, जहां रानी का शव पड़ा मिला। शव को लेकर मायके वाले गिरिडीह पहुंचे तो पति अमरेंद्र और ससुर भी साथ आए। इस दौरान गुस्साए परिजनों ने अमरेंद्र की जमकर पिटाई कर दी। मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया।रानी के परिजनों ने कोलकाता के वीआईपी नगर थाने में लिखित शिकायत देकर पति और ससुराल के अन्य सदस्यों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सहायक आचार्य नियुक्ति : अभ्यर्थी बोले- शपथ पत्र के आधार पर डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन का मौका दे

रांची, एजेंसी। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) द्वारा आयोजित सहायक आचार्य नियुक्ति परीक्षा में शॉर्टलिस्टेड सैकड़ों अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक्स नहीं मिलने के कारण डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन से वंचित रहने का मामला प्रकाश में आया है। इससे शॉर्टलिस्टेड अभ्यर्थियों में आक्रोश और नाराजगी है। इनका कहना है कि बायोमेट्रिक मिसमैच के चलते उनका भविष्य अधर में लटक गया है।

डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन से वंचित अभ्यर्थियों ने शपथ पत्र लेकर डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन कराने का आग्रह किया है। अभ्यर्थियों ने कहा कि तीन पेपर में से किसी एक में भी बायोमेट्रिक मिसमैच होने पर डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन से रोक दिया गया है। अभ्यर्थियों ने बताया कि शॉर्टलिस्टेड कैंडिडेट्स को मौखिक रुप से आश्वासन दिया गया है कि आपलोगों

का डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन बाद में कराया जाएगा। अभ्यर्थियों ने कहा कि लंबे समय के बाद वैकेंसी आई थी, जिसमें शॉर्टलिस्टेड हुए थे। लेकिन सिर्फ बायोमैट्रिक्स का मिलान नहीं होने के चलते उन्हें डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन से वंचित होना पड़ा है। अभ्यर्थियों ने दिया आवेदन सहायक आचार्य नियुक्ति परीक्षा में जिन अभ्यर्थियों का बायोमैट्रिक्स मिसमैच हुआ है, उन्होंने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग को आवेदन देकर डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन कराने की मांग की है। आवेदन में लिखा है कि कक्षा एक से पांच के लिए सेलेक्शन हुआ है।

लेकिन तीन पेपर में से एक में बायोमैट्रिक्स मिसमैच होने के चलते डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन से वंचित होना पड़ा है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक से मिलकर टेट सफल सहायक अध्यापक संघ ने अभ्यर्थियों का पक्ष रखा है। निदेशक से कहा कि जिन अभ्यर्थियों का बायोमैट्रिक्स मिसमैच हुआ है, उनका शपथ पत्र के आधार पर जल्द से जल्द डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन कराया जाए। मिसमैच कैसे हुआ, यह समझ से परे है। निदेशक ने संघ को आश्वासन दिया है कि बायोमेट्रिक ने अभी तक किसी भी अभ्यर्थी का आवेदन रिजेक्ट नहीं किया है। जल्द ही इस मामले पर कोई निर्णय लिया जाएगा। संघ की मांगों से संबंधित कॉपी जेएसएससी को भेजा जाएगा। संघ के प्रदेश संरक्षक प्रमोद कुमार ने कहा कि जब तक बायोमेट्रिक की जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक शपथ पत्र के आधार पर डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन कराने की मांग की है । सहायक आचार्य नियुक्ति परीक्षा में डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन कराने पहुंचे अभ्यर्थियों को तीन बार बायोमैट्रिक करना पड़ता था। क्योंकि तीन पेपर का एग्जाम हुआ था। एक अभ्यर्थी का तीन तरह का बॉयोमैट्रिक्स सामने आया है। इसका मतलब है कि परीक्षा के समय अभ्यर्थी की जगह डमी तो एग्जाम दे रहा था।

सरकारी स्कूलों को निर्देश, 14 अगस्त को दिशोम गुरु शिबू सोरेन को विशेष श्रद्धांजलि

रांची, एजेंसी। झारखंड के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने 14 अगस्त को सभी सरकारी विद्यालयों में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। झारखंड आंदोलन के प्रणेता और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की स्मृति को सम्मान देने और उनकी विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए यह आयोजन किया जा रहा है।

विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधीक्षकों (ष्ठस्श्व) और जिला शिक्षा अधिकारियों (ष्ठश्वह्र) को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। श्रद्धांजलि सभा- सभी सरकारी विद्यालयों में सुबह की प्रार्थना सभा के बाद छात्र-छात्राएं और शिक्षक एकत्र होंगे। दिशोम गुरु के चित्र पर माल्यार्पण या पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी जाएगी, जिसके बाद एक मिनट का मौन रखा जाएगा।

चित्र प्रदर्शन- श्रद्धांजलि के बाद, शिबू सोरेन का चित्र विद्यालय परिसर में सुरक्षित और सम्मानजनक स्थान पर दीवार पर प्रदर्शित किया जाएगा, ताकि उनकी स्मृति जीवंत रहे। प्रेरक सत्र- सभा में पूर्ण अनुशासन और शिष्टाचार का पालन होगा। प्राचार्य, प्रभारी प्राचार्य या शिक्षक द्वारा छात्रों को शिबू सोरेन की जीवनी, उनके संघर्ष, आदिवासी अस्मिता के लिए प्रयास और झारखंड राज्य निर्माण में उनके योगदान की प्रेरक कहानियां सुनाई जाएंगी। दस्तावेजीकरण- सभी विद्यालयों को कार्यक्रम की उच्च गुणवत्ता वाली फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करने के निर्देश दिए गए हैं। यह सामग्री विभाग के मुख्यालय को भेजी जाएगी।

अधिकारियों की जिम्मेदारी- सभी ष्ठस्श्व और ष्ठश्वह्र यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके जिलों के विद्यालयों से गुणवत्तापूर्ण दृश्य-श्रव्य सामग्री एकत्र हो और उसे विभाग को उपलब्ध कराया जाए।

शिबू सोरेन, जिन्हें झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और आदिवासी समाज के प्रेरणास्रोत के रूप में जाना जाता है, ने छह दशकों तक सामाजिक शोषण के खिलाफ और झारखंड के लिए संघर्ष किया।

यह आयोजन उनकी स्मृति को श्रद्धांजलि और उनके आदर्शों को छात्रों तक पहुंचाने का एक अनूठा प्रयास है। विभाग ने सभी विद्यालयों से इस आयोजन को गरिमामय और अनुशासित ढंग से संपन्न करने की अपील की है।

एमजीएम अस्पताल में खुलेगा ऑडियोलॉजी सेंटर, सुनने की क्षमता की जांच होगी फ्री

जमशेदपुर, एजेंसी। डिमना चौक स्थित महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कॉलेज अस्पताल के ईएनटी विभाग में जल्द ही ऑडियोलॉजी सेंटर शुरू होने जा रहा है। सेंटर के लिए दो अत्याधुनिक ऑडियोमेट्री मशीनें पहुंच चुकी हैं।

इनके इंस्टालेशन के बाद यहां लोगों की सुनने की क्षमता की जांच पूरी तरह फ्री में जाएगी। ईएनटी विभाग के डॉ. रोहित झा ने बताया कि ऑडियोमेट्री टेस्ट के जरिए अलग-अलग आवृत्तियों, पिच और ध्वनियों को सुनने की क्षमता का आकलन किया जाता है।

जब कान की नसें ध्वनि तरंगों से उत्तेजित होती हैं तो यह सिग्नल मस्तिष्क तक पहुंचता है, जिससे हम सुन पाते हैं। इस प्रक्रिया में किसी भी गड़बड़ी का समय रहते पता चलना जरूरी है, ताकि इलाज तुरंत शुरू किया जा सके।उन्होंने कहा कि 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में श्रवण हानि आम है, लेकिन अब किशोरों और युवा वयस्कों में भी यह समस्या बढ़ रही है।तेज आवाज में म्यूजिक सुनना, इयरफोन का अधिक इस्तेमाल और शोरगुल वाले माहौल में काम करना इसके प्रमुख कारण हैं। बाहर इस जांच की कीमत लगभग 1000 रुपये होती है, लेकिन एमजीएम अस्पताल में यह सुविधा पूरी तरह मुफ्त होगी।

अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि यह सेंटर सभी उम्र के लोगों के लिए उपयोगी साबित होगा और सुनने की क्षमता को लंबे समय तक सुरक्षित रखने में मदद करेगा।

रांची में तिरंगा यात्रा के जरिए दिखा लोगों का राष्ट्रप्रेम, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी सहित कई भाजपा नेता हुए शामिल

रांची, एजेंसी। पीएम मोदी के आह्वान पर राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत आज 13 अगस्त को रांची में महानगर भाजपा की ओर से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। राजधानी के मोरहाबादी मैदान से अल्बर्ट एक्का चौक तक निकाली गई इस तिरंगा यात्रा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और राज्यसभा सांसद आदित्य साहू समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

इस यात्रा में बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट भी हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय के नारे लगा रहे थे। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने तिरंगे को आन-बान और शान का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि देश और दुनिया के लोग भी भारतीय सैनिकों और सेना के प्रति गर्व और सम्मान की भावना रखते हैं। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा देश के वीर जवानों के सम्मान का एक माध्यम है।

इस अवसर पर सांसद आदित्य साहू ने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से देश के वीर जवानों को याद करने का मौका मिलता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर 10 से 15 अगस्त तक तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। 13 से 15 अगस्त तक घर-घर तिरंगा फहराया जाएगा।

महानगर भाजपा द्वारा आयोजित इस तिरंगा यात्रा का आकर्षण का केंद्र भारत माता के रूप में सजी बच्चियां रहीं। घोड़ों पर सवार होकर तिरंगा यात्रा पर निकली इन बालिकाओं की खुशी देखने लायक थी। इस दौरान राजधानी की सड़कें राष्ट्रीय ध्वजों से पटी रहीं और भारत माता की जय के नारे से गूंज उठीं, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया।महानगर भाजपा द्वारा आयोजित यह तिरंगा यात्रा मोरहाबादी स्थित संकल्प शुक्ला पार्क से शुरू होकर कचहरी चौक, शहीद स्मारक चौक होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक पहुंची, जहां श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद इसका समापन हुआ।

दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए अनूठी पहल, रेल पटरियों पर आसमान से रखी जाएगी नजर

धनबाद, एजेंसी। रेलवे ट्रैक, पुल और स्टेशन एरिया की निगरानी अब और अधिक हाइटेक होगी। धनबाद रेलवे डिवीजन में पहली बार ऐसा अत्याधुनिक निरीक्षण ड्रोन तैनात किया गया है, जो दिन-रात चौकन्ना रहकर रेलवे की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

यह कदम न केवल दुर्घटनाओं की संभावना को लगभग खत्म करेगा, समय रहते खामियों की पहचानकर उनकी मरम्मत भी संभव कराएगा। धनबाद के तीन युवाओं राजा ठाकुर, सागर रेड्डी और मनीष कुमार ने अपने स्टार्टअप विंटल लैब्स के तहत यह हाई-एंड सर्विलांस ड्रोन विकसित किया है।

इसकी कीमत 17.61 लाख रुपये है और इसे खासतौर पर रेलवे की सुरक्षा और मानिटरिंग के

लिए डिजाइन किया गया है। इसमें हाई-रिजाल्यूशन कैमरा, थर्मल इमेजिंग और लाइव वीडियो ट्रांसमिशन जैसी सुविधाएं हैं।

इससे पटरियों की स्थिति, ओवरहेड वायर, रेलवे यार्ड, पुल, स्टेशन एरिया और किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधियों पर 24 घंटे दिन हो रात, नजर रखी जा सकेगी। यहां तक कि हाथियों की चहलकदमी की जानकारी भी यह तुरंत कंट्रोल रूम को भेज देगा।

राजा ठाकुर ने बताया कि धनबाद रेलवे डिवीजन देश के शुरुआती रेलवे डिवीजनों में शामिल हो गया है, जहां इस स्तर की एडवांस तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है। एक उड़ान में यह ड्रोन पांच से सात किलोमीटर तक का रेलवे ट्रैक या आसपास का इलाका कवर कर सकता है।

इसके माडल के आधार पर कवरेज और भी बढ़ाया जा सकता है। इस ड्रोन की तैनाती से रेलवे सुरक्षा प्रणाली को नई मजबूती मिलेगी और ट्रैक व पुलों की निगरानी में लगने वाला समय और मानव श्रम दोनों कम होंगे। स्टार्टअप के संस्थापक राजा ठाकुर और सागर रेड्डी ने बीटेक किया है।

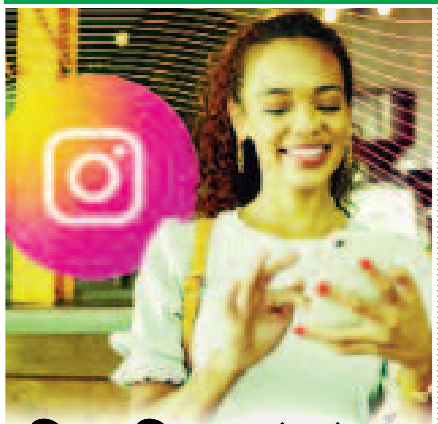

क्रिएटिव लोगों के लिए इस क्षेत्र में टीचिंग के हैं शानदार मौके

आज भले ही हमारे आसपास हजारों जॉब ऑप्शंस उपलब्ध हों मगर जिन लोगों का मन शिक्षण में लगता है, उनके लिए आज भी यह बाकी सारे प्रोफेशंस से ऊपर है। यूं तो हर विषय का अध्यापन अपनी खास विशेषताएं लिए हुए होता है मगर आर्ट्स एंड क्राफ्ट का अध्यापन अन्य विषयों से हटकर है। आज, जबकि बच्चों के विकास पर जोर दिया जा रहा है, ऐसे में स्कूली स्तर पर आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर की मांग बढ़ रही है। अगर आप भी आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर बनने की चाह रखते हैं, तो इसके लिए आपको कुछ खास डिग्री/ डिप्लोमा/ सर्टिफिकेट हासिल करना होगा। ध्यान रहे, आर्ट्स एंड क्राफ्ट के तहत बहुत-से फील्ड्स आते हैं, जैसे ड्रॉइंग, पेंटिंग, थिएटर, हैंडिक्राफ्ट्स, फोटोग्राफी, पेपर आर्ट, पॉटरी, क्ले मॉडलिंग आदि। हर कला एक हुनर है और इसे सिखाना, इससे भी बड़ा हुनर।

जरूरी क्वॉलिफिकेशन

यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त किसी सरकारी/प्रायवेट कॉलेज से आर्ट का नियमित ग्रेजुएट डिग्री कोर्स।

किसी प्रतिष्ठित कॉलेज या ट्रेनिंग सेंटर/ इंस्टीट्यूट से 1 या 2 वर्ष का आर्ट का डिप्लोमा कोर्स।

किसी सरकारी कॉलेज से 6 माह का आर्ट एप्रीसिएशन सर्टिफिकेशन कोर्स।

इन सभी कोर्सेज में थ्योरी और प्रेक्टिकल दोनों महत्वपूर्ण होते हैं। ये कोर्स करने से आप कला के तकनीकी पक्ष को अच्छी तरह समझने लगते हैं। साथ ही आपको क्लासरूम मैनेजमेंट, टीचिंग इक्विपमेंट आदि के बारे में भी सीखने को मिलता है। अपने ज्ञान को विस्तार देने के लिए आप कहीं शॉर्ट-टर्म इंटर्नशिप भी कर सकते हैं। ऐसा करने से नियमित जॉब करने से पहले आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

कौन होता है अच्छा आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर

एक अच्छा आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर बनने के लिए केवल अकादमिक क्वॉलिफिकेशन ही पर्याप्त नहीं है। इसके लिए आपमें कुछ और गुण होना भी बेहद जरूरी है, जैसे:

- आपमें कला और उसके अध्यापन को लेकर पैशन हो।
- आप विद्यार्थियों के साथ सहज तालमेल बिठा लेते हों और आपमें उन्हें प्रेरित करने की क्षमता हो।
- आप अथाह धैर्य के स्वामी हों। कला और शिक्षण दोनों ही धैर्य मांगते हैं।
- आप हर वक्त कुछ नया सोचने की क्षमता रखते हों।
- आप सिखाने के साथ-साथ खुद नया सीखते रहने को भी तत्पर हों।
- विभिन्न शिक्षण तकनीकों पर आपकी मजबूत पकड़ हो।

फ्रीलांसर के तौर पर काम करना पसंद कर रहे हैं प्रोफेशनल्स

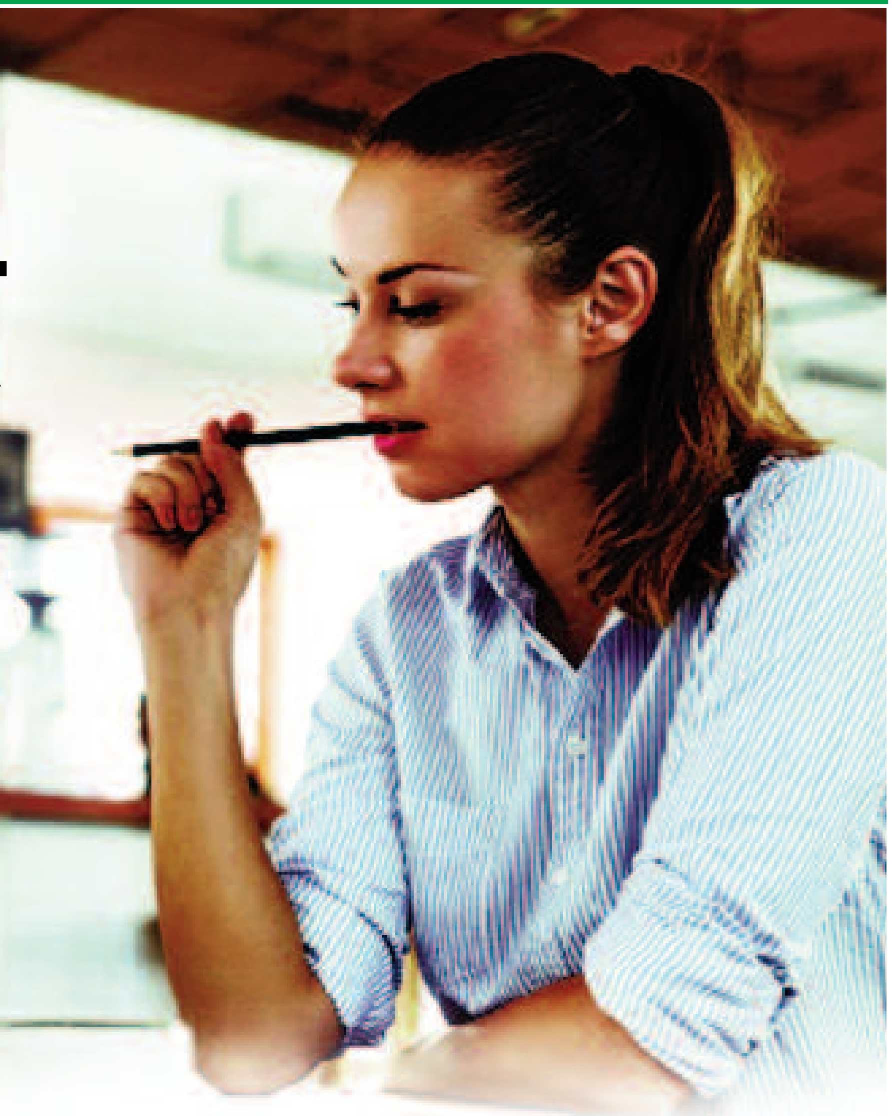

आजकल अनेक प्रोफेशनल्स किसी कंपनी के एम्प्लॉयी के तौर पर कई-कई घंटे और वह भी असुविधाजनक समय पर, काम करने के बजाय फ्रीलांसर के तौर पर काम करना पसंद कर रहे हैं। अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए वे किसी कंपनी के ब्रांड नेम पर निर्भर रहने के बजाय अपनी प्रतिभा पर विश्वास कर रहे हैं।

यह बात खास तौर पर क्रिएटिव फील्ड से जुड़े लोगों पर लागू होती है, जैसे फोटोग्राफर, राइटर, कॉपी एडिटर, पेंटर, फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, कार्टूनिस्ट आदि। फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसे कई बंधनों से मुक्त हो जाते हैं, जो किसी कंपनी के रेगुलर एम्प्लॉयी के तौर पर आपको मानने पड़ते हैं।

काम के घंटे

फ्रीलांसर को 9 से 5 बजे तक ऑफिस में बैठकर काम नहीं करना होता। अगर आप सुबह देर से उठते हैं और रात देर तक काम करना चाहते हैं, तो फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसा कर सकते हैं। फ्रीलांसिंग में सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप अपनी सुविधा से अपना काम का समय चुन सकते हैं।

ऑफिस पॉलिटिक्स

हर ऑफिस में खेमेबाजी, राजनीति आदि होती ही है। कोई आपके काम का श्रेय लेने की फिराक में रहता है, कोई पीठ पीछे आपकी बुराई करता है। कई लोग ऐसे माहौल में असहज हो जाते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ काम नहीं कर पाते। अगर आप ऐसे लोगों में से हैं, जिन्हें इस तरह का माहौल कतई बर्दाश्त नहीं, तो फ्रीलांसिंग आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है। यहां बस आप हैं और आपका काम है।

सैलरी

आपको मैनेजमेंट के साथ अपने वेतन और वेतनवृद्धि को लेकर मोलभाव नहीं करना होता। एक बार आपने खुद को फ्रीलांसर के तौर पर स्थापित कर लिया, तो आप जो उचित समझें, उतना पैसा डिमांड कर सकते हैं। अगर आपका नाम हो गया, तो क्लाइंट्स आपकी डिमांड के अनुसार पैसा देने को तैयार रहेंगे।

बॉस

नौकरी करते हुए केवल अच्छा काम करना ही पर्याप्त नहीं होता, आपको अपने बॉस को भी खुश रखना होता है। तभी आपके काम को पहचान (और आपको तरक्की) मिलती है। मगर फ्रीलांसर के सामने ऐसी कोई मजबूरी नहीं होती। अगर आप अपने काम से अपने क्लाइंट्स को संतुष्ट कर दें, तो आपको मार्केट में पहचान मिल जाएगी। फिर वह क्लाइंट तो दोबारा आपके पास आएगा ही, दूसरे क्लाइंट्स भी आपका नाम सुनकर आपसे संपर्क करेंगे। यदि अधिक ऑफर्स हों, तो आप अपनी पसंद से क्लाइंट्स चुन सकते हैं।

ऐसे लोगों के लिए काम करना जरूरी नहीं होता, जिन्हें आप पसंद नहीं करते।

ऑफिस एटिकेट

ऑफिस में आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप एक खास तरह से खुद को प्रस्तुत करें। आपको अपने कपड़ों, अपनी बोलचाल, बॉडी लैंग्वेज आदि का लगातार ध्यान रखना होता है। जब आप फ्रीलांसर के तौर पर घर से ही काम करते हैं, तो आप चाहे जैसे कपड़े पहन सकते हैं, बीच में किसी से बिंदास गपशप भी कर सकते हैं। कुर्सी पर पैर चढ़ाकर काम करना चाहते हैं, तो इसके लिए भी यहां कोई आपको नहीं टोकेगा।

चुनौतियां भी कम नहीं

ऐसा नहीं है कि फ्रीलांसिंग में मजा ही मजा है। इसमें आपको मेहनत तो करनी ही होती है, साथ ही इसमें खतरा भी है। यहां आपको हर महीने तयशुदा दिन तयशुदा सैलरी नहीं मिलती। जब जितना काम किया, उस हिसाब से पैसे मिलेंगे। अपनी मार्केटिंग आपको खुद करनी होती है। नेटवर्किंग, पीआर, क्लाइंट मैनेजमेंट आदि अच्छा होने पर ही फ्रीलांसर के रूप में आप सफल रह सकते हैं। यह काम अपना बिजनेस चलाने की तरह ही है। अच्छा-बुरा जो भी हो, उसके लिए आप ही जिम्मेदार होते हैं।बेहतर यही होगा कि जॉब छोड़ने से पहले आप फ्रीलांसिंग की दुनिया की जांच-परख कर लें। यहां सबसे बड़ी चुनौती मार्केट में खुद को स्थापित करना होता है।

स्थापित होने में, क्लाइंट्स को आकर्षित करने में समय भी लगता ही है। अगर आप जॉब छोड़कर फ्रीलांसिंग करने की सोच रहे हैं, तो समझदारी इसी में है कि आप एकाध साल गुजारा करने जितना पैसा अलग से सुरक्षित रखें। वैसे बेहतर यही होगा कि आप जॉब में रहते हुए फ्रीलांसिंग शुरू कर दें और यह काम जम जाने के बाद ही जॉब छोड़ें।

आसान नहीं, चुनौतीपूर्ण है टेलिफोनिक इंटरव्यू

आजकल अक्सर कंपनियां नौकरियों के लिए उम्मीदवारों को शॉर्ट-लिस्ट करने, इंटरव्यू का खर्च कम करने या फिर दूसरे शहरों के उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग के लिए टेलिफोनिक इंटरव्यू लेती हैं। जो भी हो, आखिरकार यह है तो जॉब इंटरव्यू ही और अगर आप ऐसा इंटरव्यू दे रहे हैं, तो आपके लिए यह अधिक चुनौतीपूर्ण है क्योंकि आपको केवल अपनी आवाज से ही इंटरव्यूअर को प्रभावित करना है।

आपको यह भी लग सकता है कि टेलिफोनिक इंटरव्यू देना तो आसान है क्योंकि यहां आपको इंटरव्यू बोर्ड को अपने कपड़ों, बॉडी लैंग्जवेज आदि से इम्प्रेस नहीं करना लेकिन यह बात पूरी तरह सच नहीं है। चूंकि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता, सो वह आपके प्रत्येक जवाब का अधिक बारीकी से अध्ययन करेगा। ऐसे में हर सवाल का जवाब बिल्कुल सटीक होना जरूरी हो जाएगा। बेहतर यही होगा कि आप अपने टेलिफोनिक इंटरव्यू की अच्छी-खासी तैयारी कर लें। आम तौर पर उम्मीदवार को पहले से ही इंटरव्यू कॉल के दिन और समय के बारे में सूचित कर दिया जाता है। उस हिसाब से नियत दिन और समय पर तैयार रहें। अगर आपको अचानक ऐसे समय कॉल आ जाता है, जब आप किसी शोर-गुल वाली जगह पर या फिर बाथरूम में हैं, तो क्षमा मांगते हुए उनसे कहिए कि कृपया थोड़ी देर बाद कॉल करें। मगर ध्यान रखें, हो सकता है कि आपको त्वरित तौर पर इंटरव्यू देना ही पड़े, सो इसके लिए तैयार रहें।

इंटरव्यू से पहले

फोन इंटरव्यू कई लोगों के लिए डरावने भी हो सकते हैं क्योंकि आप सामने वाले को देख नहीं पाते और इंटरव्यूअर आपकी आवाज के टोन से आपके बारे में राय बनाएगा। कुछ तैयारी करके आप इस इंटरव्यू को आसान बना सकते हैं:

- अपना रेज्यूमे अपने सामने ही रखें।
- कागज और पेन तैयार रखें, ताकि कुछ नोट करने का काम पड़े तो यहां-वहां ढूंढना न पड़े।
- कंपनी के बारे में पहले से जानकारी एकत्र करके रखें। इंटरव्यू के दौरान यह जानकारी आपकी पहुंच के भीतर होना चाहिए।
- अपनी उपलब्धियों की सूची उदाहरण सहित तैयार रखें। टेलिफोनिक इंटरव्यू का यह एक बड़ा फायदा है कि आप लिखी हुई सूची में से पढ़कर सुना सकते हैं।
- यह सुनिश्चित कर लें कि इंटरव्यू के दौरान आपके आसपास कोई शोर-गुल या किसी तरह का व्यवधान न हो। बच्चे, मित्र या पालतू आकर आपको डिस्टर्ब न करें। रेडियो-टीवी बंद हो। आसपास कोई दूसरा फोन भी न हो, जो अचानक इंटरव्यू के बीच बज उठे।
- अपने फोन में कॉल वेटिंग को स्विच ऑफ कर लें, ताकि इंटरव्यू कॉल के दौरान व्यवधान न हो।
- अगर इंटरव्यू मोबाइल फोन पर दे रहे हैं, तो फोन को पहले ही पूरी तरह चार्ज कर लेना न भूलें।
- फोन पर इंटरव्यू देने की प्रेक्टिस करें और अपनी आवाज को रेकॉर्ड करके सुनें। उसमें जो भी कमी लगे, उसे सुधारने का प्रयास करें।
- माना कि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता लेकिन अगर आप इंटरव्यू के दौरान थोड़े फॉर्मल कपड़े पहनेंगे, तो इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ेगा और आप प्रोफेशनलिज्म से इंटरव्यू दे पाएंगे।
- पानी का ग्लास जरूर अपने पास रखें।

तीन साल पहले कंपनी बनाई और अब गूगल क्रोम को खरीदने का दे दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। इसे कहते हैं दम दिखाना। जी हां, भारतवंशी सीइओ अरविंद श्रीनिवास के नेतृत्व वाली कंपनी पेरप्लेक्सिटी एआई ने एक अनूठा कदम उठाया है। पेरप्लेक्सिटी एआई ने गूगल क्रोम को खरीदने के लिए 34.5 बिलियन डॉलर (भारतीय रुपये में करीब 3,02,152 करोड़) का प्रस्ताव दिया है। यह प्रस्ताव पूरी तरह से कैश में पेमेंट का है। न्यूज एजेंसी एक रिपोर्ट के अनुसार, पेरप्लेक्सिटी का यह प्रस्ताव उसकी अपनी वैल्यू से कहीं ज्यादा है।

कितनी पुरानी कंपनी है यह– आप पेरप्लेक्सिटी एआई का नाम शायद ही सुना होगा। क्योंकि, अभी इस कंपनी को महज तीन साल ही हुए है। इस कंपनी ने निवेशकों से लगभग 1 बिलियन डॉलर जुटाए हैं। इस कंपनी को हल्के में नहीं लें। पिछली बार जब कंपनी का वैल्यूएशन हुआ था, तो यह 14 बिलियन डॉलर आंका गया था। पेरप्लेक्सिटी का कहना है कि कई फंड्स ने इस डील को पूरा करने के लिए फाइनेंस करने की पेशकश की है, लेकिन उन्होंने किसी का नाम नहीं बताया है।

गूगल पर कुछ आरोप भी

पेरप्लेक्सिटी एआई का यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब गूगल पर रेगुलेटरी दबाव है। अमेरिका के न्याय विभाग ने गूगल के खिलाफ ऑनलाइन सर्च में गैरकानूनी एकाधिकार का आरोप लगाया है। अदालत ने भी माना है कि गूगल का एकाधिकार है।

52 हफ्ते के टॉप पर पहुंचा पेटीएम का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी डिजिटल पेमेंट कंपनी पेटीएम की पैरेंट वन 97 कम्युनिकेशंस के शेयरों में बुधवार को उछाल आई। बीएसई पर कंपनी का शेयर करीब 5 प्रतिशत बढ़कर 1186.50 रुपये पर पहुंच गया जो इसका 52 हफ्ते का टॉप है। भारतीय रिजर्व बैंक ने पेटीएम की सहायक कंपनी पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड) को ऑनलाइन पेमेंट एग्रीगेटर के तौर पर काम करने की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इसलिए कंपनी के शेयरों में आज तेजी दिख

रही है। हालांकि आईपीओ में शेयर पाने वाले निवेशक अब भी करीब 1000 रुपये के घाटे में हैं। आरबीआई ने कहा कि पीपीएसएल को यह मंजूरी पेमेंट एग्रीगेटर्स और पेमेंट गेटवे के नियमों का पालन करने पर ही मिलेगी। साथ ही कंपनी को 31 मार्च, 2021 को जारी किए गए स्पष्टीकरणों का भी पालन करना होगा। इस मंजूरी में सिर्फ पेमेंट एग्रीगेटर के काम शामिल हैं। सेंट्रल बैंक ने साथ ही कंपनी को एक सिस्टम ऑडिट कराने का भी आदेश दिया है। इसमें साइबर सुरक्षा ऑडिट भी शामिल होगा।

इश्यू प्राइस पर घाटा

साथ ही आरबीआई ने कंपनी को एक बड़ी राहत देते हुए नवंबर 2022 में लगाए मर्चेंट ऑनबोर्डिंग प्रतिबंधों को भी तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। इसका मतलब है कि पीपीएसएल अब नए मर्चेंट्स को अपने प्लेटफॉर्म पर जोड़ सकता है।

भारत और रूस ने निकाला ट्रंप के टैरिफ का तोड़!

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। भारतीय सामान पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। इसके अलावा रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरक्त टैरिफ लगाया गया है। इसके बावजूद भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीदारी जारी रखने का फैसला किया है। हाल ही में सरकार और आरबीआई ने रुपये और रूस की करेंली रूबल में ट्रेड को आसान बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। आइए देखते हैं कि ये कदम क्या हैं और इनसे क्या बदलाव आएगा।

रुपये-रूबल व्यापार में फिर से चर्चा क्यों हो रही है?

कुछ दिनों पहले, अमेरिका ने भारत पर ज्यादा टैक्स लगाने की घोषणा की थी। इसके बाद, 5 अगस्त को आरबीआई ने एक आदेश जारी किया। इस आदेश में कहा गया कि ऑथराइज्ड डीलर कैटगरी–1 बैंक केंद्रीय बैंक की अनुमति के बिना विदेशी बैंकों के लिए स्पेशल रुपये वोस्ट्रो अकाउंट खोल सकते हैं। इसके बाद हाल ही में आरबीआई ने इन पैसों को सरकारी सिक्योरिटीज और ट्रेजरी बिलों में आसानी से निवेश करने की अनुमति दे दी। पहले इस पर कुछ रोक थी जिसे हटा दिया गया है।

वोस्ट्रो अकाउंट क्या होता है?

वोस्ट्रो अकाउंट एक ऐसा बैंक अकाउंट होता है जिसमें एक घरेलू बैंक, विदेशी बैंक के पैसों को अपनी लोकल करेंसी में रखता है। मसलन अगर कोई भारतीय बैंक किसी रूसी बैंक के लिए भारतीय रुपये में अकाउंट रखता है, तो उसे वोस्ट्रो अकाउंट कहते हैं। एसआरवीएरूस के साथ तेल के व्यापार को आसान बनाता है। इससे लेन–देन सीधे रुपये में हो सकता है। इसमें डॉलर जैसी तीसरी करेंसी की जरूरत नहीं होती। आमतौर पर दूसरे वोस्ट्रो अकाउंट में ऐसा होता है कि डॉलर की जरूरत पड़ती है। इस बदलाव से अकाउंट खोलने की प्रक्रिया आसान और तेज हो जाएगी। इन अकाउंट का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बिल बनाने, पेमेंट करने और लेन–देन को पूरा करने के लिए किया जाता है। पहले बैंकों को एसआरवीएखोलने से पहले आरबीआई से इजाजत लेनी होती थी। लेकिन अब वे खुद ही इसे खोल सकते हैं। इससे रुपये में होने वाले व्यापार के लेन–देन में तेजी आएगी। रूस भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा सप्लायर है।

क्या चुनौतियां हैं?

भारत का रूस को निर्यात कम है और आयात ज्यादा है। तेल के आयात की वजह से व्यापार में भारत को घाटा होता है। इससे रूस के पास बहुत सारे भारतीय रुपये जमा हो जाते हैं जिससे लेन–देन में दिक्कत आती है। रूस की जिन कंपनियों पर अमेरिका ने पाबंदी नहीं लगाई है, वे रुपये के बजाय डॉलर में पेमेंट लेना पसंद करती हैं। रूबल की कीमत में बहुत उतार–चढ़ाव होता है। इसे कंट्रोल करना भी मुश्किल है। इसलिए रुपये के साथ सीधे एक्सचेंज करना मुश्किल होता है। अक्सर डॉलर के जरिए इसे बदलना पड़ता है, जिसमें बहुत खर्च आता है।

इन चुनौतियों से कैसे निपटा जा रहा है?

इन चुनौतियों से निपटने के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं। इसमें रुपये–रूबल के लिए एक ऐसा एक्सचेंज रेट सिस्टम बनाना शामिल है जिससे डॉलर में बदलने का खर्च कम हो जाए। पेमेंट की पुष्टि करने के लिए सिस्टम बनाए जा रहे हैं। दूसरे फाइनेंशियल मैसेजिंग नेटवर्क का इस्तेमाल करने पर भी विचार किया जा रहा है।

ट्रेजरी विभाग बोला- राष्ट्रीय ऋण रिकॉर्ड 37 ट्रिलियन डॉलर हुआ

ट्रंप के टैरिफ से राजस्व बढ़ा

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी सरकार का सकल राष्ट्रीय ऋण अब 37 ट्रिलियन डॉलर को पार कर गया है, जो अब तक सबसे ज्यादा है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की नई रिपोर्ट के मुताबिक, यह रिकॉर्ड इस हफ्ते बना है। यह दर्शाता है कि अमेरिकी सरकार पर कर्ज लगातार बढ़ रहा है और इसका बोझ करदाताओं पर भी पड़ेगा। वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से रिकॉर्ड आय प्राप्त करने के बावजूद, इस वित्तीय वर्ष में जुलाई में अमेरिकी बजट घाटा पिछले वर्ष की तुलना में 20 फीसदी बढ़ गया है। ट्रेजरी विभाग की मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को जारी रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय कर्ज पूर्वानुमानों की तुलना में कई साल पहले 37 ट्रिलियन डॉलर अधिक हो गया है। कांग्रेस के बजट कार्यालय ने जनवरी 2020 में अनुमान लगाया था कि यह आंकड़ा वित्तीय वर्ष 2030 के बाद ही पार होगा, लेकिन 2020 में शुरू हुई कोरोना महामारी के बाद हालात बदल गए। महामारी के दौरान, अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए सरकार ने अपेक्षा से अधिक कर्ज लिया।

खर्च और राजस्व नीति को गति देने में कांग्रेस की प्रमुख भूमिका

ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन की आर्थिक अध्ययन की वरिष्ठ फेलो वेंडी एडेलबर्ग ने कहा कि खर्च और राजस्व नीति को गति देने में कांग्रेस की प्रमुख भूमिका है। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन के कर कानून का मतलब है कि हम 2026 और 2027 के दौरान बहुत अधिक उधार लेंगे, और यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा।

लोगों पर पड़ेगा सरकारी कर्ज का सीधा असर

सरकारी जवाबदेही कार्यालय (जीएओ) ने अमेरिकियों पर बढ़ते सरकारी कर्ज के कुछ प्रभावों की रूपरेखा तैयार की है। इस कर्ज का असर लोगों पर सीधा पड़ेगा। जैसे घर और कार के लोन महंगे होंगे, कंपनियों के पास निवेश के लिए कम पैसा होगा, जिससे वेतन कम रह सकते हैं। इसके अलावा, सामान और सेवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं।

शाहरुख खान के शराब बिजनेस में निखिल कामत में खरीदी हिस्सेदारी

टकीला लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। जेरोधा के को-फाउंडर और अरबपति निवेशक निखिल कामत ने दिग्गज अभिनेता शाहरुख खान के शराब बिजनेस में निवेश किया है। कामत के पास शाहरुख और उनके बेटे आर्यन खान की कंपनीडीयावोल स्पिरिट्स की 5 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा उनके पास देश की चौथी बड़ी शराब कंपनी रेडिको खेतान में भी 1.7 प्रतिशत हिस्सेदारी है जिसकी कीमत 660 करोड़ रुपये है। उन्होंने रेडिको में अपने इनवेस्टमेंट को मिनिएचर पार्टनर और शानदार निवेश बताया है।

रेडिको ने डीयावोल स्पिरिट्स में 40 करोड़ रुपये में 47.5 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। अब रेडिको इस कंपनी में सबसे बड़ी शेयरधारक है।डीयावोल स्पिरिट्स के अन्य संस्थापक शाहरुख खान और आर्यन खान के दोस्त हरप्रीत सिंह और उनकी पत्नी लेटी ब्लागोएवा हैं। इन सभी के पास मिलकर कंपनी में 47.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इन चारों ने 2022 में प्रीमियम स्पिरिट्स का डिस्ट्रीब्यूशन शुरू किया था। उन्होंने डीयावोल सिंगल एस्टेट वोडका, इनसेप्शन ब्लेंडेड माल्ट स्कॉच व्हिस्की और वोर्टेक्स स्कॉच व्हिस्की लॉन्च की हैं। यह स्टार्टअप भारत में डीयावोल एनेजो टकीला भी लॉन्च करेगा। रेडिको के एमडी अभिषेक खेतान ने बताया कि रेडिको की टकीला में एंट्री करने की कोई योजना नहीं थी। लेकिन जब शाहरुख के साथ बातचीत हुई और जब हमने उनके द्वारा बनाया गया प्रोडक्ट देखा, तो हमने उनके साथ पार्टनरशिप करने का फैसला किया।

19 अगस्त से खुल रहा सोलर कंपनी का आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप आईपीओ में पैसे लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए यह काम की खबर हो सकती है। अगले सप्ताह विक्रम सोलर का आईपीओ आ रहा है। कोलकाता स्थित फोटोवोल्टिक मॉड्यूल निर्माता ने अपने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 315–332 रुपये प्रति शेयर तय किया है। यह मौजूदा गैर–सूचीबद्ध बाजार वैल्यू 385 रुपये प्रति शेयर से कम है। इस सीमा के ऊपरी छोर पर, विक्रम सोलर का मार्केट कैप लगभग 14,190 करोड़ रुपये होगा। विक्रम सोलर का आईपीओ 19 अगस्त को खुलेगा और 21 अगस्त को बंद होगा। एंकर बुक 18 अगस्त को खुलेगी। शेयर आवंटन 22 अगस्त को होगा और स्टॉक एक्सचेंजों में लिस्टिंग 26 अगस्त को होगी।

क्या है डिटेल– विक्रम सोलर के आईपीओ में 1,500 करोड़ रुपये के नए शेयर बिक्री घटक और इसके प्रमोटर ज्ञानेश चौधरी, विक्रम कैपिटल मैनेजमेंट और अनिल चौधरी द्वारा 1,74,50,882 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है, जिसकी कीमत मूल्य बैंड के ऊपरी छोर पर 579.37 करोड़ रुपये है।

सीईओ कठपालिया समेत तलब होगा इंडसइंड बैंक मैनेजमेंट

मुंबई, एजेंसी। मुंबई इकोनॉमिक ऑफेंसेज विंग ने इंडसइंड बैंक में कथित ऑडिट में अकाउंटिंग गंडबड़ियों की प्रारंभिक जांच शुरू की है। यह कार्रवाई बैंक की वर्तमान प्रबंधन टीम द्वारा दर्ज शिकायत के आधार पर की गई है।

सीएनबीसी-टीवी18 के मुताबिक ईओडब्ल्यू ने बैंक के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी और पूर्व उप सीएफओ के कार्यालय से जुड़े कर्मचारियों के बयान दर्ज किए हैं। बैंक के एमडी और सीईओ सुमंत कठपालिया तथा एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी अरुण खुराना को भी आगामी दिनों में तलब कर उनके बयान रिकॉर्ड किए जाएंगे। हालांकि, जांच के दौरान पूर्व सीएफओ और पूर्व उप सीएफओ को भी तलब किया जा सकता है। यह अभी प्रारंभिक जांच है, प्रथम सूचना रिपोर्ट नहीं।

कैसा रहा चौथी तिमाही का रिजल्ट

बता दें इंडसइंड ने 21 मई को वित्तीय वर्ष 2024–2025 की चौथी तिमाही में 2,329 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा दर्ज किया, जो इसका अभी तक का सबसे खराब तिमाही घाटा है। इसकी वजह यह थी कि इसने प्रावधानों को काफी हद तक बढ़ा दिया और तिमाही के दौरान पाए गए डेरिवेटिव और माइक्रोफाइनेंस सेगमेंट में लेखांकन विसंगतियों से जुड़े 2,500 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के गलत तरीके से दर्ज राजस्व और आय प्रविष्टियों को उलट दिया। एम एस के ए एंड एसोसिएट्स, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और एम पी चितले एंड कंपनी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने मार्च 31 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए इंडसइंड बैंक के संयुक्त केंद्रीय वैधानिक लेखा परीक्षक थे।

क्या है मामला

10 मार्च को बैंक ने एक नोटिस के जरिए बताया कि आरबीआई के निर्देशों के अनुसार इंटरनल ऑडिट में कुछ अकाउंटिंग गलतियां पाई गईं। आरबीआई मास्टर डायरेक्शन के हिसाब से बैंक ने इंटरनल ऑडिट किया तब उसे पता चलता कि कुछ अकाउंटिंग गलतियां हैं। इन गलतियों की वजह से बैंक को 2100 करोड़ रुपये का नुकसान होगा। एक्सटर्नल ऑडिट के बाद यह नुकसान और भी बढ़ सकता है। यह नुकसान बैंक की नेटवर्थ का 2.35 प्रतिशत है। यह गलती हेजिंग कॉस्ट से जुड़ी है। बैंक ने आरबीआई की मंजूरी के तुरंत बाद अकाउंटिंग से जुड़ी कमियों का खुलासा किया था जिसमें वित्त वर्ष 2025 के वित्तीय नतीजे पर 1,960 करोड़ रुपये के झटके का अनुमान लगाया गया था। बाद में बैंक की तरफ से नियुक्त एक्सटर्नल ऑडिटर ने 1,959.98 करोड़ रुपये के झटके की पुष्टि की थी।

अंबानी परिवार की संपत्ति अदाणी से दोगुनी होकर 28 लाख करोड़ हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। अरबपति मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाले अंबानी परिवार के पास 28 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है। यह अदाणी परिवार की 14.01 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति से दोगुनी से भी अधिक है। हुरुन की ओर से बार्कलेज के सहयोग से तैयार की गई एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश के 300 सबसे मूल्यवान भारतीय परिवारों के पास 1.6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (140 लाख करोड़ रुपये) से अधिक की संपत्ति है। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 40 प्रतिशत से भी अधिक है। अकेले अंबानी परिवार की संपत्ति देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 12 प्रतिशत है।

बीते एक साल में अंबानी परिवार की संपत्ति 10 फीसदी बढ़ी– हुरुन-बार्कलेज की रिपोर्ट के अनुसार, अंबानी परिवार की संपत्ति में पिछले वर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे यह देश में सबसे मूल्यवान पारिवारिक व्यवसाय के रूप में अपनी रैंकिंग बरकरार रखने में सफल रहा है। वहीं दूसरी ओर, अदाणी समूह पहली पीढ़ी के उद्यमी की ओर से शुरू किया गया देश का सबसे मूल्यवान व्यवसाय है। रिपोर्ट में दिए गए, आंकड़ों के अनुसार कुमार मंगलम बिड़ला परिवार की संपत्ति पिछले साल 20 प्रतिशत बढ़कर 6.47 लाख करोड़ रुपये हो गई। वे पीढ़ी दर पीढ़ी आधार पर संपत्ति अर्जित करने वाले परिवारों की सूची में एक स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

देश के शीर्ष 300 परिवारों की संपत्ति एक साल में 17000 करोड़ रुपये बढ़ी

बजाज परिवार सूची में एक स्थान नीचे खिसक कर चौथे स्थान पर आ गया। उनकी संपत्ति 21 प्रतिशत घटकर 5.64 लाख करोड़ रुपये रह गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि संपत्ति के लिहाज से देश के शीर्ष 300 परिवारों ने पिछले वर्ष प्रतिदिन 7,100 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की। हुरुन की रिपोर्ट के अनुसार, 1 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 8,700 करोड़ रुपये) से अधिक संपत्ति रखने वाले परिवारों की संख्या 37 बढ़कर 161 हो गई है। सूची में शामिल एक–चौथाई से अधिक व्यवसाय एक्सचेंजों में सूचीबद्ध नहीं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सूची में शामिल केवल 11 प्रतिशत व्यवसाय सेवा क्षेत्र से जुड़े। वहीं बाकि 89 प्रतिशत भौतिक उत्पाद बेचते हैं।

चीन ने भारत को यूरिया निर्यात में ढील दी

तनाव कम करना उद्देश्य; अब 3 लाख टन हो सकेगी खरीद

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन ने भारत के साथ तनाव घटाने की कवायद के तहत यूरिया के निर्यात में ढील दे दी है। हालांकि इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है

लेकिन मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि भारत चीन से तीन लाख टन तक यूरिया का आयात कर सकता है। भारत दुनिया में यूरिया का सबसे बड़ा आयातक है। चीन ने भारत के साथ तनाव घटाने की पहल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ की घोषणा के बाद की है। भारत और चीन के बीच जून, 2020 में लद्दाख की गलवां घाटी में हिंसक झड़प के बाद से संबंध निचले स्तर पर पहुंच गए थे। हालांकि पिछले कुछ महीनों में हालात में सुधार दिखा है फिर भी दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर विवाद जारी है।

2023 में चीन ने रोकी थी यूरिया की बिक्री– 2023 में चीन का आधा यूरिया निर्यात भारत को होता था लेकिन पिछले साल इसने दुनिया के सभी देशों को यूरिया की बिक्री रोक दी। इस जून में चीन ने इस प्रतिबंध में ढील दी लेकिन भारत पर लगा प्रतिबंध अभी तक जारी था। अब इसमें ढील दी गई है। हालांकि 3 लाख टन की मात्र बहुत अधिक नहीं है लेकिन धीरे-धीरे इसमें बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

18.70 लाख टन से घटकर सिर्फ एक लाख टन रह गया था आयात

भारत ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त हुए वर्ष के दौरान 57 लाख टन यूरिया का आयात किया था। यह पिछले साल के मुकाबले 20 फीसदी कम था। वहीं, प्रतिबंध के कारण चीन से होने वाला आयात 2023–24 के 18.70 लाख टन से घटकर 2024–25 में एक लाख टन के करीब रह गया था। भारत की ज्यादातर अर्थव्यवस्था अब भी कृषि पर निर्भर है और इसलिए घरेलू मांग को पूरा करने के लिए भारत को उर्वरकों को बड़ी मात्रा में आयात करना पड़ता है। सरकार यूरिया पर बड़ी मात्रा में सब्सिडी भी देती है ताकि किसानों पर बोझ न पड़े।

गिल से हार गए बाबर आजम

एशिया कप से पहले ही टूटा पाकिस्तान का घमंड!

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप तो दूर की बात है. शुभमन गिल वहां खेलेंगे, वो भी अभी साफ नहीं है. मगर, एशिया कप में 14 सितंबर को होने वाली भारत-पाकिस्तान टक्कर से पहले, शुभमन गिल ने बाबर आजम पर अपने दबदबे की कहानी जरूर लिख दी है. भारतीय क्रिकेट के प्रिंस ने पाकिस्तान क्रिकेट के स्टार बैटर को हरा दिया है. इस हार और जीत की स्क्रिप्ट क्रिकेट के मैदान पर बेशक ना लिखी गई हो. मगर इसका नाता क्रिकेट से जरूर है. शुभमन गिल ने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड जीतने के मामले में बाबर आजम को पीछे छोड़ा है.

प्लेयर ऑफ द मंथ जीतने में बाबर से आगे निकले गिल

शुभमन गिल को जुलाई 2025 के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड दिया गया है. इस अवॉर्ड को जीतने के साथ ही उन्होंने बाबर आजम का भी वो रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिस पर पाकिस्तान अब तक नाज करता आ रहा था. मेंस क्रिकेट में अब तक सबसे ज्यादा 3 बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ जीतने का रिकॉर्ड बाबर आजम के नाम था. मगर शुभमन गिल ने चौथी बार उस खिताब को जीतते हुए पाकिस्तानी बल्लेबाज को पीछे छोड़ दिया है.

कब-कब बने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ?

जुलाई 2025 में आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बनने वाले शुभमन गिल, इससे पहले जनवरी 2023, सितंबर 2023 और फरवरी 2025 में भी ये अवार्ड जीत चुके हैं.
दुनिया के दूसरे खिलाड़ियों की बात करें तो शुभमन गिल के बाद दूसरा नंबर बाबर आजम का है. उनके बाद इंग्लैंड के हैरी ब्रूक हैं, जो 2 बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने हैं. इंग्लैंड के ब्रूक के अलावा, श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस,-श्व के मोहम्मद वसीम, बांग्लादेश के शाकिब अल हसन और भारत से जसप्रीत बुमराह और श्रेयस अय्यर दो-दो बार ये अवॉर्ड जीता है.

एशिया कप में खेल सकते हैं गिल

एशिया कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान 19 या 20 अगस्त को होने की खबर है. संभावित खिलाड़ियों में एक नाम शुभमन गिल का भी है. अगर शुभमन गिल टीम में आते हैं तो एशिया कप में बाबर आजम से उनकी सीधी टक्कर देखने को मिलेगी. भारत और पाकिस्तान के नजरिए से मुकाबला जीतने के लिए इन दोनों बल्लेबाजों का अपनी-अपनी टीमों के लिए चलना जरूरी होगा.

आईसीसी रैंकिंग- रोहित शर्मा ने बाबर आजम को पीछे छोड़ा

- *टिम डेविड टी-20 के टॉप-10 बैटर्स में शामिल*

दुबई, एजेंसी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने आईसीसी वनडे रैंकिंग में पाकिस्तानी बैटर बाबर आजम को पीछे छोड़ दिया है। बाबर को वेस्टइंडीज दौरे पर खराब प्रदर्शन का नुकसान हुआ है। इसमें शुभमन गिल नंबर-1 पर हैं।

आईसीसी ने बुधवार को अपनी ताजा रैंकिंग जारी की। इसके अनुसार, एक दिन पहले मंगलवार, 12 अगस्त को दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 41 बॉल पर शतक बनाने वाले 22 साल के साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस को टी-20 बैटर्स की रैंकिंग में 80 स्थान का फायदा हुआ है। ब्रेविस ने नाबाद 125 रन की पारी खेली थी। वे 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। ब्रेविस के अलावा, साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टी-20 में 83 रनों की विस्टफोटक पारी खेलने वाले टिम डेविड 6 स्थान के उछाल के साथ 10वें स्थान पर आ गए हैं। यह टिम डेविड के करियर की बेस्ट रैंकिंग है। भारत के अभिषेक शर्मा 829 रेटिंग पॉइंट्स के साथ नंबर-1 पर हैं, जबकि जबकि तिलक वर्मा (804 रेटिंग पॉइंट्स) इंग्लैंड के फिल सॉल्ट (791 पॉइंट्स) को पीछे छोड़कर नंबर-2 पर आ गए हैं।

एशिया कप में पाकिस्तान से न खेले भारत, हरभजन सिंह की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और राज्यसभा सदस्य हरभजन सिंह ने भारतीय क्रिकेट टीम से संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले आगामी एशिया कप टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने का आग्रह किया है। हरभजन उस भारतीय चैंपियन टीम का हिस्सा थे जिसने हाल ही में हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में सेमीफाइनल सहित पाकिस्तान चैंपियन टीम के साथ खेलने से इनकार कर दिया था।

भारत पहले टूर्नामेंट में जीत हासिल करने के बाद मौजूदा चैंपियन था, लेकिन कप्तान युवराज सिंह, शिखर धवन और हरभजन सिंह जैसे खिलाड़ियों के भारत के पाकिस्तान के साथ खेलने के खिलाफ होने के कारण, भारतीय चैंपियन टीम ने सेमीफाइनल मैच छोड़ दिया और पाकिस्तान को फाइनल में जाने दिया। भारतीय टीम ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच में भी खेलने से इनकार कर दिया था। फाइनल में साउथ अफ्रीका चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर खिताब जीता।

देश की गरिमा के आगे क्रिकेट फीकाः हरभजन

हरभजन सिंह ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, 'उन्हें (भारतीय टीम को) यह समझने की जरूरत है कि क्या जरूरी है और क्या नहीं। यह बिलकुल सीधी बात है। मेरे लिए, वे सैनिक जो सीमा पर खड़े हैं, जिनका परिवार अक्सर उनसे मिल नहीं पाता, जो कभी-कभी अपनी जान दे देते हैं और कभी घर नहीं लौटते, उनका बलिदान हम सबके लिए बहुत बड़ा है। उसकी तुलना में यह बहुत छोटी बात है कि हम एक भी क्रिकेट मैच खेलना नहीं छोड़ सकते। यह बहुत छोटी बात है।'

तब तक क्रिकेट नहीं : हरभजन

टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले पहले भारतीय हरभजन सिंह ने कहा, 'हमारी सरकार का भी यही यानी 'खून और पानी एक साथ नहीं रह सकते' रुख है। ऐसा नहीं हो सकता कि सीमा पर लड़ाई हो, दोनों देशों के बीच तनाव हो और हम क्रिकेट खेलने जाएं। जब तक ये बड़े मुद्दे सुलझ नहीं जाते, क्रिकेट बहुत छोटी बात है। देश हमेशा पहले आता है।'

उन्होंने यह भी कहा, 'हमारी सरहद पर भाई खड़े हुए हैं, जो हमें प्रोटेक्ट कर रहे हैं, हमारे देश को प्रोटेक्ट कर रहे हैं, उनका हौसला देखो, वे कितना बड़ा दिल लेकर वहां पर खड़े हुए हैं और सोचिए उनके परिवार पर तब क्या बीतती होगी जब वे घर नहीं लौटते और हम क्रिकेट खेलने चले जाते हैं।'

शे होप ने की पाकिस्तान की ऐसी पिटाई, एबी डीविलियर्स भी छूटे पीछे, क्रिस गेल और धोनी का रिकॉर्ड खतरे...

नई दिल्ली, एजेंसी। एक तीर से दो शिकार तो सुना था. मगर, वेस्टइंडीज के कप्तान शे होप ने पाकिस्तान की जैसी पिटाई की है, उसके बाद उन्होंने एक तीर से कई शिकार किए हैं. शे होप ने पाकिस्तान के खिलाफ विस्फोटक शतक लगाकर मोहम्मद रिजवान की टीम की हार तो तय की ही. इसके अलावा एबी डीविलियर्स को भी पीछे छोड़ने का काम किया. इतना ही नहीं, पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज डिसाइडर में शे होप के जमाए शतक के बाद अब क्रिस गेल और धोनी का रिकॉर्ड भी खतरे में पड़ गया है.

शे होप ने पाकिस्तान के खिलाफ 94 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 120 रन बनाए. 127.65 की स्ट्राइक रेट से खेली उनकी इस इनिंग में 5 छक्के और 10 चौके शामिल रहे. ये शे होप के वनडे करियर का 18वां, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ दूसरा शतक रहा. शे होप की इस शतक की बदौलत वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 294 रन बनाए, जिससे पार पाना पाकिस्तान के लिए लोहे के चने चबाने जैसा बन गया.शे होप को प्लेयर ऑफ द मैच बनाने वाले उनके धुआंधार शतक में अब खास क्या रहा, अब जरा वो जानिए. इस शतक के बूते शे होप ने एबी डीविलियर्स को सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वाले विकेटकीपरों की लिस्ट में पीछे छोड़ा है. शे होप के बतौर विकेटकीपर अब 5 वनडे शतक हैं. जबकि, एबी डीविलियर्स के 4 ही थे. इस मामले में वर्ल्ड रिकॉर्ड धोनी के नाम है, जिन्होंने 6 शतक बतौर कीपर वनडे में लगाए हैं.

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स बनेंगी बार्बी डॉल, महिलाओं के सम्मान में अनूठी पहल

नई दिल्ली, एजेंसी। वीनस विलियम्स जल्द ही 'बार्बी डॉल' के रूप में नजर आएगी। इस गुड़िया निर्माता कंपनी ने प्रेरणादायी महिलाओं की अपनी सीरीज में वीनस को लेकर 'बार्बी डॉल' बनाई है जिसे शुक्रवार को जारी किया जाएगा। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स जल्द ही 'बार्बी डॉल' के रूप में नजर आएगी। इस गुड़िया निर्माता कंपनी ने प्रेरणादायी महिलाओं की अपनी सीरीज में वीनस को लेकर 'बार्बी डॉल' बनाई है जिसे शुक्रवार को जारी किया जाएगा। इस गुड़िया को उसी तरह की पोशाक पहनाई गई है जो वीनस ने 2007 में विंबलडन चैंपियन बनने के दौरान पहनी थी। यह वही वर्ष था जब पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में महिलाओं को पुरुषों के बराबर पुरस्कार राशि मिली थी। इस गुड़िया की खुदरा कीमत 38 डॉलर बताई गई है, जिसमें वीनस पूरी तरह सफेद पोशाक में होंगी। उनके गले में हरे रंग का रत्न का हार, कलाई का बैंड हाथों में रैकेट और टेनिस बॉल होगी।

सिनसिनाटी ओपन

कार्लोस अल्काराज ने हमद मेडजेडोविक को हराया

सिनसिनाटी, एजेंसी। सिनसिनाटी ओपन में कार्लोस अल्काराज ने हमद मेडजेडोविक को हराकर 2025 की अपनी 50वीं जीत दर्ज की। अल्काराज ने 6-4, 6-4 से जीत दर्ज की। अल्काराज ने इस जीत के साथ ही लगातार 13वीं मास्टर्स 1000 जीत दर्ज की और एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के चौथे दौर में प्रवेश किया। अल्काराज और मेडजेडोविक के बीच जब मैच की शुरुआत हुई तो कड़ी टक्कर देखने को मिली। लेकिन, कार्लोस ने मैच को धीरे-धीरे अपने पक्ष में किया। मेडजेडोविक ने 3-3 की बराबरी पर सर्विस की। सर्बिया के मेडजेडोविक ने तीन ब्रेक पॉइंट बचाए, लेकिन चौथे ब्रेक पॉइंट पर दबाव का असर दिखा। इसका फायदा कार्लोस को हुआ। अल्काराज ने 95 मिनट तक चले मैच को 6-4, 6-4 से जीता। जीत के बाद अल्काराज ने कहा, मुझे पता है कि वह वाकई एक ज़बरदस्त खिलाड़ी है। उसके शॉट्स को रिटर्न करना बेहद मुश्किल होता है। उसकी सर्विस भी जबरदस्त है। मुझे पता है कि उसे इधर-उधर ज्यादा दौड़ना पसंद नहीं है, इसलिए मेरी योजना उसे जितना हो सके उतना दौड़ाने की थी। अल्काराज का सामना चौथे दौर में लुका नार्डी से होगा, क्योंकि जैकब मेन्सिक के मैच के बीच में ही रिटायर होने के बाद इस इतालवी खिलाड़ी को फ्री पास मिल गया था। 22 वर्षीय अल्काराज अपने आठवें मास्टर्स 1000 खिताब की तलाश में हैं। इस बेजोड़ जीत के सिलसिले के दौरान वे मोंटे कार्लो और रोम पर कब्जा कर चुके हैं।

टी-20 विश्व कप

नेपाल की टीम ने बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र में अभ्यास किया

ICC T20 WORLD CUP

मुंबई, एजेंसी। बीसीसीआई ने एक्स पर लिखा, आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप क्वालिफायर की तैयारी के तहत नेपाल की राष्ट्रीय टीम ने दो सप्ताह के विशेष शिविर में बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र में अभ्यास किया। नेपाल की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप क्वालिफायर के लिए बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में अभ्यास किया । यह भारत और नेपाल के बीच बढ़ते सहयोग का एक और उदाहरण है। बीसीसीआई पड़ोसी देश को क्रिकेट टीम के रूप में अपनी साख बेहतर बनाने में मदद कर रहा है। बीसीसीआई ने एक्स पर लिखा, आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप क्वालिफायर की तैयारी के तहत नेपाल की राष्ट्रीय टीम ने दो सप्ताह के विशेष शिविर में बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र में अभ्यास किया। टीम ने सुविधाओं का पूरा उपयोग किया और आगामी चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करने के लिए कौशल, फिटनेस और खेल की विभिन्न स्थितियों पर काम किया। इस शिविर का उद्देश्य टी-20 विश्व कप क्वालिफायर से पहले खिलाड़ियों के कौशल को बेहतर करना था। नेपाल की पुरुष टीम ने पिछले साल अगस्त में भी बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र में अभ्यास किया था और भारत में आयोजित घरेलू अभ्यास टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया था।

7 दिन के अंदर सरेंडर करो...हत्या के आरोपी सुशील कुमार को सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। जूनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियन सागर धनखड़ की हत्या के मुख्य आरोपी और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार की जमानत रद्द सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कर दी। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने कुमार को जमानत देने संबंधी दिल्ली हाई कोर्ट के 4 मार्च के आदेश को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति करोल ने फैसले का मुख्य अंश पढ़ते हुए सागर के पिता की ओर से जमानत आदेश के विरोध में दायर याचिका को स्वीकार कर लिया। न्यायाधीश ने कहा कि कुमार को एक सप्ताह के भीतर सरेंडर करना होगा।इस बीच सुशील कुमार जमानत पर छूटने के बाद उत्तर रेलवे में अपनी ड्यूटी पर लौट आया था, लेकिन अब उसे 7 दिन के अंदर सरेंडर करना होगा और जेल जाना होगा।

अशोक धनखड़ की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट का आदेश पलटा

वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ मृदुल ने मृतक के पिता अशोक धनखड़ का प्रतिनिधित्व किया, जबकि वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी सुशील कुमार की ओर से शीर्ष अदालत में पेश हुए। सुशील कुमार पर कई अन्य लोगों के साथ मिलकर 4 मई, 2021 को दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम की पार्किंग में कथित तौर पर एक संपत्ति विवाद को लेकर धनखड़ और उनके दो दोस्तों सोनू और अमित कुमार पर हमला करने का आरोप है।

नेशनल पहलवान की हत्या के बाद 18 दिनों तक पुलिस से भागता रहा सुशील कुमार

हरियाणा के रोहतक के 23 वर्षीय पहलवान धनखड़ की हमले में लगी चोटों के कारण मौत हो गई, जबकि उनके दो साथी घायल हो गए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार धनखड़ की मौत चोट के कारण हुई। इस घटना के बाद ओलंपियन की तलाश में बड़े पैमाने पर अभियान चलाया गया और 18 दिनों तक पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा में भागने के बाद गिरफ्तार किया गया। दिल्ली पुलिस ने मुंडका इलाके में गिरफ्तार किया जब वह एक नेशनल स्तर के एथलीट से उधार ली गई स्कूटी पर सवार होकर नकदी लेने आया था। 23 मई, 2021 को गिरफ्तारी के बाद सुशील को रेलवे की नौकरी से निलंबित कर दिया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, जहां वह अपनी जमानत के आदेश तक रहा।

सुशील कुमार पर अपहरण, डकैती, हत्या और दंगा सहित कई आरोप

दिल्ली की एक निचली अदालत ने अक्टूबर 2022 में सुशील कुमार और 17 सह-आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की कई धाराओं के तहत आरोप तय किए, जिनमें हत्या, दंगा, आपराधिक साजिश, अपहरण, डकैती और शस्त्र अधिनियम के तहत अपराध शामिल हैं। दिल्ली पुलिस के आरोपपत्र में सुशील कुमार को इस ग्रुप का सरगना बताया गया है और आरोप लगाया गया है कि अपने घटते प्रभाव की अफवाहों से अपने अहंकार को ठेस पहुंचाने के बाद कुश्ती समुदाय में अपना प्रभाव फिर से स्थापित करने के लिए उसने यह हमला करवाया।

कार्तिक आर्यन

निभा सकते हैं वायुसेना पायलट की भूमिका

अभिनेता कार्तिक आर्यन को लेकर चर्चा है कि वे पर्दे पर वायुसेना पायलट की भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह किरदार वे निर्देशक शिमित अमिन की फिल्म में करेंगे। अभिनेता कार्तिक आर्यन की आगामी फिल्म की चर्चा हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे आगामी फिल्म कैप्टन इंडिया में वायुसेना पायलट की भूमिका निभाते दिखेंगे। कार्तिक आर्यन के हाथ निर्देशक शिमित अमिन की फिल्म लगी है, जिसमें वे पायलट का रोल करेंगे। शिमित अमिन के साथ कार्तिक आर्यन की यह पहली फिल्म होगी। बता दें कि शिमित को अब तक छप्पन और चक दे! इंडिया जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कार्तिक और शिमित पिछले एक साल से बातचीत कर रहे थे। दोनों के बीच कई विषयों पर बातचीत चल रही थी। इसी बीच शिमित ने कार्तिक को कैप्टन इंडिया के बारे में बताया। उन्हें यह कहानी काफी दिलचस्प लगी।

2026 में शूटिंग शुरू होने की संभावना

सूत्र ने आगे कहा, शिमित ने कैप्टन इंडिया के लिए एक शानदार स्क्रीनप्लेय तैयार किया है। वे 2026 की पहली छमाही में कार्तिक के साथ फिल्म की शूटिंग शुरू करने की तैयारी में हैं। शिमित ने जब कार्तिक को फिल्म की कहानी सुनाई, तो एक्टर को भी स्क्रिप्ट काफी पसंद आई है।

कब तक होगी रिलीज?

फिल्म की कहानी कथित तौर पर रियल लाइफ घटनाओं से प्रेरित है। शूटिंग भारत और मोरक्को में होगी। एक टीम ने लोकेशन फाइनल करने के लिए रेकी भी कर ली है। पहले, फिल्म निर्माता हंसल मेहता कथित तौर पर आरएसवीपी बैनर तले इस फिल्म का निर्देशन करने वाले थे। फिल्म की शूटिंग मार्च से जुलाई 2026 तक निर्धारित है। यह 2027 की पहली छमाही में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। कार्तिक के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिलहाल तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी की तैयारी में व्यस्त हैं।

कांतारा: चैप्टर 1 में अलौकिक रूप के बाद, अब सबकी नज़रें रुक्मिणी वसंत पर

इंटरनेट पर इस वक्त बस एक ही नाम गूंज रहा है - रुक्मिणी वसंत। जैसे ही कांतारा- चैप्टर 1 में उनकी 'कनकवती' वाली लुक सामने आई, पूरे देश के दर्शक चौकन्ने हो गए। लेकिन कन्नड़ सिनेमा के जानकारों के लिए रुक्मिणी कोई नई खोज नहीं, बल्कि पहले से ही एक चमकता सितारा हैं। बिर्बल ट्रिलॉजी के कोर्टरूम ड्रामे से लेकर सप्त सगरदाचे एलो - साइड और साइड क्च में दिल तोड़ देने वाले अभिनय तक, उन्होंने हमेशा ऐसे रोल चुने हैं जो सच्चाई की जड़ों से जुड़े हों। बानदरियाल्ली, भैराठी रणगल और बघीरा जैसी फ़िल्मों में उन्होंने अपनी रेंज और स्क्रीन प्रेज़ेन्स से बार-बार साबित किया है कि वो सिर्फ एक्टिंग नहीं करतीं, बल्कि किरदार में घुल-मिल जाती हैं। थिएटर से ट्रेनिंग पाई रुक्मिणी में एक दुर्लभ मेल है – शालीनता, भावनात्मक गहराई और वो ठहराव जो बिना कुछ कहे बहुत कुछ कह जाता है। उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स में हञ्ज्ञह्रश्चश्चरु कांतारा- चैप्टर 1 और मधारसी शामिल हैं। फैंस उनकी कनकवती वाली लुक को रोमांच से भर देने वाला, दिव्य पर ज़मीन से जुड़ा और शांत ताक़त का प्रतीक बता रहे हैं। यही है 'रुक्मिणी इफ़ेक्ट'। अब जब बाक़ी भारत भी उनकी प्रतिभा को पहचानने लगा है, एक बात साफ है – रुक्मिणी वसंत सिर्फ एक मोमेंट नहीं जी रही हैं, वो अपनी विरासत गढ़ रही हैं।

रेंजर में संजय-अजय फिर साथ दिखेंगे

अजय के पास गोलमाल 5 के अलावा भी कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। उनकी हिट थ्रिलर सीरीज दृश्यम 3 कतार में है। हालांकि यह अभी तय नहीं है कि इसकी शूटिंग कब शुरू होगी। इसके अलावा, वह अपनी फिल्म दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग के आखिरी शेड्यूल के लिए लंदन में हैं, जहां एक गाने की शूटिंग चल रही है। उनकी एक और फिल्म रेंजर भी चर्चा में है, जिसमें उनके साथ संजय दत्त मुख्य भूमिका में होंगे। इस फिल्म की शूटिंग सितंबर से मुंबई में होनी है। वहीं, अजय के भांजे देवगन भी एक हॉरर फिल्म करने वाले हैं, जिसे अजय देवगन फिल्म्स ही प्रोड्यूस कर रहा है।

एक्शन पे एक्शन:

बागी 4 के धमाकेदार टीज़र में सोनम बाजवा ने मर्दों को दी बराबरी की टक्कर

बागी 4 का टीज़र आ चुका है, और भले ही एक्शन धमाकेदार हो, लेकिन टीज़र में जिसने सबका दिल और ध्यान खींचा है, वो हैं सोनम बाजवा। पहली बार एक्शन-ज़ोन में कदम रखते हुए, सोनम पूरे पावरहाउस अंदाज़ में नज़र आ रही हैं – टाइगर श्रॉफ, संजय दत्त और हरनाज़ संधू जैसे सितारों के साथ हाई-वोल्टेज वाइब में बराबरी से खड़ी। सबसे हैरान करने वाली बात ये है कि बागी फ्रेंचाइज़ी में पहली बार कोई हीरोइन इतनी ज़बरदस्त और हिंसक अवतार में दिख रही है – मर्दों के साथ मुक्का दर मुक्का, लात दर लात मिलाकर। हाउसफुल 5 से बॉलीवुड डेब्यू और पंजाबी फिल्म गोड्डे गोड्डे चा की नेशनल अवॉर्ड-विजेता सफलता के बाद, सोनम ने साबित कर दिया है कि मसाला एंटरटेनर्स से लेकर दमदार महिला-केंद्रित फिल्मों तक – हर जॉनर में चमक सकती हैं। अब बागी 4 के साथ, वो एक्शन सिनेमा में धमाकेदार एंट्री मार रही हैं और टीज़र के हर फ्रेम पर कब्ज़ा कर रही हैं। फैंस बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं कि 5 सितंबर को थिएटर्स में उनका ये नया अवतार देखने को मिले।

रानी चटर्जी ने दिखाई इमरती दीदी की झलक

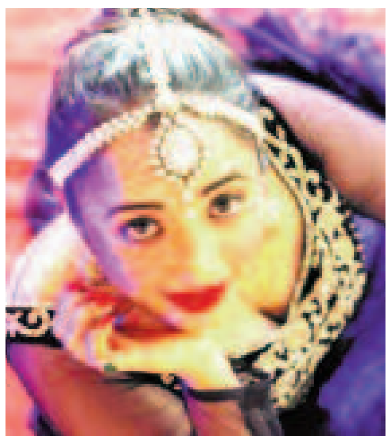

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री रानी चटर्जी के पास एक से एक बड़ी फिल्मों के ऑफर्स आते रहते हैं, लेकिन वह उन्हीं फिल्मों को चुनती हैं जिनमें उनका किरदार सशक्त हो। ऐसी ही एक फिल्म इन दिनों चर्चा में है, जिसका नाम है इमरती दीदी, जिसकी शूटिंग का वीडियो अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर शूटिंग से जुड़ा एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें रानी अपने को स्टार्स के साथ नजर आ रही हैं। क्लिप देखकर फैंस ये अनुमान लगा रहे हैं कि यह सीन घर से छोड़े जाने का है। वीडियो के बैकग्राउंड पर जूही-शाहरुख की फिल्म भूतनाथ का गाना समय का पहिया चलता है ऐड किया है।

इससे पहले भी अभिनेत्री ने फिल्म इमरती दीदी की शूटिंग की जानकारी अपने फैंस से साझा की थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह बालों को संवारते, तो कभी अलग-अलग एक्सप्रेशन के साथ डांस करती नजर आ रही थी। रानी ने इसके कैप्शन में लिखा था, इमरती ने भी ट्रेंड फॉलो कर लिया, मेरी नई फिल्म का नाम इमरती है जिसकी शूटिंग शुरू कर रही हूं। लुक की बात करें, तो अभिनेत्री साधारण से सूट में हैं और हेयर स्टाइल भी सादा है। उन्होंने चोटी बना रखी है। फैंस को अभिनेत्री का ये अंदाज काफी पसंद आ रहा है। एक्ट्रेस के करियर की बात करें तो रानी ने साल 2003 में फिल्म ससुरा बड़ा पैसा वाला से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया, जिसमें देवरा बड़ा सतावेला, रानी नंबर 786, घरवाली बाहरवाली, बंधन टूटे ना, चोर मचाए शोर जैसी फिल्में शामिल हैं। रानी ने 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। वह रोहित शेट्टी के स्टंट-आधारित रिएलिटी शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 10 में खतरनाक स्टंट करती दिखी थीं और एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम हुई वेब सीरीज मस्तराम का भी हिस्सा रही हैं।

ईशा कोप्पिकर अपनी अगली फिल्म रॉकेटशिप में निभा रही हैं एक स्नेही माँ का किरदार

नवोदित कलाकारों को प्रोत्साहित करने में हमेशा आगे रहने वाली ईशा कोप्पिकर ने एक बार फिर युवा प्रतिभाओं के समर्थन में अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। अभिनेत्री, जो नए और उभरते टैलेंट को बढ़ावा देने की पुरजोर समर्थक रही हैं, उन्होंने एक बार फिर सुभाष घई के प्रतिष्ठित संस्थान व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल अकेडमी में फिल्म निर्माण के छात्रों को अपना प्यार और समर्थन देकर यह सिद्ध किया है। यह प्रतिभाशाली अभिनेत्री छात्रों के डिप्लोमा प्रोजेक्ट रॉकेटशिप में अभिनय कर उन्हें अपनी अनुभवपूर्ण उपस्थिति और स्टार पॉवर के जरिए सहयोग प्रदान किया है, जिससे इन नवोदित फिल्मकारों की रचनात्मक दृष्टि को साकार करने में मदद मिली है।

ईशा कहती हैं, जब छात्रों ने मुझसे संपर्क किया, तो मैं इस प्रोजेक्ट में उनका साथ देने के लिए निःसंकोच तैयार हो गई। इन बच्चों में अपार क्षमता है, जो उस वक्त साफ़ नजर आई जब इन्होंने मुझे अपनी कहानी और स्क्रिप्ट सुनाई। मैं इन बच्चों से खुद को जोड़ पाती हूँ क्योंकि इन्होंने भी सब कुछ ज़ीरो से शुरू किया है, ठीक वैसे ही जैसे मैंने किया था। मेरे पास इंडस्ट्री में कोई गॉडफादर नहीं था। इसलिए जब मैं इन्हें अपने सपनों की शुरुआत करते देखती हूँ, तो वो मेरे लिए प्रेरणादायक और संतोषजनक अनुभव होता है।

नोरा फतेही का ओ मामा! टेटेमा का बीटीएस में झलकती है नोरा फतेही की परफेक्शन, पावर और पैशन की झलक

ट्राइबल-प्रेरित फैशन को मॉडर्न हाई-फैशन ट्विस्ट के साथ पहनकर, नोरा फतेही स्क्रीन पर शक्ति, आकर्षण और रहस्य की मिसाल बनकर उभरती हैं। सिनेमैटोग्राफी में मिट्टी के रंग, शानदार लोकेशन्स और भव्य सेट डिज़ाइन्स हर सीन को एक कलाकृति बना देते हैं। प्रसिद्ध कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस द्वारा कोरियोग्राफ किया गया यह परफॉर्मेंस अफ्रीकी बीट्स, भारतीय अंदाज़ और नोरा के हाई-एनर्जी मूव्स का ऐसा मेल है, जो इस गाने की ग्लोबल आत्मा को दर्शाता है। पर्दे के पीछे की मेहनत, कठिन रिहर्सल और परफेक्ट कोरियोग्राफी यह दिखाते हैं कि इन ऊर्जा से भरपूर डांस मूव्स को तैयार करने में कितनी बारीकी और समर्पण लगा है। टी-सीरीज़ द्वारा प्रोड्यूस किया गया यह हाई-एनर्जी ट्रैक हिंदी, इंग्लिश और स्वाहिली का जीवंत फ्यूज़न है। नोरा ने न सिर्फ इसमें परफॉर्म किया है, बल्कि इस गाने को लिखा और गाया भी है–श्रेया घोषाल की सोलफुल आवाज़ और रेवान्नी की अफ्रीकी बोंगो एनर्जी के साथ। उनकी आवाज़ और लेखनी इस गाने को एक नया, आकर्षक आयाम देती है, जो उनकी स्क्रीन पर मौजूद एनर्जी से पूरी तरह मेल खाता है, और प्रशंसकों को बार-बार सुनने पर मजबूर कर देता है। ओह मामा!

थलापति विजय की जन नायकन को लेकर

बॉबी का खुलासा

थलापति विजय की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म जन नायकन 9 जनवरी, 2026 को रिलीज होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह विजय की आखिरी फिल्म हो सकती है, क्योंकि वह राजनीति में कदम रखने की योजना बना रहे हैं।

बॉबी ने की विजय की तारीफ

बातचीत के दौरान, बॉबी देओल ने बताया कि थलापति विजय बहुत बड़े स्टार हैं। उनकी लोकप्रियता के कारण बाहर शूटिंग करना मुश्किल होता है, क्योंकि लोग भारी संख्या में इकट्ठा हो जाते हैं। इसलिए फिल्म की शूटिंग ज्यादातर स्टूडियो में हो रही है।

साउथ फिल्मों को लेकर बॉबी की राय

बॉबी ने दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपने पिछले अनुभव भी साझा किए। उन्होंने नंदमुरी बालकृष्ण (एनबीके) के साथ काम करने को शानदार बताया और कहा कि वह जनता के स्टार हैं। साथ ही, उन्होंने सूर्या के साथ फिल्म कंगुवा में काम करने की बात की, जो उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। बॉबी ने कहा कि सूर्या बेहतरीन अभिनेता हैं, लेकिन स्क्रिप्ट में कमी रह गई। जन नायकन एक राजनीतिक एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन एच. विनोथ ने किया है। इसमें विजय एक पूर्व पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे, जो एक बड़ी राजनीतिक लड़ाई में उलझता है।

साभार एजेंसी